শর্মা হার্ডওয়েৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 207 | गुवाहाटी | गुरुवार, 27 फरवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

असम का हरा सोना : बांस उद्योग तेजी से विकास की ओर अग्रसर — पेज 3
केंद्र बुनियादी ढांचे के विकास में महाराष्ट्र की पहल को पूरा समर्थन देगा : पूयीष गोयल — पेज 4
महिलाओं को इसी बजट सत्र के बाद हर माह मिलेंगे 2100 रुपए : नायब सैनी — पेज 5
शीघ्रता से करें जन समस्याओं का समाधान, बदमाशों को सिखाएं कानूनी... — पेज 8

असम में व्यापार शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन

10,785 करोड़ रुपए के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि दो दिवसीय एडवांटेज असम 2.0 निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन 2025 के समापन के दिन विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों के साथ अब तक 10,785 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। राज्य सरकार ने 200 मेगावाट डाटा सेंटर स्थापित करने के लिए विरिंची लिमिटेड के साथ 3,000 करोड़ रुपए के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, साथ ही 500 बिस्तरों वाले सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की स्थापना के लिए विरिंची हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड के साथ 200 करोड़ रुपए के एक अन्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। स्टार सीमेंट्स लिमिटेड के साथ उनकी सहायक कंपनी स्टार सीमेंट नॉर्थ ईस्ट लिमिटेड के माध्यम से सीमेंट क्लिंकर और ग्राइंडिंग प्लांट स्थापित करने के लिए 3,200 करोड़ रुपए के समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। राज्य सरकार ने 95 केटीपीए हाइड्रोजन और स्टीम जनरेशन प्लांट स्थापित करने के लिए मैथेसन हाइड्रोजन प्राइवेट लिमिटेड के साथ 1,500 करोड़ रुपए के समझौते पर भी हस्ताक्षर किए। अल्ट्राटेक सीमेंट के साथ ग्राइंडिंग यूनिट और सीमेंट-बल्क टर्मिनल स्थापित करने के लिए 700 करोड़ रुपए का समझौता हुआ। कॉपर प्लस होल्डिंग्स एसएसी ने खनन अन्वेषण सहित सेवाओं और परिचालनों के लिए 1,000 करोड़ रुपए के समझौते पर हस्ताक्षर किए। उद्योगपति मुकेश अंबानी और गौतम अडानी ने मंगलवार को गुवाहाटी में एडवांटेज असम 2.0 निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन में असम के विभिन्न क्षेत्रों में 50,000 करोड़ रुपए के निवेश की योजना की घोषणा की। काजीरंगा में पांच सितारा लक्जरी इको-रिसॉर्ट स्थापित करने के लिए तमारा लीजर एक्सपीरियंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ 275 करोड़ रुपए के समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। वरुण बेवरेजेस लिमिटेड ने कार्बोनेटेड शीतल पेय, फलों के रस और फलों के गूदे पर आधारित पेय के लिए एक नया विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए 510 करोड़ रुपए का निवेश करने पर सहमति व्यक्त की। ग्लोबल हेल्थ लिमिटेड के साथ 500 करोड़ रुपए के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जबकि आईटीई एजुकेशन सर्विस के साथ अलग-अलग विषयों पर दो गैर-वित्तीय समझौते किए गए। मुख्यमंत्री ने *एक्स* पर लिखा कि उद्योग समुदाय के निरंतर सहयोग के लिए मैं उनका आभारी हूं। मंगलवार को एक पोस्ट में शर्मा ने बताया कि शिखर सम्मेलन के पहले दिन 15 क्षेत्रों में निवेश प्रस्तावों के 164 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। उन्होंने कहा कि असम की विकास गाथा में उनके निरंतर विश्वास और भरोसे के लिए मैं सभी उद्योग जगत के नेताओं का आभारी हूं। पहले दिन, चार अंतर्राष्ट्रीय गैर-वित्तीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए, जबकि अडानी समूह, टाटा पावर, जेएसडब्ल्यू एनर्जी जैसी -शेष पृष्ठ दो

भारत के ऊर्जा क्षेत्र में असम प्रमुख खिलाड़ी : मुख्यमंत्री

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने असम को उर्जा क्षेत्र में बढ़ावा देने के लिए केंद्र की प्रतिबद्धता दोहराई

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने एडवांटेज असम 2.0 में केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी से बंगाईगांव रिफाइनरी की क्षमता में बढ़ाने के लिए सहयोग मांगा। इस पर केंद्रीय मंत्री पुरी ने राज्य के ऊर्जा क्षेत्र को और बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता जताई। मुख्यमंत्री ने कोकराझाड़ और आमगुरी में कई सीएनजी खुदरा परियोजनाओं का भी वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन भी किया। बुधवार को एडवांटेज असम 2.0 में *असम की ऊर्जा क्षमता को खोलना : भविष्य के लिए तैयार तेल और गैस अवसंरचना का निर्माण, नवाचार और वैश्विक ऊर्जा बदलावों के साथ निवेश* विषय पर एक विषयगत सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में तेल और गैस क्षेत्र में असम की रणनीतिक पहलों पर चर्चा की गई, जिसमें वैश्विक ऊर्जा बदलावों के साथ ऊर्जा अवसंरचना विकास, नवाचार और निवेश के अवसरों पर विशेष ध्यान दिया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि असम ने भारत के तेल उद्योग की प्रगति में अग्रणी भूमिका निभाई है। असम के पास विशाल हाइड्रोकार्बन भंडार और कुशल कार्यबल है। राज्य में देश के प्राकृतिक गैस भंडार का 12 फीसदी हिस्सा है और भारत की आधी प्राकृतिक गैस का उत्पादन करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चार चालू रिफाइनरियों और 7.45 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) की संयुक्त शोधन क्षमता के साथ असम देश को ईंधन देने के लिए ऊर्जा की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करता है। राज्य के खुदरा नेटवर्क में 1,180 आउटलेट शामिल हैं और इसकी वार्षिक एलपीजी खपत 0.5 एमएमटी है। पेट्रोकेमिकल -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

असम एक भरोसेमंद और प्रगतिशील राज्य है : पीयूष गोयल

गुवाहाटी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आज असम के भविष्य के विकास को आगे बढ़ाने में 3 टी (व्यापार, प्रौद्योगिकी, पर्यटन) और 3 आई (उद्योग, बुनियादी ढांचा, निवेश) की भूमिका पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री ने आज गुवाहाटी में एडवांटेज असम 2.0 निवेश और अवसंरचना शिखर सम्मेलन में *असम में निर्यात लॉजिस्टिक्स का भविष्य* सत्र में भाग लिया और समापन सत्र को संबोधित किया। यह आयोजन भारत के निर्यात लॉजिस्टिक्स और व्यापार क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में असम की स्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। केंद्रीय मंत्री ने पारिस्थितिकी संतुलन सुनिश्चित करते हुए पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के बारे में बात की। उन्होंने टिकाऊ, उच्च-मूल्य वाले पर्यटन के महत्व पर जोर दिया, जो असम की प्राकृतिक सुंदरता से समझौता किए बिना राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देगा। उन्होंने राज्य के चाय उद्योग की भी सराहना की, विशेष रूप से *झुमोर* पहल पर प्रकाश डाला, जिसमें हाल ही में गुवाहाटी में प्रधानमंत्री मोदी ने भाग लिया था। केंद्रीय मंत्री ने प्रौद्योगिकी क्षेत्र में असम की बढ़ती भूमिका की भी सराहना की, जिसमें टाटा के सेमीकंडक्टर उद्योग और रिलायंस इंडस्ट्रीज के एआई उपक्रम जैसे महत्वपूर्ण विकास क्षेत्र की अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालेंगे। राज्य के बढ़ते शैक्षणिक क्षेत्र को संबोधित करते हुए गोयल ने 18 नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना और स्थानीय छात्रों को वैश्विक अवसरों के लिए तैयार करने के लिए विश्वविद्यालयों में विदेशी भाषा कार्यक्रम -शेष पृष्ठ दो पर

असम बिजनेस समिट में केंद्रीय मंत्री गडकरी का बड़ा एलान

सड़क परियोजना का जल्द शुरू होगा काम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व शर्मा ने अपने राज्य में निवेश को बढ़ावा देने के लिए इंवेस्टर्स समिट का आयोजन किया है। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने इस दौरान कहा है कि असम में 80,000 करोड़ रुपए की रोड़ प्रोजेक्ट पर काम जल्द ही शुरू होगा। उन्होंने कहा है कि इस पहल के अंतर्गत, ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे एक टनल, काजीरंगा नेशनल पार्क में एक एलिवेटेड कॉरिडोर और गुवाहाटी रिंग रोड समेत मुख्य प्रोजेक्ट्स शुरू किए जाएंगे। *एडवांटेज असम 2.0 बिजनेस समिट* में सड़क, रेलवे और नदी अवसंरचना पर आयोजित सत्र को ऑनलाइन संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि साल 2029 तक उनके मंत्रालय के अंतर्गत राज्य में 3 लाख करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट पूरे होंगे। उन्होंने कहा कि राज्य में 60,000 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स पर काम पहले से ही जारी है और वे विभिन्न चरणों में पूरी हो रही हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

एक नेता वह होता है जिसकी एक सोच हो, जिसमें कुछ कर गुजरने का जज्बा हो। जो मुश्किलों में डरे नहीं। बल्कि उसे यह पता हो कि समस्याओं का सामना कैसे किया जाए। सबसे महत्वपूर्ण, जो अपनी बात पर कायम रहे।

– **अब्दुल कलाम**

पीयूष हजारिका ने एडवांटेज असम 2.0 में स्टार्ट-अप इकोसिस्टम सत्र में लिया हिस्सा

गुवाहाटी (हि.स.)। राज्य के जल संसाधन, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पीयूष हजारिका ने एडवांटेज असम 2.0 शिखर सम्मेलन में स्टार्ट-अप इकोसिस्टम सत्र में भाग लिया। अपने संबोधन में उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में स्टार्ट-अप हब बनने के लिए असम की प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया। अपने संबोधन के दौरान, मंत्री हजारिका ने असम स्टार्टअप और इनोवेशन पॉलिसी 2025 की रूपरेखा प्रस्तुत की, जो आईटी/आईटीईएस, डीप-टेक, -शेष पृष्ठ दो पर

एडवांटेज असम 2.0 में 4,800 करोड़ की योजना का सोनोवाल ने किया अनावरण

गुवाहाटी (हि.स.)। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने आज गुवाहाटी में एडवांटेज असम 2.0 में असम के अंतर्देशीय जलमार्ग क्षेत्र को बदलने के लिए 4,800 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश की घोषणा की। निवेश शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन असम की सड़क, रेलवे और नदी पर्यटन पर सत्र में सोनोवाल ने जोर देकर कहा कि यह निवेश राज्य की जटिल और गतिशील जलमार्ग प्रणाली की अपार क्षमता को सक्षम करने के लिए है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में क्षेत्र के विकास को आगे बढ़ा सकती है। इस अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में, देश विकसित भारत के विजन को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मोदी के विजन को साकार करने की इस यात्रा को आगे बढ़ाने में पूर्वोत्तर के साथ-साथ असम एक अभिन्न भूमिका निभा रहा है। अंतर्देशीय जलमार्ग इस योजना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, क्योंकि दूरदर्शी मोदी ने 2014 से इसके पुनरुद्धार की योजना बनाई थी, जो अतीत की लगभग अस्पष्टता और उपेक्षा से उबर चुका था। इस क्षेत्र में -शेष पृष्ठ दो पर

स्टार सीमेंट ने असम में 3,200 करोड़ रुपए के प्लांट का प्रस्ताव रखा

गुवाहाटी। स्टार सीमेंट लिमिटेड ने असम में 3,200 करोड़ रुपए का सीमेंट क्लिंकर और ग्राइंडिंग प्लांट लगाने का प्रस्ताव दिया है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि बुधवार को एडवांटेज असम बिजनेस समिट के समापन के दिन राज्य सरकार और कंपनी के बीच इस संबंध में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अलावा, राज्य सरकार और मैथेसन हाइड्रोजन लिमिटेड के बीच एक समझौता हुआ, जो 1,500 करोड़ रुपए का हाइड्रोजन और स्टीम जेनरेशन प्लांट लगाने को तैयार है। राज्य सरकार ने ग्लोबल हेल्थ लिमिटेड के साथ 500 करोड़ रुपए के एमओयू पर भी हस्ताक्षर किए, जबकि आईटीई एजुकेशन सर्विस के साथ दो गैर-वित्तीय समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। सरमा ने कहा कि वे कंपनियों के समर्थन के लिए उनके आभारी हैं और उन्होंने कहा कि दिन के दौरान और समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। मंगलवार को *एडवांटेज असम 2.0 निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन 2025* के पहले दिन 15 क्षेत्रों की कंपनियों के साथ निवेश प्रस्तावों के कुल 164 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

न्यूज गैलरी

जीआर इंफ्राप्रोजेक्ट्स ने असम सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

गुवाहाटी। असम सरकार ने एक रोपवे परियोजना के विकास की पहल की है और गुवाहाटी, असम में सोनाराम फील्ड से भुवनेश्वरी मंदिर, कामाख्या तक रोपवे के विकास (परियोजना) की स्थापना के लिए 26 फरवरी 2025 को जीआर इंफ्राप्रोजेक्ट्स के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौता ज्ञापन के अनुसार, असम सरकार मौजूदा नीतियों, नियमों और विनियमों के अनुसार राज्य के संबंधित विभागों, एजेंसियों और प्राधिकरणों से सभी आवश्यक अनुमतियां, पंजीकरण, अनुमोदन और मंजूरी प्राप्त करने में सहायता करके रोपवे के विकास में जीआर इंफ्राप्रोजेक्ट्स की सहायता करेगी। समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर की तारीख से अधिकतम 12 महीने की अवधि के लिए वैध रहेगा, जब तक कि असम सरकार द्वारा इसे आगे न बढ़ाया जाए।

एडवांटेज असम 2.0 : विशेषज्ञों और निवेशकों ने विकास पर चर्चा की

गुवाहाटी (हि.स.)। एडवांटेज असम 2.0 : निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन 2025 में *भविष्य का निर्माण : रियल एस्टेट और शहरी बुनियादी ढांचा* शीर्षक वाले सत्र में राज्य के शहरी परिदृश्य के विकास पर एक आकर्षक संवाद की सुविधा प्रदान की गई। प्रमुख सरकारी अधिकारियों, उद्योग जगत के नेताओं और निवेशकों को एक साथ लाते हुए, सत्र ने असम को एक आधुनिक, टिकाऊ शहरी केंद्र में बदलने के लिए साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। चर्चाएं निवेश के अवसरों, नीतिगत ढांचों और बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देने, रियल एस्टेट विकास को बढ़ाने और दीर्घकालिक शहरी स्थिरता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रणनीतिक पहलों पर केंद्रित थीं। सत्र ने सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य किया, असम के शहरी परिवर्तन को आगे बढ़ाने के लिए सरकारी नीतियों को उद्योग विशेषज्ञता के साथ संरेखित किया। उद्योग विशेषज्ञों, नौकरशाहों और निवेशकों सहित पैनलिस्टों ने असम के शहरों के भविष्य को आकार देने में स्मार्ट बुनियादी ढांचे, पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार विकास और निवेश-संचालित विकास के महत्व पर जोर दिया। पैनल चर्चा का संचालन साबरमती रिवरफ्रंट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के अध्यक्ष केशव वर्मा ने किया। अन्य प्रतिष्ठित पैनलिस्टों में असम रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (रेरा) के अध्यक्ष पबन कुमार बरठाकुर, भारत सरकार के आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव डी. थारा, जेएलएल इंफ्रास्ट्रक्चर के एमडी जयदीप डांग, ईएमएआर इंडिया लिमिटेड के सीईओ कल्याण चक्रवर्ती, हुडको के चेयरमैन और एमडी संजय कुलश्रेष्ठ और पॉवरटेक इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड की प्रमोटर डायरेक्टर सुजाता श्रीकुमार शामिल थे। सभा को संबोधित करते हुए मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने असम के तेजी से हो रहे शहरीकरण पर प्रकाश डाला और कहा कि राज्य की 14 फीसदी आबादी पहले से ही शहरी कवरेज के अंतर्गत है। उन्होंने शहर के विकास के लिए समग्र और टिकाऊ दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया। सही नीतियों और निजी निवेशकों के साथ सहयोग से असम सुनियोजित शहरों का विकास कर सकता है, जो भविष्य की पीढ़ियों के लिए जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाते हुए विकास को समायोजित करते हैं। उन्होंने जोर दिया कि समग्र विकास तभी हासिल किया जा सकता है जब प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक क्षेत्रों से जीडीपी योगदान संतुलित हो। असम के आर्थिक इतिहास को याद करते हुए उन्होंने उल्लेख किया कि आजादी से पहले राज्य की जीडीपी भारत की कुल जीडीपी से अधिक थी। हालांकि, आजादी के बाद के दशकों में भूकंप, क्षेत्रीय विभाजन और उग्रवाद के कारण असफलताएं देखी गईं। संबंधित -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

महाशिवरात्रि पर महास्नान के साथ ही महाकुंभ का समापन

45 दिनों में 65 करोड़ से ज्यादा लोगों ने लगाई आस्था की डुबकी

महाकुंभनगर। महाकुंभ, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा जमावड़ा माना गया, बुधवार को समाप्त हो रहा है। यह 45 दिन पहले शुरू हुआ था। लाखों भक्त शिवरात्रि के शुभ दिन पर डुबकी लगाने के लिए गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती के संगम में डुबकी लगाई। जबकि महाकुंभ में रिकॉर्ड तोड़ 65 करोड़ आगंतुकों ने भाग लिया। महाकुंभ, जो 12 वर्षों में एक बार होता है, 13 जनवरी (पौष पूर्णिमा) को शुरू हुआ और अब तक तीन अमृत स्नान हो चुके हैं। इस विशाल धार्मिक आयोजन में अब तक रिकॉर्ड 65 करोड़ से अधिक तीर्थयात्री शामिल हुए हैं। 65 करोड़ से अधिक की भारी भीड़ के बीच पिछले 45 दिनों में *मोनालिसा* और आईआईटी *बाबा* जैसे कुछ चेहरे सुर्खियों में आए। कुंभ मेलों में, विभिन्न हिंदू संप्रदायों या *अखाड़ों* के भक्त उपरोक्त स्थलों पर पवित्र नदियों में *शाही स्नान* या शाही स्नान करने के लिए भव्य जुलूसों में भाग लेते हैं। *पुष्प वर्षा* के प्रभारी वी के सिंह ने बताया कि स्नानार्थियों पर हर बार गुलाब की 20 क्विंटल पंखुड़ियों की वर्षा कराई गई और कुल 120 क्विंटल पंखुड़ियों की पुष्प वर्षा कराई गई है। उन्होंने बताया कि पहले दौर में सुबह आठ बजे पुष्प वर्षा कराई गई तथा सभी घाटों पर छह बार पुष्प वर्षा कराई गई। प्रत्येक 12 वर्ष में आयोजित होने वाले महाकुंभ में पहला स्नान पर्व 13 जनवरी को हुआ था। हिंदू पौराणिक कथाओं के मुताबिक, समुद्र मंथन में भगवान शिव ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। समुद्र मंथन से अमृत कलश निकला और इसकी बूंदें जहां जहां गिरीं, वहां वहां कुंभ मेले का आयोजन होता है। महाकुंभ मेले के छह स्नान पर्वों में तीन स्नान पर्व अमृत स्नान के थे और ये 14 जनवरी को मकर संक्रांति, 29 जनवरी को मौनी अमावस्या और तीन फरवरी को बसंत पंचमी पर संपन्न हुए। सभी 13 अखाड़े अमृत स्नान करके मेले से विदा हो चुके हैं। महाकुंभ मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए मेला और जिला प्रशासन ने महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या पर ही जिले और मेला क्षेत्र को *नो व्हीकल जोन* घोषित कर दिया था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में आयोजित मानवता का *महायज्ञ*, आस्था, एकता और समता का महापर्व महाकुंभ-2025, प्रयागराज आज महाशिवरात्रि के पवित्र स्नान के साथ ही अपनी पूर्णाहुति की ओर अग्रसर है। 13 जनवरी, पौष पूर्णिमा से प्रारंभ महाकुंभ-2025, प्रयागराज में आज 26 फरवरी, महाशिवरात्रि की तिथि तक कुल 45 दिवसों में 66 करोड़ 21 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने पावन त्रिवेणी में स्नान का पुण्य लाभ प्राप्त किया। विश्व इतिहास में यह अभूतपूर्व है-अविस्मरणीय है। उन्होंने कहा कि पूज्य अखाड़ों, साधु-संतों, महामंडलेश्वरों एवं धर्माचार्यों के पुण्य आशीर्वाद का ही प्रतिफल है कि समरसता का यह महासमागम दिव्य और भव्य बनकर सकल विश्व को एकता का संदेश दे रहा है। इस सिद्धि के सूत्रधार सभी गणमान्य जनों, देश-विदेश से पधारे सभी श्रद्धालुओं तथा कल्पवासियों का हार्दिक अभिनंदन एवं आभार। महाकुंभ के सुव्यवस्थित आयोजन के कर्णधार रहे महाकुंभ मेला प्रशासन, स्थानीय प्रशासन, पुलिस प्रशासन, स्वच्छताकर्मियों, गंगा दूतों, स्वयंसेवी संगठनों, धार्मिक संस्थाओं, नाविकों तथा महाकुंभ से जुड़े केंद्र व प्रदेश सरकार के सभी विभागों सहित प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी महानुभावों व संस्थाओं को साधुवाद।

हादसे के पांच दिन बाद घटनास्थल तक पहुंची बचाव टीम

फंसे मजदूरों की अब भी कोई खबर नहीं

हैदराबाद। तेलंगाना के नागरकुरनूल के जिले में एसएलबीसी सुरंग में हुए हादसे को आज पांच दिन हो गए हैं। वहीं एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, सुरंग में फंसे आठ लोगों को बचाने में लगे विशेषज्ञों की एक टीम सुरंग के अंत तक पहुंचने और वापस लौटने में सफल रही है। अब तक टीमें केवल कीचड़ और मलबे के कारण सुरंग के अंत से 50 मीटर पहले तक ही पहुंच पाई हैं। मामले में नागरकुरनूल के पुलिस अधीक्षक वैभव गायकवाड़ ने बताया कि एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और रैट माइनर्स की 20 सदस्यीय टीम (सुरंग) के अंतिम बिंदु तक पहुंचने में सफल रही। लेकिन वहां बहुत अधिक मलबा था। वे इस पर काम कर रहे हैं कि कैसे आगे बढ़ना है। अधिकारी ने आगे बताया कि कि एक दिन पहले वे 40 मीटर (सुरंग के अंत से पहले) तक पहुंचने में सक्षम थे। कल वे उस 40 मीटर तक भी पहुंच गए। वैभव गायकवाड़ ने आगे कहा कि टीम ने स्थान पर खोज की, लेकिन कल रात कुछ भी नहीं मिला। उन्होंने कहा कि भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की टीम ने नमूने एकत्र किए हैं, लेकिन अभी तक मिट्टी की ताकत और अन्य पर अपनी रिपोर्ट नहीं दी है। इससे पहले सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा था कि फंसे हुए लोगों से कोई संपर्क नहीं हो पाया है, हालांकि सुरंग में लगातार ऑक्सीजन पंप की जा रही है। 22 फरवरी को सुरंग का एक हिस्सा ढह जाने के बाद श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग परियोजना पर काम कर रहे आठ कर्मी फंस गए थे। श्रीशैलम लेफ्ट बैंक नहर सुरंग के अंदर कीचड़ जमने लगा है, इसलिए बचाव दल फंसे हुए लोगों का पता लगाने के लिए खोजी कुत्तों का इस्तेमाल करने की योजना बनाई जा रही है। मामले की जानकारी देते हुए, जिला कलेक्टर बी संतोष ने कहा कि राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई) से आज मिट्टी के स्थिरीकरण और अन्य मुद्दों पर अपनी राय देने की उम्मीद है, जिसके आधार पर कार्य योजना का मसौदा तैयार किया जाएगा।

इजरायल पर हमला करना बड़ी गलती : हमास

गाजा सीटि। 7 अक्तूबर 2023 को हमास ने इजरायल पर हमला किया था, जिसमें 1200 से अधिक इजरायली मारे गए थे और 250 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया गया था। इसके जवाब में इजरायल ने गाजा पर बड़े पैमाने पर हमला किया, जिसमें अब तक 46,000 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है और भारी तबाही हुई है। अब हमास के विदेश मामलों के प्रमुख मूसा अबू मारजूक ने स्वीकार किया है कि यह हमला एक *ब्लंडर* था। उन्होंने कतर में कहा कि अगर हमास को पता होता कि इसके ऐसे विनाशकारी परिणाम होंगे, तो वह ऐसा कदम नहीं उठाता। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, गाजा में 70 प्रतिशत इमारतें नष्ट हो चुकी हैं, और 20 लाख से अधिक फिलिस्तीनियों को विस्थापित होना पड़ा है।

नीतीश कैबिनेट का हुआ विस्तार, भाजपा के सात विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ

पटना। बिहार कैबिनेट विस्तार के तहत बुधवार को राजभवन में सात मंत्रियों ने शपथ ली। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मौजूदगी में संजय सरावगी, सुनील कुमार, जिबेश मिश्रा और विजय कुमार मंडल समेत सात नए विधायकों ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली। कैबिनेट विस्तार में जातिगत समीकरणों का विशेष ध्यान रखा गया है। नीतीश कुमार के मंत्रिमंडल में शामिल होने वाले सात विधायक हैं संजय सरावगी (दरभंगा), सुनील कुमार (बिहारशरीफ), जिबेश कुमार (जाले), राहु कुमार सिंह (साहेबगंज), मोती लाल प्रसाद (रीगा), विजय कुमार मंडल (सिकटी) और कृष्ण कुमार मंटू (अमनौर)। भाजपा ने परंपरागत रूप से प्रतिद्वंद्वी पार्टियों के प्रभुत्व वाले क्षेत्रों में पकड़ हासिल करने के लिए राजपूत, भूमिहार, कुर्मी और ओबीसी समुदायों सहित विभिन्न जातियों का प्रतिनिधित्व करने पर रणनीतिक रूप से ध्यान केंद्रित किया है। विशेष रूप से, पार्टी ने मिथिलांचल क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जो आगामी चुनावों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। भाजपा ने मिथिलांचल से दो सदस्यों को कैबिनेट में शामिल किया है। कृष्ण कुमार मंटू, जो छपरा जिले के अमनौर का प्रतिनिधित्व करते हैं, और विजय मंडल, जो अररिया के सिकटी क्षेत्र से हैं, दोनों से इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में भाजपा की स्थिति मजबूत करने की उम्मीद है। रणनीतिक रूप से विभिन्न जातियों और क्षेत्रों के सदस्यों को शामिल करके, नीतीश कुमार का मंत्रिमंडल सामाजिक न्याय और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है, जो राज्य चुनावों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

केंद्र सरकार का सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा, कहा-

दोषी सांसदों पर आजीवन प्रतिबंध लगाना सही नहीं

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर कर उस जनहित याचिका का विरोध किया है, जिसमें दोषी ठहराए गए राजनेताओं के चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है। सरकार ने कहा कि अयोग्यता की अवधि विधायी नीति के दायरे में आती है। यह दावा 2016 में वकील अश्विनी उपाध्याय द्वारा दायर एक याचिका के जवाब में प्रस्तुत एक हलफनामे में किया गया था, जिसमें जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 और 9 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई थी। हलफनामे में कहा गया है कि यह सवाल कि आजीवन प्रतिबंध लगाना उपयुक्त होगा या नहीं, यह पूरी तरह से संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है। इसमें कहा गया है कि दंड के क्रियान्वयन को एक उपयुक्त समय तक सीमित कर, रोकथाम सुनिश्चित की गई है और अनावश्यक कठोर कार्रवाई से बचा गया है। केंद्र ने कहा कि यह कानून का स्थापित सिद्धांत है कि दंड या तो समय या मात्रा के अनुसार निर्धारित होते हैं। हलफनामे में कहा गया है कि यह दलील दी गई है कि याचिकाकर्ता द्वारा उठाए गए मुद्दों के व्यापक प्रभाव हैं और वे स्पष्ट रूप से संसद की विधायी नीति के अंतर्गत आते हैं तथा इस संबंध में न्यायिक समीक्षा की रूपरेखा में उपयुक्त परिवर्तन करना पड़ेगा। अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने शीर्ष अदालत में याचिका दायर कर दोषी करार दिये गए राजनीतिक नेताओं पर आजीवन प्रतिबंध लगाने के अलावा देश में सांसदों और विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामलों के त्वरित निस्तारण का अनुरोध किया है। अपने हलफनामे में, केंद्र ने रेखांकित किया कि शीर्ष अदालत ने निरंतर यह कहा है कि एक विकल्प या दूसरे पर विधायी विकल्प की प्रभावकारिता को लेकर अदालतों में सवाल नहीं उठाया जा सकता। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 (1) के तहत, अयोग्यता की अवधि दोषसिद्धि की तारीख से छह साल या कारावास के मामले में रिहाई की तारीख से छह साल तक है।

पृष्ठ एक का शेष

10,785 करोड़ रुपए...

अग्रणी घरेलू कंपनियों और ओआईएल, ओएनजीसी और एनआरएल जैसी सार्वजनिक उपक्रमों ने इस पूर्वोत्तर राज्य में निवेश का वचन दिया। मंगलवार को चार अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किए गए, जिनमें स्वास्थ्य, कृषि आदि क्षेत्रों में विकासात्मक सहायता के लिए बिल मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के साथ समझौता ज्ञापन भी शामिल है। सिंगापुर के व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय ने नर्सिंग प्रतिभा कौशल सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जापान की आसियान वन कंपनी लिमिटेड ने एक कौशल प्रशिक्षण संस्थान स्थापित करने के लिए एक अन्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जबकि स्पाइस लेमन एक जापानी भाषा संस्थान स्थापित करेगा। उद्घाटन सत्र के दौरान, निजी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों रिलायंस, अडानी, वेदांता और टाटा ने भी पूर्वोत्तर राज्य में कुल मिलाकर लगभग 2 ट्रिलियन रुपए के निवेश की घोषणा की। मुख्य सचिव रवि कोटा ने बुधवार को कहा कि असम सरकार के दो दिवसीय व्यापार शिखर सम्मेलन में लगभग 4,80,000 करोड़ रुपए के निवेश की घोषणाएं की गईं। उन्होंने कहा कि *एडवांटेज असम 2.0 निवेश और अवसंरचना शिखर सम्मेलन* के समापन समारोह के दौरान राज्य सरकार और विभिन्न कंपनियों के बीच 2.75 ट्रिलियन रुपए के लगभग 270 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। कोटा ने कहा कि हमें अब तक लगभग 4.78 ट्रिलियन रुपए का कुल निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। इसमें शीर्ष उद्योगपतियों द्वारा किए गए समझौता ज्ञापन और घोषणाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कुल आंकड़े में मुकेश अंबानी और गौतम अडानी जैसे उद्योग जगत के दिग्गजों द्वारा की गई 1.25 ट्रिलियन रुपए की निवेश घोषणाएं और बुनियादी ढांचे के विकास में सरकारी क्षेत्र द्वारा 78,000 करोड़ रुपए का निवेश शामिल है।

भारत के ऊर्जा क्षेत्र...

क्षेत्र के प्रमुख खिलाड़ी, जैसे ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल), असम पेट्रो-केमिकल्स लिमिटेड (एपीएल) और नुमलीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) भी राज्य के राजस्व में काफी योगदान करते हैं, जिसमें रॉयल्टी और कर सालाना 11,700 करोड़ रुपए से अधिक हैं। असम के हाइड्रोकार्बन क्षेत्र के लिए क्षितिज को आशाजनक बताते हुए उन्होंने कहा कि 2030 तक कच्चे तेल की उपलब्धता दोगुनी होने का अनुमान है और प्राकृतिक गैस का उत्पादन 3.2 से बढ़कर 6.3 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) हो जाएगा। एडवांटेज असम 2.0 के विशेष सत्र में केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी की उपस्थिति में मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि दूरदर्शी *हाइड्रोकार्बन विजन 2030* के तहत असम में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की प्रगति देखी जा रही है। बरौनी-गुवाहाटी पाइपलाइन (बीजीपीएल) जैसी परियोजनाएं असम को राष्ट्रीय गैस ग्रिड से जोड़ रही हैं और 1,670 किलोमीटर का नॉर्थ ईस्ट गैस ग्रिड (एनईजीजी) क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा दे रहा है, जिससे निर्बाध ऊर्जा वितरण सुनिश्चित हो रहा है। उन्होंने कहा कि सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नेटवर्क का तेजी से विस्तार हो रहा है, जिसमें राज्यभर में 22 सीएनजी स्टेशन हैं, जो नागरिकों के बीच स्वच्छ ऊर्जा अपनाने को बढ़ावा दे रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि ऑयल इंडिया लिमिटेड ने जोरहाट में भारत का पहला ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट चालू किया है, जो सौर ऊर्जा का उपयोग करके प्रतिदिन 10 किलोग्राम हाइड्रोजन का उत्पादन करता है। उन्होंने कहा कि असम अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम निवेश के अवसरों का खजाना प्रस्तुत करता है। ग्रीन हाइड्रोजन, ग्रीन अमोनिया, टिकाऊ विमानन ईंधन, संपीडि़त बायोगैस और स्मार्ट रसायनों के रास्ते के साथ ऊर्जा संक्रमण का क्षेत्र भी समान रूप से आशाजनक है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से बंगाईगांव रिफाइनरी की क्षमता विस्तार में मदद करने का भी अनुरोध किया। सत्र के दौरान मुख्यमंत्री ने कोकराझाड़ और आमगुरी में कई सीएनजी खुदरा परियोजनाओं का भी वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। सत्र में अपने संबोधन में केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने ऑयल फील्ड रेगुलेशन एंड डेवलपमेंट एक्ट और ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी जैसे प्रमुख नीतिगत ढांचों पर प्रकाश डाला। उन्होंने राज्य के ऊर्जा क्षेत्र को और बढ़ावा देने में केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता दोहरायी। उन्होंने विश्वास जताया कि असम देश के ऊर्जा सुरक्षा ढांचे में एक बड़ी भूमिका निभाएगा। सत्र के हिस्से के रूप में आयोजित एक आकर्षक चर्चा में उद्योग विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं ने भारत के ऊर्जा रोडमैप में असम की उभरती भूमिका पर विचार-विमर्श किया, जिसमें क्षेत्र में नई और नवीकरणीय ऊर्जा, तकनीकी नवाचार और बुनियादी ढांचे के विकास जैसे विषय शामिल थे। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप के एमडी और पार्टनर कौस्तुभ वर्मा के संचालित इस पैनल चर्चा में ऑयल इंडिया लिमिटेड के सीएमडी डॉ. रंजीत रथ, नुमलीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड के एमडी भास्कर ज्योति फूकन, केयर्न वेदांता के अन्वेषण प्रमुख डॉ. स्टीफन सैम अलगर, मैथ्स ऑन हाइड्रोजन प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक और कंट्री हेड सौगत घोष और अदानी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) के सीईओ सुरेश मंगलानी शामिल हुए। असम सरकार के खान और खनिज विभाग के मंत्री कौशिक राय ने स्वागत भाषण दिया।

असम एक भरोसेमंद ...

शुरू करने पर जोर दिया। उन्होंने नवाचार और अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए सरकार के प्रयासों की प्रशंसा की, जिसके बारे में उन्होंने आश्वासन दिया कि इससे प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के दृष्टिकोण के तहत असम को लाभ होगा। गोयल ने विश्वास व्यक्त किया कि असम अपने समृद्ध संसाधनों, मजबूत नेतृत्व और विकास के प्रति प्रतिबद्धता के साथ एक *भरोसेमंद और प्रगतिशील* राज्य है। उन्होंने एडवांटेज असम 2.0 शिखर सम्मेलन को सफल बनाने में असम के मुख्यमंत्री, आयोजकों और सभी हितधारकों की भूमिका के लिए उनका आभार व्यक्त किया और असम के निरंतर विकास और समृद्धि के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए उन्हें *सोने के दिल वाला व्यक्ति* बताया। उन्होंने अस्सा के लोगों के कल्याण के लिए अपने समर्पण और अथक प्रयासों पर जोर दिया, जो राष्ट्र की प्रगति के लिए प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। केंद्रीय मंत्री ने शिखर सम्मेलन की स्मारिका का भी अनावरण किया, जिसका शीर्षक था असम की निवेश वृद्धि गाथा का उत्सव, जिसमें असम के क्रांतिकारी निवेशक-अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र और उद्यमशीलता की भावना को दर्शाया गया है। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने अपने मुख्य भाषण में आर्थिक विकास के लिए राज्य के रणनीतिक दृष्टिकोण को रेखांकित किया, जिसमें जीवंत कारोबारी माहौल को बढ़ावा देने और स्थायी निवेश आकर्षित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया। उन्होंने उन प्रमुख पहलों पर प्रकाश डाला जो असम को इस क्षेत्र में एक प्रमुख आर्थिक केंद्र में बदलने में सहायक हैं। एडवांटेज असम 2.0 निवेश शिखर सम्मेलन के दौरान एशियाई विकास बैंक, विश्व बैंक, न्यू डेवलपमेंट बैंक, अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम, एनआरएल, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, फिक्की, पेप्सिको इंडिया और दक्षिण एशिया तथा सेंचुरी प्लाई सहित विभिन्न प्रमुख संस्थानों के प्रतिनिधियों और प्रमुखों ने असम में निवेश करने के लिए अपनी मजबूत प्रतिबद्धता व्यक्त की। समापन सत्र में प्रमुख नीति निर्माता, उद्योग जगत के नेता और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान एकत्रित हुए, जिन्होंने असम की आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र के लिए परिवर्तनकारी रणनीतियों पर चर्चा की, तथा राज्य के एक प्रमुख व्यापार और निवेश केंद्र बनने की यात्रा की सराहना की।

सड़क परियोजना का...

मंत्री ने कहा कि इनमें वे प्रोजेक्ट्स शामिल हैं जो न केवल राज्य के भीतर संपर्क में सुधार करेंगी बल्कि त्रिपुरा और नगालैंड के साथ सड़क संचार को भी बढ़ावा देंगी। गडकरी ने कहा कि राज्य में 80,000 करोड़ रुपए की अन्य प्रोजेक्ट्स शुरू होने वाले हैं। इसके अंतर्गत प्रमुख प्रोजेक्ट्स में नुमालीगढ़ और धौलपुर को जोड़ने वाली ब्रह्मपुत्र के नीचे 15,000 करोड़ रुपए की सुरंग, काजीरंगा नेशनल पार्क में 6,000 करोड़ रुपए का एलिवेटेड कॉरिडोर और गुवाहाटी रिंग रोड शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जोगीघोपा में *मल्टी-मॉडल* लॉजिस्टिक्स सेंटर लगभग पूरा हो चुका है और इसे जल्द ही खोला जा सकता है। बांस आधारित नए युग के इंडस्ट्री में असम की क्षमता को उल्लेख करते हुए गडकरी ने फ्यूल क्रिएशन और अन्य इकोनॉमिक सेक्टर में इसकी भूमिका पर जोर दिया। गडकरी ने दावा किया कि राज्य सरकार द्वारा मांगी गई लगभग सभी प्रोजेक्ट्स को उनके मंत्रालय ने मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर का विकास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत सरकार की सबसे जरूरी प्राथमिकता है, जैसा कि साल 2014 से इस क्षेत्र में किए गए पर्याप्त निवेश से साफ है। गडकरी ने कारोबार में कैपिटल इंवेस्टमेंट की जरूरत पर जोर दिया, क्योंकि निवेश आने पर ही रोजगार जनरेट होंगे और रोजगार सृजन से ही लोगों की इकोनॉमिकल कंडीशन में सुधार होगा। मंत्री ने कहा है कि राज्य के विकास के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर सबसे जरूरी है। संपर्क में सुधार से अन्य क्षेत्रों को भी फायदा होगा।

पीयूष हजारिका ने एडवांटेज ...

एआई, एग्रीटेक और बायोटेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में प्रारंभिक चरण और स्केल-अप दोनों प्रकार के स्टार्ट-अप के लिए सीड फंडिंग, अनुदान और कर लाभ सहित विभिन्न वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि ये पहल राज्य में स्टार्ट-अप के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम बनाने के लिए डिज़ाइन की गई हैं। मंत्री हजारिका ने उपस्थित लोगों को आश्वस्त किया कि असम सरकार व्यवसाय विकास के लिए अनुकूल वातावरण बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने असम में व्यवसाय करने में आसानी प्रदान करने और उद्यमियों को अपने स्टार्ट-अप स्थापित करने और विस्तार करने में सुविधा प्रदान करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। मंत्री ने प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान नवोदित उद्यमियों से जुड़ने का अवसर भी लिया, जहां उन्होंने उनके सामने आने वाली चुनौतियों और आवश्यक सरकारी सहायता के प्रकारों पर चर्चा की। उनकी सक्रिय भागीदारी ने स्टार्ट-अप समुदाय की जरूरतों को सुनने और उनके विकास का समर्थन करने के तरीके खोजने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। राज्य में सुधारों पर और जोर देते हुए, मंत्री हजारिका ने साझा किया कि पिछले चार वर्षों में असम में कानून और व्यवस्था की स्थिति में काफी सुधार हुआ है, कोई हड़ताल या बंद नहीं हुआ, जिससे व्यापार के लिए अधिक स्थिर वातावरण में योगदान मिला है। इसने निवेशकों और उद्यमियों के लिए असम को एक आकर्षक स्थान बना दिया है। इसके अलावा, इस कार्यक्रम में कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए, जो राज्य में स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने के उद्देश्य से साझेदारी को चिह्नित करते हैं। मंत्री ने यह भी घोषणा की कि असम सरकार स्टार्ट-अप विभाग का समर्थन करने के लिए आगामी राज्य बजट में 100 करोड़ रुपए आवंटित करने की योजना बना रही है, जो नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक धन प्रदान करेगा।

एडवांटेज असम 2.0 में...

नदी प्रणाली के समृद्ध अंतर्जाल के साथ, विशेष रूप से असम में ब्रह्मपुत्र (एनडब्ल्यू 2) और बराक (एनडब्ल्यू 16) के साथ, अंतर्देशीय जलमार्ग का उद्देश्य व्यापार और वाणिज्य के मुख्य माध्यम के रूप में अपनी चिरकालिक भूमिका को फिर से जीवंत करना है। वैश्विक स्तर पर भविष्य के रूप में माना जाने वाला, अंतर्देशीय जलमार्ग माल और यात्रियों के परिवहन के लिए अधिक किफायती, कुशल और पर्यावरण के अनुकूल तरीका चुनने का अवसर प्रदान करता है। *जलवाहक* जैसी योजनाओं की शुरुआत के साथ, मोदी सरकार व्यवसायों को अंतर्देशीय जलमार्गों पर स्विच करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है, जिससे पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं में सुधार हो रहा है, रेलवे और सड़क मार्गों पर भीड़भाड़ कम हो रही है और एक अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र सक्षम हो रहा है जो असम द्वारा 2047 तक दुनिया की सबसे बड़ी और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए महत्वपूर्ण है। शिखर सम्मेलन में, सर्वानंद सोनोवाल ने *हरित नौका* योजना के तहत 2030 तक ग्रीन वेसल्स में योजनाबद्ध बदलाव के लिए 1,500 करोड़ रुपए के आवंटन की घोषणा की। 2027-28 तक एनडब्ल्यू 2 और एनडब्ल्यू 16 में क्रूज पर्यटन को सुविधाजनक बनाने और कार्गो हैंडलिंग क्षमता बढ़ाने के लिए 1,500 करोड़ रुपए से अधिक की राशि निर्धारित की गई है। इसमें सिलघाट, विश्वनाथ घाट, निमाती घाट और गुइजान में तटवर्ती सुविधाओं के साथ जेटी का निर्माण, साथ ही गुवाहाटी के फैंसी बाजार में क्षेत्रीय कार्यालय, एमएसडीसी, गेस्ट हाउस और आईटीएटी के लिए कार्यालय स्थान के लिए एक नई इमारत का निर्माण शामिल है। पांडु में जहाज मरम्मत सुविधा के दूसरे चरण के विकास के लिए 375 करोड़ रुपए की राशि निर्धारित की गई है। फेयरवे को बनाए रखने के लिए, सरकार ने ड्रेजिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (डीसीआई) को 2026-27 तक एनडब्ल्यू-2 में बांग्लादेश सीमा से पांडु तक 2.5 मीटर का सुनिश्चित ड्राफ्ट सुनिश्चित करने का काम सौंपा है। सोनोवाल ने कहा कि इसके लिए 191 करोड़ रुपए की राशि निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि एडवांटेज असम ने हमेशा क्षेत्र के आर्थिक पुनरुद्धार के लिए उत्प्रेरक के रूप में काम किया है, जो व्यवसायों को अपने व्यापार और निवेश के अवसरों का विस्तार करने के लिए एक रणनीतिक मंच प्रदान करता है। हमारे प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से असम को मिले अपार समर्थन के साथ, हम असम और पूर्वोत्तर की अर्थव्यवस्था के समग्र विकास के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं। असम के अंतर्देशीय जलमार्गों को सक्षम करने के लिए चल रही विभिन्न परियोजनाओं में, हम हरित नौका योजना के तहत पारंपरिक जहाजों को ग्रीन वेसल में बदलने की भी योजना बना रहे हैं। यह सतत विकास के प्रति हमारी सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है, जो हमारे गतिशील नेता नरेंद्र मोदी द्वारा निर्धारित एक मील का पत्थर है। राज्य में नदी पर्यटन की अपार संभावनाओं को देखते हुए, हम सुचारू, नियमित और व्यवहार्य संचालन के लिए बुनियादी ढांचे और फेयरवे सहित एक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर रहे हैं। आपको यह जानकर खुशी होगी कि ड्रेजिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (डीसीआई), समुद्र में ड्रेजिंग के अपने समृद्ध अनुभव के साथ, भारत में किसी भी नदी पर पहली बार एनडब्ल्यू 2 की ड्रेजिंग का काम सौंपा गया है। केंद्रीय मंत्री ने 315 करोड़ रुपए के अनुमानित निवेश से गुवाहाटी और धुबड़ी में जल मेट्रो सेवा के विकास की भी घोषणा की। कोच्चि मेट्रो सेवा की सफलता के आधार पर इसके लिए व्यवहार्यता अध्ययन किया जा रहा है। सर्वानंद सोनोवाल ने कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) द्वारा बनाए जा रहे दो इलेक्ट्रिक कैटामारन की तैनाती की भी घोषणा की। 100 करोड़ रुपए के अनुमानित निवेश से गुवाहाटी में एक विश्व स्तरीय क्रूज टर्मिनल भी बनाया जाएगा। डिब्रूगढ़ में क्षेत्रीय उत्कृष्टता केंद्र (आरसीओई) के विकास के लिए अनुमानित 120 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं। एनडब्ल्यू2 के साथ पूंजी विकास में और इजाफा करते हुए, पांच स्थानों - बोगीबील, विश्वनाथ, निमाती, पांडु और सिलघाट - पर 100 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से रिवराइन लाइटहाउस बनाए जाएंगे। इसके अलावा, पांडु और बोगीबील के बीच 2.5 मीटर एलएडी के साथ फेयरवे विकास के लिए 150 करोड़ रुपए की राशि निर्धारित की गई है। ब्रह्मपुत्र (एनडब्ल्यू 2) के लिए दो कटर सेक्शन ड्रेजर यूनिट भी खरीदी जाएंगी। भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई), बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय जलमार्गों सहित नदी परिवहन के लिए नोडल एजेंसी, असम में ब्रह्मपुत्र नद (एनडब्ल्यू 2) और बराक नदी (एनडब्ल्यू16) पर 1,010 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को लागू कर रही है। प्रमुख परियोजनाओं में, 208 करोड़ रुपए के निवेश से पांडा में जहाज मरम्मत सुविधा का निर्माण किया जा रहा है, जबकि 180 करोड़ रुपए के निवेश से पांडु से एनएच27 तक एक वैकल्पिक सड़क का निर्माण किया जा रहा है।

एडवांटेज असम 2.0 : विशेषज्ञों ...

चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इन बाधाओं के बावजूद, असम ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में उल्लेखनीय प्रगति की है और आर्थिक विकास में भारतीय राज्यों में शीर्ष पांच रैंकिंग हासिल करने की दिशा में लगातार काम कर रहा है। मंत्री बरुवा ने असम के बढ़ते औद्योगिक क्षेत्र के उदाहरण के रूप में सेमीकंडक्टर उद्योग में टाटा के 27 हजार करोड़ रुपए के निवेश का भी हवाला दिया। उन्होंने जोर दिया कि शहरीकरण रोजगार-संचालित होना चाहिए और आश्वासन दिया कि राज्य सरकार कृत्रिम बाढ़, घरेलू जल आपूर्ति और शहर के सौंदर्यीकरण जैसी शहरी चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में असम के शहरी परिदृश्य में काफी बदलाव आया है और भविष्य में इसमें सुधार जारी रहेगा। उन्होंने ब्रह्मपुत्र रिवरफ्रंट की अपार पर्यटन क्षमता पर भी प्रकाश डाला और गुजरात में साबरमती रिवरफ्रंट विकास के पीछे के वास्तुकार केशव वर्मा से सुझाव मांगे। पैनल चर्चा के दौरान, केशव वर्मा ने उद्योग हितों और सतत विकास के बीच संतुलन बनाने के लिए शहरीकरण नीतियों की समीक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मंत्री बरुवा का दृष्टिकोण असम के लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप है। शहरी विकास में सामाजिक बुनियादी ढांचे की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने गुजरात में साबरमती रिवरफ्रंट का उदाहरण दिया कि कैसे अच्छी तरह से नियोजित परियोजनाएं आर्थिक विकास को गति दे सकती हैं। उन्होंने असम सरकार को बड़े शहरों की गलतियों से सीखने और उच्च गुणवत्ता वाले, टिकाऊ बुनियादी ढांचे को सुनिश्चित करने वाली रणनीतिक योजनाएं बनाने की सलाह दी। जयदीप डांग ने बताया कि जहां भी सामाजिक बुनियादी ढांचा मजबूत होता है, वहां स्वाभाविक रूप से विकास होता है और सुझाव दिया कि सरकार निवेश आकर्षित करने के लिए मास्टर प्लान तैयार करते समय निजी क्षेत्र को सक्रिय रूप से शामिल करे। डी. थारा ने सतत शहरीकरण में सामुदायिक भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने प्रस्ताव दिया कि प्रभावी योजना और प्रबंधन के साथ, व्यक्तिगत परिवार बिजली और पानी के उत्पादक और आपूर्तिकर्ता बन सकते हैं, जिससे केंद्रीकृत बुनियादी ढांचे पर दबाव कम हो सकता है। अपने भाषण में पबन कुमार बरठाकुर ने आश्वासन दिया कि रेरा विकास को गति देने और एक मजबूत रियल एस्टेट पारिस्थितिकी तंत्र सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक समर्थन प्रदान करेगा। उनके अलावा सुजाता श्रीकुमार और संजय कुलश्रेष्ठ दोनों ने विकास परियोजनाओं की दीर्घकालिक स्थिरता और वित्तीय व्यवहार्यता के महत्व पर जोर दिया। कविता पद्मनाभन, आयुक्त और आवास और शहरी मामलों की सचिव, गोवा के उद्घाटन भाषण के साथ शुरू हुए सत्र में राज्य के हरित क्षेत्र से समझौता किए बिना तेजी से शहरीकरण को समायोजित करने के लिए असम के शहरी बुनियादी ढांचे में रणनीतिक योजना और निवेश की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

असम का हरा सोना : बांस उद्योग तेजी से विकास की ओर अग्रसर

गुवाहाटी (हिंस)। असम के *हरे सोने* या बांस के प्रभावशाली भंडार ने असम के लिए अवसरों का खजाना प्रस्तुत किया है, जिसमें संधारणीय वानिकी पद्धतियों से लेकर नवोन्मेषी उद्योग और आजीविका तक शामिल हैं। बांस क्षेत्र की इस मौजूदा क्षमता को एडवांटेज असम 2.0: निवेश और अवसंरचना शिखर सम्मेलन 2025 के एक भाग के रूप में आयोजित *बांस: असम की हरा सोना क्षमता* सत्र में एक प्रमुख प्रोत्साहन मिला। सत्र में बांस उद्योग में असम की विशाल क्षमता और संधारणीय विकास, आर्थिक विकास और औद्योगिक नवाचार में इसकी आशाजनक भूमिका को प्रदर्शित किया गया। इस सत्र में विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और उद्यमियों ने भाग लिया, जिसमें बहुमुखी, पर्यावरण के अनुकूल और आय पैदा करने वाले संसाधन के रूप में बांस के अपार मूल्य को रेखांकित किया गया। अगरतला स्थित बांस और बेंत विकास संस्थान के निदेशक डॉ. अभिनव कांत ने सत्र की शुरुआत की, सत्र का संदर्भ निर्धारित किया और पैनल चर्चा के लिए मॉडरेटर की भूमिका भी निभाई। इस मौके पर उन्होंने निर्माण से लेकर हस्तशिल्प और जैव ईंधन उत्पादन तक के आधुनिक उद्योगों में बांस की भूमिका के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की और बांस उद्योग की व्यापक समझ प्रदान की, जिसमें बांस का प्रसार, वृक्षारोपण, उद्यमिता,

विकास, तकनीक, व्यावसायीकरण, व्यापक नवाचार और उत्पाद विकास आदि शामिल थे। असम सरकार के कृषि, बागवानी आदि विभागों के मंत्री अतुल बोरा ने सत्र में मुख्य भाषण दिया और बांस को टिकाऊ औद्योगीकरण की आधारशिला बनाने के लिए असम की आशाजनक संभावनाओं पर प्रकाश डाला और बांस आधारित उद्यमों को बढ़ाने और इस क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार की पहलों पर जोर दिया। मंत्री ने कहा कि बांस सदियों से असम की अर्थव्यवस्था, घरों और परंपरा का एक अभिन्न अंग रहा है। सत्र के दौरान, उद्योग के अग्रदूतों- संजीव कार्पे, बांस निर्माण विशेषज्ञ लिमिटेड, निकुंजा बरठाकुर, सलाहकार- कॉर्पोरेट मामले, एनआरएल, सोनाली घोष, फील्ड निदेशक, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और सीईओ, असम कृषि वानिकी विकास बोर्ड और डॉ नितिन कुलकर्णी, निदेशक, आईसीएफआरई-वर्षा वन अनुसंधान संस्थान। पैनल ने व्यावहारिक चर्चा शुरू की जो बड़े पैमाने पर निर्माण, टिकाऊ पैकेजिंग, फर्नीचर निर्माण और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में बांस के अवसरों के इर्द-गिर्द घूमती रही। इस अवसर पर बोलते हुए संजीव कार्पे, बांस निर्माण विशेषज्ञ, संस्थापक और एमडी, नेटिव कॉनबैक बांस प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड ने टिकाऊ इंटीरियर डिजाइन परियोजनाओं को अपनाने के माध्यम से बांस के विविध उपयोग के बारे में बात की, जिसके बाद कुछ बेहतरीन बांस परियोजनाओं और मूल्यवर्धन प्रथाओं को प्रदर्शित करते हुए एक पावर प्वाइंट प्रस्तुति दी गई। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान की फील्ड डायरेक्टर और असम कृषि वानिकी विकास बोर्ड की सीईओ डॉ. सोनाली घोष ने कृषि वानिकी के महत्व पर प्रकाश डाला और असम में इस क्षेत्र में की जा रही विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने बांस की उच्च आय क्षमता, त्वरित रिटर्न, जलवायु लचीलापन सहित विविध आय स्रोतों के बारे में बात की। अपने भाषण में, उन्होंने बांस क्षेत्र में मूल्य संवर्धन गतिविधियों में ग्रामीण महिलाओं को शामिल करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। एनआरएल में कॉर्पोरेट मामलों की सलाहकार निकुंजा बरठाकुर ने बांस की खेती के आशाजनक बाजार का प्रदर्शन करते हुए बताया कि कैसे एनआरएल के बायो-इथेनॉल संयंत्र को बायो-इथेनॉल के उत्पादन के लिए हर दिन 100 ट्रक बांस के चिप्स की आवश्यकता होती है और बांस की धूल, बायो-चाय आदि जैसी अन्य विविध मूल्यवर्धित उपयोगिताओं का महत्व है। एनआरएल का बायो-इथेनॉल संयंत्र, एक महत्वाकांक्षी और भविष्य की परियोजना है जो एक वर्ष में लगभग छह करोड़ लीटर बायो-इथेनॉल का उत्पादन करती है जिसके लिए हर साल 20 करोड़ बांस के खंभों की आवश्यकता होती है, जो बांस की खेती की विशाल क्षमता को उजागर करता है। आईसीएफआरई-वर्षा वन अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी ने व्यावहारिक चर्चा में योगदान देते हुए बांस के तेजी से कवरेज के लिए टिशू कल्चर की प्रभावशीलता पर प्रकाश डाला और इस क्षेत्र में क्षमता निर्माण और जागरूकता पैदा करने पर भी जोर दिया। इसके अलावा उन्होंने मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर की पहचान करने और इसके समाधान पर जोर दिया, जिसके बाद एक पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन भी दिया गया। पैनल चर्चा में असम में बांस की पूरी क्षमता को उजागर करने के लिए तकनीकी प्रगति, वित्तीय प्रोत्साहन और नीति सुधारों की आवश्यकता सहित कई विषयों को शामिल किया गया। सत्र में आपूर्ति श्रृंखला की बाधाओं, जागरूकता के अंतराल और बांस उद्यमियों के लिए बाजार पहुंच जैसी प्रमुख चुनौतियों पर भी चर्चा की गई। चर्चा में स्थानीय कारीगरों को वैश्विक बाजारों के साथ एकीकृत करते हुए एक मजबूत बांस पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। असम सरकार के वित्त विभाग के आयुक्त एवं सचिव वीरेंद्र मित्तल, बांस: असम की ग्रीन गोल्ड क्षमता सत्र के प्रभारी थे, जिसमें बांस की आर्थिक, पर्यावरणीय और औद्योगिक क्षमता का पता लगाया गया और इसके विकास और स्थिरता, मूल्य श्रृंखला और उभरते अवसरों पर भी चर्चा की गई तथा आगे के निवेश, अनुसंधान सहयोग और नीतिगत संवर्द्धन के लिए मंच तैयार किया गया, जिससे बांस आधारित उद्योगों में असम की अग्रणी स्थिति मजबूत हुई।

भूटान के कृषि मंत्री ने असम के राज्यपाल से की मुलाकात

गुवाहाटी (हिंस)। भूटान के कृषि एवं पशुधन मंत्री यूंटेन फुंटशो के नेतृत्व में भूटान के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने 11 सदस्यों के साथ बुधवार को राजभवन में असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मुलाकात की। बैठक के दौरान राज्यपाल आचार्य ने असम और भूटान के बीच के स्थायी संबंध पर बात की, जो सदियों से सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आर्थिक आदान-प्रदान के माध्यम से विकसित हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत और भूटान दोनों एक-दूसरे के दूरदर्शी नेतृत्व की गहरी प्रशंसा करते हैं, जिसका उदाहरण भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भूटान के पांचवें और वर्तमान राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक हैं। राज्यपाल ने पारस्परिक लाभ के क्षेत्रों में पारिस्थितिकी पर्यटन और संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त प्रयासों का भी आह्वान किया। उन्होंने असम-भूटान साझेदारी को समृद्ध करने के तरीके के रूप में आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ाने का भी प्रस्ताव रखा। शिक्षा और कौशल विकास पर, राज्यपाल आचार्य ने असम सरकार की पहल की ओर इशारा किया, जहां मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सरकारी मेडिकल कॉलेजों में भूटानी छात्रों के लिए पांच आरक्षित सीटों के प्रावधान के साथ भूटानी छात्रों का स्वागत किया। यह कदम भूटानी युवाओं को असम में उपलब्ध विश्व स्तरीय शिक्षा और कौशल तक पहुंच प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। राज्यपाल आचार्य ने जैविक खेती को बढ़ावा देने में भूटान के प्रयासों की भी सराहना की, और टिकाऊ कृषि पद्धतियों में देश के नेतृत्व को मान्यता दी। भूटानी मंत्री ने राज्यपाल को आगामी गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी परियोजना के बारे में जानकारी दी, जिसमें भूटान और असम दोनों के लिए इसके संभावित लाभों पर प्रकाश डाला गया। मंत्री ने इस परियोजना के सफल कार्यान्वयन के लिए राज्यपाल के समर्थन और समन्वय का अनुरोध किया, जिस पर राज्यपाल आचार्य ने अपना पूर्ण समर्थन व्यक्त किया। प्रतिनिधिमंडल ने आर्थिक विकास और सहयोग को बढ़ावा देने में अपनी भूमिका को पहचानते हुए एडवांटेज असम 2.0 के सफल संचालन के लिए असम सरकार को बधाई दी।

भूटान के पानबांग में पहली बार आयोजित हुआ मानस विंटर फेस्टिवल

बाक्सा (हिंस)। भूटान के पानबांग शहर में पहली बार *मानस विंटर फेस्टिवल* का आयोजन किया गया। भूटान के आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर इस स्थान पर दो दिनों तक यह उत्सव आयोजित हुआ, जिसका मुख्य उद्देश्य भूटान में पर्यटन को बढ़ावा देना था। यह क्षेत्र असम के बाक्सा जिलांतर्गत मानस अभयारण्य से सटा हुआ क्षेत्र है। उल्लेखनीय है कि यह फेस्टिवल 21 फरवरी को भूटान के राजा के जन्मदिन के अवसर पर शुरू किया गया। प्लास्टिक के बिना पूरी तरह प्राकृतिक तरीके से इस आयोजन को सजाया गया, जिसमें केले के पत्तों, बांस और लकड़ी से बने घरों और दुकानों के माध्यम से भूटान की पारंपरिक जीवनशैली को दर्शाने का प्रयास किया गया। फेस्टिवल में भूटान के पारंपरिक भोजन, संगीत और संस्कृति का प्रदर्शन किया गया, साथ ही स्थानीय खाद्य पदार्थ, पेय और जैविक सब्जियां भी बिक्री के लिए रखी गईं।

पबितोरा अभयारण्य में 30 विदेशी राजनयिकों ने लिया जंगल सफारी का आनंद

मोरीगांव (हिंस)। *एडवांटेज असम* में भाग लेने आए 30 विदेशी राजनयिकों ने बुधवार को पबितोरा अभयारण्य में हाथी और जीप सफारी का आनंद लिया। अभयारण्य का दौरा करने वाले दल में कोरिया, फिलीपींस और ताइवान के प्रतिनिधि शामिल थे। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर पबितोरा की हरियाली और वन्यजीवों को देखकर सभी राजनयिक मंत्रमुग्ध हो गए। गुवाहाटी में आयोजित *एडवांटेज असम* में भाग लेने आए 30 विदेशी राजनयिकों ने पहले पबितोरा अभयारण्य में हाथी पर सवार होकर जंगली जानवरों को देखा। इसके

बाद पबितोरा के झीझिना रिजॉर्ट में इन विदेशी मेहमानों ने नाश्ता किया। इसके बाद फिर विदेशी मेहमानों ने अभयारण्य में जीप सफारी का भी आनंद लिया। विदेशी मेहमानों के दल में फिलीपींस, ताइवान और कोरिया सहित कई देशों के राजनयिक शामिल थे। उल्लेखनीय है कि पोबितरा के जंगल में एक सींग वाले गैंडे, जंगली भैंस, हिरण, विभिन्न प्रकार के पक्षी के साथ ही अन्य वन्य जीव मौजूद हैं। विदेशी मेहमानों के दल के भ्रमण के दौरान मोरीगांव जिले का एक अतिरिक्त आयुक्त, तीन सहायक जिला आयुक्त, पबितोरा के वन अधिकारी, पर्यटन विकास अधिकारी, सहायक महाप्रबंधक मानस ठाकुर समेत कई अन्य अधिकारियों ने सहयोग दिया।

पूर्वोत्तर विकास मंच ने बाणेश्वर मंदिर में चौबीस घंटे के लिए अष्ठयाम का शुभारंभ

गुवाहाटी (विभास)। बाणेश्वर मंदिर अष्ठयाम कमेटी के सौजन्य से तथा पूर्वोत्तर विकास मंच के तत्वाधान में पान बाजार एमजी रोड स्थित बाणेश्वर शिव महादेव मंदिर में शिवरात्रि के उपलक्ष्य में 24 घंटे का अखंड अष्ठयाम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रथम दिन पंडित लक्ष्मीकांत झा के आचार्यत्व में मुख्य यजमान के रूप में पूर्वोत्तर विकास मंच के उपाध्यक्ष संतोष साह तथा सलाहकार प्रणव गोस्वामी ने पूजा अर्चना की। शाम 5:00 बजे अष्ठयाम की शुरुआत की गई। इस अवसर पर पूर्वोत्तर विकास मंच के अध्यक्ष मुन्ना कुमार साह, उपाध्यक्ष संतोष साह, सचिव मनीष तिवारी, कोषाध्यक्ष चंद्रिका सिंह ने शिवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए 24 घंटे के अष्ठयाम में सभी श्रद्धालुओं को पूर्ण रूप से सहयोग करने का आह्वान किया। कार्यक्रम संयोजक कमलेश गुप्ता और विपिन मिश्रा ने बताया कि यह अष्ठयाम गत 55 वर्षों से बाणेश्वर मंदिर में आयोजित हो रहा है। जिसमें लोखारा कीर्तन मंडली, मालीगांव कीर्तन मंडली, बेलतला कीर्तन मंडली के अलावा अनेक कीर्तन मंडलीया

ने निर्धारित समय पर आकर राम धुन प्रस्तुत की। शिवरात्रि के दिन शाम को पूर्णाहुति हवन के पश्चात महाप्रसाद का आयोजन भी किया गयाव। इस अवसर पर 24 घंटे भंडारे की सुविधा भी श्रद्धा श्रद्धालुओं के लिए उपलब्धरही। गौरतलब है कि पूर्वोत्तर विकास मंच हर वर्ष सावन महीने में शुक्लेश्वर मंदिर के पास कांवड़ियों की सेवा के लिए सेवा शिविर का आयोजन भी करता है।

दिवंगत भाजपा नेता हरेकृष्ण भराली को श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), असम प्रदेश ने जनसंघ युग के दिग्गज नेता, पूर्व भाजपा प्रदेश सांगठनिक महासचिव और पार्टी के पूर्व उपाध्यक्ष हरेकृष्ण भराली के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। वे लंबे समय से बीमार थे और उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांसें लीं। वे अपनी पत्नी, बेटी, पुत्र, परिजनों और असंख्य प्रशंसकों को छोड़कर चले गए। भाजपा प्रवक्ता किशोर उपाध्याय ने कहा कि पार्टी उनके अमूल्य योगदान को हमेशा याद रखेगी। आज अटल बिहारी वाजपेयी भवन में भराली के पार्थिव शरीर को अंतिम श्रद्धांजलि दी गई, जहां असम भाजपा के 65 लाख कार्यकर्ताओं की ओर से प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि भराली सभी कार्यकर्ताओं के लिए आदर्श और प्रेरणास्रोत थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक के रूप में उन्होंने अपने जीवन को राष्ट्रवाद के लिए समर्पित कर दिया। श्रद्धांजलि सभा में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नारायण बरकटकी और रंजीत कुमार दास, मंत्री अशोक सिंघल (असम सरकार और मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के रूप में), सांगठनिक महासचिव आर रविंद्र राजू और पल्लब लोचन दास, वरिष्ठ नेता तपन चौधरी, प्रदीप ठाकुरिया, विजय कुमार गुप्ता, तीर्थंकर दास कलिता और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के निर्मलेन्दु डे सहित कई विधायक और हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि सन् 1949 में हाजो में जन्मे हरेकृष्ण भराली ने 1964, 1965 और 1967 में आरएसएस का प्रशिक्षण पूरा किया।

महाशिवरात्रि पर राज्यपाल ने भीमाशंकर मंदिर में की पूजा-अर्चना

गुवाहाटी (हिंस)। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने राज्य की प्रथम महिला कुमुद देवी के साथ बुधवार को गुवाहाटी के पामोही स्थित भीमाशंकर मंदिर में पूजा-अर्चना की। आचार्य ने समाज के सभी वर्गों की खुशहाली और समृद्धि के लिए प्रार्थना भी की। इस मौके पर राज्यपाल आचार्य ने शिवरात्रि के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान शिव की पूजा ध्यान, प्रार्थना और उपवास का प्रतीक है। महाशिवरात्रि का यह पवित्र अवसर भगवान शिव से जुड़े नैतिकता और गुणों पर चिंतन करने के महत्व को भी रेखांकित करता है। आचार्य ने उम्मीद जताई कि इस त्योहार से जुड़ी भक्ति भावनाएं लोगों

को ईमानदारी, दान और क्षमा के मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं। उनका मानना है कि यह उत्सव लोगों को भगवान शिव के सार और महानता को समझने में मदद करेगा।

टाटा मोटर्स : नई डिजाइन और रंग विकल्पों के साथ गुवाहाटी में लांच

गुवाहाटी: टाटा मोटर्स, भारत की प्रमुख एसयूवी निर्माता, ने आज कामाख्या गेट के कामाख्या मोटर्स में 2025 टियागो, टियागो ईवी और टिगोर की बुकिंग खोल दी। टियागो की कीमत 4.99 लाख रुपए, टियागो ईवी की कीमत 7.99 लाख रुपए और टिगोर की कीमत 5.99 लाख रुपए है। ग्राहक अधिक विवरण के लिए और अपनी रुचि दर्ज करने के लिए कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर जा सकते हैं। टाटा मोटर्स ने अपनी शक्तिशाली मल्टी-पावरट्रेन रणनीति का पालन करते हुए, 2025 टियागो और टिगोर को पेट्रोल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक संस्करणों में पेश किया है। दोनों कारें एमटी और एएमटी विकल्पों में उपलब्ध होंगी। इस आयोजन में सुजीत कुमार झा (चीफ मैनेजर, एसबीआई आरएलआई मालीगांव), उज्जल चक्रवर्ती (एएसएचएम, एचडीएफसी बैंक), प्रकाश चौधरी (एएसएचएम, एचडीएफसी बैंक), नीलाक्षी चौधरी (ब्रांच मैनेजर, एसबीआई मालीगांव), अंजान बरुवा, अमल शर्मा (रीजनल ट्रेनिंग मैनेजर), योगेश माल्होत्रा (एमडी, कामाख्या मोटर्स) और प्रख्यात बरुवा उपस्थित थे।

पूरे असम में श्रद्धा के साथ मनाई जा रही महाशिवरात्रि पूजा

गुवाहाटी/रंगिया (हिंस/विभास)। सम्पूर्ण राज्य में महाशिवरात्रि पूजा की धूम मची हुई है। गुवाहाटी के पामोही स्थित भीमशंकर ज्योतिर्लिंग महादेव मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालु भक्तों का तांता लगा हुआ है। द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक भीमशंकर महादेव की पूजा अर्चना के लिए राज्य के दूरदाज के क्षेत्रों से श्रद्धालु भक्त पहुंचे हुए हैं। बीते कई दिनों से यहां पूजा आयोजन की तैयारी चल रही थी। इसके साथ ही राज्य के प्रया: सभी छोटे बड़े शिव मंदिरों में महासभा शिवरात्रि का उत्सव मनाया जा रहा है। शिवसागर से मिली खबरों के अनुसार पूरे राज्य के साथ-साथ शिवसागर में भी महाशिवरात्रि उत्सव आज बड़े उत्साह और धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया जा रहा है। हजारों भक्तों ने ऐतिहासिक शिवदौल में सुबह से ही लंबी कतारों में खड़े होकर पूजा-अर्चना की। शिवसागर के ऐतिहासिक शिवदौल में यह उत्सव चार दिनों तक मनाया जाएगा, जिसकी शुरुआत मंगलवार से हुई है। आज सुबह जोरहाट लोकसभा क्षेत्र के सांसद गौरव गोगोई ने भी शिवदौल में पूजा-अर्चना की। स्थानीय प्रशासन ने उत्सव के दौरान सुचारू व्यवस्था और सुरक्षा के सभी प्रबंध किए हैं, जिससे शहर में एक उत्सवपूर्ण माहौल बना हुआ है। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, इन दिनों में कई धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि महा शिवरात्रि हिंदू धर्मावलंबियों का एक महत्वपूर्ण पर्व है। इस विशेष दिन पर भक्त उपवास रखते हैं, शिव की पूजा-अर्चना करते

हैं और अपने साथ-साथ देश और समाज की शांति, समृद्धि और कल्याण की कामना करते हैं। पिछले वर्षों की तरह, इस बार भी उत्सव के साथ एक बड़े मेले का आयोजन किया गया है, जिसमें स्थानीय और बाहरी राज्यों से आए अनेक व्यावसायिक संस्थानों ने भाग लिया है। यह उत्सव 28 फरवरी को समाप्त होगा। इस अवसर पर, शिवसागर जिला प्रशासन ने 27 फरवरी को स्थानीय अवकाश के रूप में घोषित किया है। महाशिवरात्रि 2025 के अवसर पर, भक्तों के लिए पूजा विधि, शुभ मुहूर्त और व्रत के नियमों की जानकारी महत्वपूर्ण है। इस वर्ष, महाशिवरात्रि का पर्व 26 फरवरी को मनाया जा रहा है। पंचांग के अनुसार, चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 26 फरवरी को सुबह 11:08 बजे होगी और इसका समापन 27 फरवरी को सुबह 8:54 बजे होगा। इस विशेष दिन पर भगवान शिव की पूजा, रुद्राभिषेक और व्रत का विशेष महत्व होता है। महाशिवरात्रि पर रात्रि के चार प्रहरों में पूजा का आयोजन किया जाता है, जिसमें हर प्रहर की विशेष पूजा विधि होती है। निशिता काल पूजा मुहूर्त 27 फरवरी को मध्य रात्रि 12:27 बजे से रात 1:16 बजे तक रहेगा। महाशिवरात्रि के दिन, भक्तजन नमः शिवाय मंत्र का जाप करते हैं और रात्रि में जागरण कर शिव पुराण का पाठ करते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस दिन व्रत रखने और भगवान शिव की पूजा करने से विशेष फल मिलता है और भक्तों के समस्त कष्ट दूर होते हैं। यह पर्व न केवल आध्यात्मिक चेतना का संचार करता है, बल्कि समाज में एकता और समरसता का भी संदेश देता है। इस महाशिवरात्रि पर, भगवान शिव की पूजा-अर्चना और व्रत के माध्यम से अपने जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लाने का प्रयास करते हैं। दूसरी ओर **रंगिया** से हमारे संवाददाता के अनुसार विभिन्न स्थानों के साथ रंगिया थाना प्रांगण में भी बुधवार को शिवरात्रि पूजा का बड़े ही उत्साह के साथ आयोजन किया गया। थाना प्रांगण स्थित शिव मंदिर में इसका आयोजन एक दिवसीय व्यापक कार्यक्रमों के साथ किया गया। जिसके अंतर्गत प्रातः 7 बजे सफाई अभियान, सुबह 8 बजे दीप प्रज्ज्वलन के साथ 9 बजे पूजा प्रारंभ की गई। इसके पश्चात 11 बजे पुष्पांजलि और दोपहर 12 बजे प्रसाद और 1 बजे भोग वितरण किया गया। वहीं दोपहर 2 बजे न प्रभाती नाम दल द्वारा नगाड़ा नाम का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ थाना प्रभारी नवजीत नाथ ने किया। इस दौरान रंगिया तुलसीबारी की सुप्रसिद्ध पाठिका सुरभि दास ने बड़े ही सुन्दर रूप से नाम प्रदर्शन किया। वहीं संध्या 6 बजे से विष्णु ज्योति नगाड़ा नाम दल, सुप्रसिद्ध पाठिका बबीता पाटगीरी शर्मा (टिहू) द्वारा नगाड़ा नाम का आयोजन हुआ। उल्लेखनीय है कि रंगिया के विधायक भवेश कलिता और रंगिया सम जिले के आयुक्त देवाशीष गोस्वामी और बहुत से गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजन समिति के उपाध्यक्ष मिराल आहमेद, कार्यवाहक अध्यक्ष सिराज अली, कोषाध्यक्ष बिष्णु ज्योति बोरा, सचिव देवाशीष सोनोवाल एवं भवेश कलिता, सांस्कृतिक अध्यक्ष प्राणजीत ठाकुरिया तथा सांस्कृतिक सचिव सोलेमान अली और उपस्थित सभी भक्तों का थाना प्रभारी नवजीत नाथ द्वारा आभार व्यक्त किया गया है। साथ ही रंगिया सम जिले के पुलिस अधिकारी विश्वजीत डेका द्वारा सभी को शिव रात्रि की शुभकामनाएं दी गई है।

केंद्र बुनियादी ढांचे के विकास में महाराष्ट्र की पहल को पूरा समर्थन देगा : पीयूष गोयल

नई दिल्ली/मुंबई, (हि.स.)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने महाराष्ट्र सरकार को आश्वासन दिया है कि केंद्र सरकार शहरी पुनर्विकास एवं बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने में उसकी पहल को हरसंभव सहायता प्रदान करेगी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि पीयूष गोयल ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ मंगलवार को उत्तरी मुंबई में 15 स्व-पुनर्विकसित आवासीय सोसायटियों की चाबियां वितरित करने के अवसर पर यह बात कही। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र सरकार को आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार शहरी पुनर्विकास और बुनियादी ढांचे के विकास में महाराष्ट्र सरकार को पूरा सहयोग देगी। पीयूष गोयल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संदेश देते हुए कहा कि सरकार बेघर लोगों और वर्तमान में उसी इलाके में कच्चे घरों में रहने वाले लोगों को पक्के घर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस पहल का उद्देश्य परिवारों का भविष्य सुरक्षित करना, बच्चों और भावी पीढ़ियों के लिए एक स्थायी आवास उपलब्ध कराना है। गोयल ने कहा कि इस क्षेत्र में हाल के दिनों में बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि मगाथाने मेट्रो स्टेशन के पास 1000 बिस्तरों वाले अस्पताल का निर्माण तेजी से चल रहा है, जबकि पश्चिम कांदिवली में एक और 1000 बिस्तरों वाले अस्पताल के निर्माण की योजना है जिससे इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा की पहुंच और सेवाओं में वृद्धि होगी। गोयल ने कॉस्टल रोड (वर्ली-बांद्रा) का वर्सोवा तक विस्तार और अटल सेतु के माध्यम से नए हवाई अड्डे को जोड़ने वाली प्रस्तावित तटीय सड़क सहित प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की सराहना की। गोयल ने कहा कि ये परियोजनाएं मुंबई में भीड़-भाड़ को कम करने और कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। जल निकायों को प्रदूषित करने वाले अशोधित सीवेज जल की समस्या का प्रभावी ढंग से प्रबंधन किया जा रहा है। समुद्र में छोड़े जाने से पहले सीवेज के उचित शोधन को सुनिश्चित करने के लिए 26,000 करोड़ रुपये से अधिक आवंटित किए गए हैं। वाणिज्य मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यह आयोजन शहरी विकास में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है तथा यह सभी के लिए सुलभ और स्थायी आवास बनाने के सरकार के दृष्टिकोण को दर्शाता है। इस कार्यक्रम में उन्होंने मुख्यमंत्री फडणवीस के साथ मिलकर उत्तर मुंबई में 15 स्व-पुनर्विकसित ह्यहाउसिंग सोसायटीह्न की चाबियां बांटी। पीयूष गोयल मुंबई (उत्तर) से लोकसभा सदस्य हैं।

बंगाल में माकपा की नई राज्य समिति को लेकर उठे सवाल

कोलकाता, (हि. स.)। पश्चिम बंगाल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की नई 80 सदस्यीय राज्य समिति के गठन के बाद पार्टी के भीतर ही कई सवाल उठने लगे हैं। मंगलवार को घोषित इस समिति में माकपा के पोलित ब्यूरो सदस्य मोहम्मद सलीम को लगातार दूसरी बार राज्य सचिव बनाया गया है। सबसे बड़ा सवाल है कि समिति में 11 नए सदस्यों को जगह दी गई है, लेकिन इनमें से एक भी पार्टी के छात्र और युवा शाखा से नहीं है, जबकि नेतृत्व लगातार नए चेहरों को आगे लाने की बात कर रहा था। दूसरा बड़ा सवाल उत्तर 24 परगना जिले के पूर्व जिला सचिव मृणाल चक्रवर्ती को लेकर है। आंतरिक चुनाव में पराजित होने के बावजूद उन्हें नई राज्य समिति में क्यों शामिल किया गया? यह चुनाव 27वें राज्य सम्मेलन से पहले हुए थे, जिसके बाद मंगलवार को नई समिति की घोषणा की गई। तीसरा सवाल वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री अशोक भट्टाचार्य को लेकर है। उम्र के कारण उन्हें नई समिति से बाहर कर दिया गया, लेकिन उन्हें विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में भी जगह नहीं दी गई। इसी तरह राज्यसभा सदस्य और कलकत्ता हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता बिकाश रंजन भट्टाचार्य को भी विशेष आमंत्रित सदस्य के तौर पर शामिल नहीं किया गया। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, राज्य नेतृत्व इस बार समिति के गठन में ज्यादा प्रयोग करने के पक्ष में नहीं था। इसका मुख्य कारण आगामी विधानसभा चुनाव हैं, जिनमें पार्टी को अकेले लड़ने या कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे की पुरानी रणनीति जारी रखने–दोनों ही परिस्थितियों के लिए तैयार रहना होगा। इस बीच, अप्रैल में तमिलनाडु के मदुरै में होने वाले माकपा के 24वें पार्टी कांग्रेस के लिए जारी राजनीतिक प्रस्ताव के मसौदे में स्वतंत्र राजनीतिक रणनीति पर अधिक जोर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि पार्टी को अपने स्वतंत्र अभियान और जन आंदोलन को प्राथमिकता देनी चाहिए, न कि सिर्फ चुनावी गठबंधन पर निर्भर रहना चाहिए।

28 फरवरी तक जम्मू-कश्मीर में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना

श्रीनगर, (हि.स.)। मौसम विभाग ने आज से 28 फरवरी तक जम्मू और कश्मीर दोनों संभागों में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी का पूर्वानुमान लगाया है। एक अधिकारी ने बताया कि पिछले 24 घंटों में जम्मू और कश्मीर के ऊंचे इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी हुई है जबकि इस दौरान अलग-अलग ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फबारी हुई। उन्होंने कहा कि 28 फरवरी तक कश्मीर और जम्मू दोनों संभागों में भारी बारिश और बर्फबारी के साथ अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी के साथ मौसम आमतौर पर बादल छाए रहने की संभावना है। अधिकारी ने सलाह जारी करते हुए कहा कि जम्मू और कश्मीर के पहाड़ी जिलों के साधना दर्रे, राजधान दर्रे, सोनमर्ग-जोजिला-गुमरी एक्सिस, मुगल रोड, सिंथन दर्रे और अन्य प्रमुख सड़कों पर सतही परिवहन अस्थायी रूप से बाधित हो सकता है। उन्होंने पर्यटकों, यात्रियों और ट्रांसपोर्टरों को प्रशासन और यातायात विभाग से जारी की जा रही सलाह का पालन करते हुए अपनी यात्रा की योजना बनाने की सलाह दी। अधिकारी ने आगे कहा कि किसानों को सिंचाई और अन्य कृषि कार्यों को स्थगित करने की सलाह दी जाती है। 1-2 मार्च को मौसम की स्थिति सामान्य रूप से बादल छाए रहने की संभावना है तथा कुछ स्थानों पर हल्की बारिश और बर्फबारी हो सकती है।

जबकि 3 मार्च को जम्मू-कश्मीर के कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना है। अधिकारी ने बताया कि 4-6 मार्च तक मौसम सामान्य रूप से शुष्क रहेगा। अधिकारी ने बताया कि आने वाले दिनों में दिन के तापमान में उल्लेखनीय गिरावट आएगी।

कैग की सभी 14 रिपोर्ट की पीएसी करे जांचः कांग्रेस

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस ने दिल्ली की तत्कालीन आम आदमी पार्टी सरकार के कार्यकाल की सभी 14 कैग रिपोर्ट की लोक लेखा समिति (पीएसी) से जांच कराए जाने की मांग की है। पार्टी ने इसके लिए जल्द पीएसी के गठन की मांग की है। पार्टी का मानना है कि इससे लूट में शामिल लोगों को सजा मिल सकेगी। कैग रिपोर्ट पर बुधवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव और वरिष्ठ नेता संदीप दीक्षित ने पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता की। यादव ने कहा कि दिल्ली कांग्रेस ने ही जांच एजेंसियों को शराब नीति से जुड़ी शिकायत दी थी। इसमें भाजपा के शामिल होने के भी सबूत थे। सवाल उठता है कि विधानसभा में शराब नीति से जुड़ी सभी 14 रिपोर्ट क्यों नहीं पेश की गई। आमतौर पर विपक्ष के नेता पीएसी की अध्यक्षता करते हैं लेकिन दिल्ली में सरकार ही नेतृत्व करती है। हमारी मांग है की रिपोर्ट्स को सार्वजनिक तौर पर चर्चा के लिए लाया जाए। संदीप दीक्षित ने कहा कि कैग रिपोर्ट में कहा गया है कि शराब नीति का उद्देश्य बार-बार बदल गया। पहले इसमें 70 संस्थाओं की भागीदारी थी जिसे घटाकर 14 कर दिया गया। शराब नीति सरकार और ठेकेदारों के बीच बने संबंधों और हितों के चलते बनी। शराब में एक स्तर के बाद एक्साइज कर वसूली नहीं किए जाने से साफ था कि सरकार ने 30 से 40 प्रतिशत की कर चोरी को कानूनी बना दिया। उल्लेखनीय है कि दिल्ली की नवनिर्वाचित भाजपा सरकार ने मंगलवार को विधानसभा में कैग की एक रिपोर्ट पेश की, जिसे विधानसभा अध्यक्ष ने जांच के लिए पीएसी के पास भेजे जाने की घोषणा की। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2020-21 में शराब ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के लिए आबकारी नीति बनाने में तत्कालीन अरविंद केजरीवाल सरकार ने नियमों की अनदेखी की, जिससे सरकारी खजाने को दो हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ।

जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट ने टोल फीस में 80 प्रसैंट कटौती के आदेश दिए

जम्मू, (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट ने नेशनल हाईवे-44 पर स्थित दो टोल प्लाजा पर टोल शुल्क में 80 प्रसैंट की कटौती के आदेश दिए हैं। यह आदेश तब तक लागू रहेगा जब तक निर्माण कार्य पूरा नहीं हो जाता। सड़क की खराब हालत के कारण टोल वसूली को अनुचित और अव्यावहारिक करार दिया गया। अदालत ने कहा, ष्टोल वसूली का उद्देश्य उपयोगकताओं को अच्छी और सुरक्षित सड़क सुविधा देना है। जब सड़कें गड्ढों से भरी और अधूरी हों, तो टोल वसूलना अन्यायपूर्ण है। अदालत ने कहा कि उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचे के बदले टोल देना चाहिए, न कि अधूरी और खराब सड़कों के लिए। लखनपुर टोल प्लाजा और बन टोल प्लाजा पर टोल शुल्क में 80 प्रसैंट तत्काल कटौती की जाए। दो टोल प्लाजा के बीच न्यूनतम 60 किमी की दूरी का पालन सुनिश्चित किया जाए। किसी भी टोल प्लाजा पर अपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों को नियुक्त न किया जाए। सभी कर्मचारियों की पुलिस सत्यापन के बाद ही नियुक्ति की जाए। अदालत ने कहा कि माता वैष्णो देवी के करोड़ों श्रद्धालु हर साल इस मार्ग का उपयोग करते हैं। सरकार पर आरोप लगाया गया कि उन्होंने डोमेल से पहले बन टोल प्लाजा स्थापित कर श्रद्धालुओं से अतिरिक्त टोल वसूलने की कोशिश की, जो 60 किमी के नियम का उल्लंघन है।

पंजाब में आम आदमी पार्टी ने राज्य सभा सांसद को बनाया विधानसभा प्रत्याशी

चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाब में आम आदमी पार्टी ने अपनी अंदरूनी राजनीति को नया मोड़ देते हुए राज्य सभा के मौजूदा सांसद संजीव अरोड़ा को लुधियाना विधानसभा उपचुनाव में प्रत्याशी घोषित कर दिया है। पार्टी की तरफ से बुधवार को इस संबंध में पत्र जारी किया गया है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार के बाद से ही यह अटकलें चल रही हैं कि आआपा के संयोजक अरविंद केजरीवाल पंजाब से राज्य सभा जाएंगे और उसके बाद राजनीति में सक्रिय होंगे। यह राजनीतिक अटकलें आज पुष्ट हो गई। पंजाब में अब विधानसभा चुनाव के साथ-साथ राज्य सभा का उपचुनाव भी होगा। उल्लेखनीय है कि लुधियाना पश्चिम से पूर्व विधायक गुरप्रीत सिंह गोगी की बीती 11 जनवरी को गोली लगने से मृत्यु हो गई थी। उनकी मौत होने से यह सीट रिक्त हो गई थी। विधानसभा की इस सीट पर अब उपचुनाव होंगे। नियमानुसार कोई भी सीट छह माह तक खाली नहीं रह सकती है। दिलचस्प बात यह है कि चुनाव आयोग ने लुधियाना पश्चिम सीट को अभी तक रिक्त घोषित नहीं किया है लेकिन आम आदमी पार्टी ने इसे रिक्त मानते हुए सबसे पहले इस सीट के लिए राज्य सभा सदस्य संजीव अरोड़ा को प्रत्याशी घोषित कर दिया है। संजीव अरोड़ा 10 अप्रैल 2022 को राज्य सभा सदस्य चुने गए थे। उनका कार्यकाल 9 अप्रैल 2028 तक है। संजीव अरोड़ा के प्रत्याशी बनने के बाद यह साफ हो गया है कि अब आआपा संयोजक अरविंद केजरीवाल राज्य सभा के लिए होने वाले मध्यावधि चुनाव में पार्टी के प्रत्याशी हो सकते हैं।

केदारघाटी के शिवालयों में विशेष पूजा-अर्चना

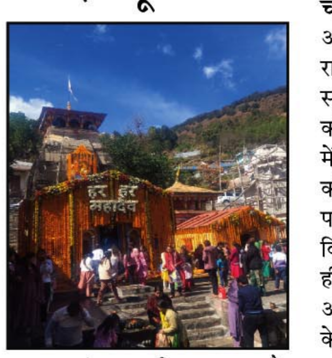

गुप्तकाशी, (हि.स.)। केदार घाटी के विभिन्न शिव मंदिरों में महाशिवरात्रि व्रत के दौरान श्रद्धालुओं की खासी भीड़ रही। इस दौरान शिवभक्तों ने ने चार प्रहर की पूजा अर्चना पूर्ण कर क्षेत्र की सुख समृद्धि की कामना की। गुप्तकाशी स्थित विश्वनाथ मंदिर में देर रात तक पूजन का कार्यक्रम चलता रहा। इससे पूर्व श्री बद्री केदार मंदिर समिति द्वारा विश्वनाथ मंदिर को फूल मालाओं से सुसज्जित किया गया। शिव महापुराण के अनुसार इसी दिन पर भगवान शंकर तथा मां पार्वती का प्रथम मिलन हुआ था। कहा जाता है कि इसी पवित्र दिन पर भगवान शंकर ने वैराग्य जीवन का त्याग कर गृहस्थ जीवन अपनाया था। कथाओं के अनुसार विश्वनाथ में पांडवों को स्वगारोहिणी गंतव्य भगवान शंकर ने सूक्ष्म दर्शन देकर गुप्त वास लिया था, इसलिए इसे गुप्तकाशी कहा जाता है। माना जाता है कि यहां पर साक्षात भगवान शंकर का निवास स्थान है। उनके त्रिकोणीय लिंग के प्रादुर्भाव का समय भी इसी दिन को माना जाता है। शिव पुराण में वर्णन मिलता है कि जब इस धरा धाम में भगवान शंकर के लिंग रूप का प्रादुर्भाव हुआ था ,तो स्वयं ब्रह्मा और विष्णु ने उनकी स्तुति की थी। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान शंकर का रुद्राभिषेक, तेल अभिषेक और जलाभिषेक कर सुख समृद्धि की कामना की।

बंगाल : डांसर की मौत के 48 घंटे बाद भी आरोपित फरार, पुलिस पर उठ रहे सवाल

कोलकाता, (हि. स.)। पश्चिम बंगाल पुलिस को डांसर और इवेंट मैनेजमेंट प्रोफेशनल सुतंद्रा चटर्जी की मौत के मामले में अब तक कोई सफलता नहीं मिली है। इस घटना को 48 घंटे से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन पांचों आरोपित युवक अब भी फरार हैं, जिससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर विपक्ष और नागरिक समाज दोनों ही सवाल उठा रहे हैं। यह हादसा सोमवार तड़के उस वक्त हुआ जब नशे में धुत और आक्रामक युवकों से बचने के लिए सुतंद्रा चटर्जी की कार का ड्राइवर गाड़ी की रफ्तार तेज कर उन्हें बचाने की कोशिश कर रहा था। आरोपित युवक राष्ट्रीय राजमार्ग पर उनकी कार का पीछा कर रहे थे। इसी दौरान, तेज गति के कारण कार पानागढ़ (पश्चिम बर्दवान जिला) के पास पलट गई, जिससे सुतंद्रा की मौके पर ही मौत हो गई। उधर, आरोपित युवक अपनी कार मौके पर छोड़कर फरार हो गए। अब तक किसी की गिरफ्तारी न होने पर पुलिस की आलोचना हो रही है। विपक्षी दलों और सामाजिक कार्यकताओं ने सवाल उठाया है कि जब आरोपितों की कार पुलिस के कब्जे में है और उसके मालिक की पहचान भी हो चुकी है, तो अब तक किसी को गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया? विपक्षी दलों ने इस मामले की तुलना आर.जी. कर अस्पताल बलात्कार और हत्या मामले से की है। उनका आरोप है कि पुलिस आरोपितों को बचाने की कोशिश कर रही है क्योंकि उनके प्रभावशाली लोगों से संबंध हो सकते हैं। इस बीच, राज्य पुलिस के सूत्रों ने दावा किया है कि उन्हें इस मामले में अहम जानकारी मिली है। जांच में पता चला है कि जिस वाहन से आरोपितों ने पीछा किया था, उसका मालिक बबलू यादव खुद ही गाड़ी चला रहा था। वह पेशे से कारोबारी है। पुलिस का कहना है कि उसे जल्द ही गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया जाएगा। उधर, इस हादसे से पीड़िता की मां तनुश्री चटर्जी पूरी तरह से टूट चुकी हैं। उन्होंने पिछले साल अपने पति को खो दिया था और अब बेटी की मौत ने उन्हें गहरे सदमे में डाल दिया है। उन्होंने पुलिस पर आरोप लगाया है कि वह जानबूझकर दोषियों को बचाने की कोशिश कर रही है।

10वीं की दो बोर्ड परीक्षा प्रणाली से नहीं हटेगी पंजाबी भाषाः सीबीएसई

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बुधवार को 10वीं कक्षा की दो बोर्ड परीक्षाओं के संचालन के लिए मसौदा नीति के संबंध में स्पष्ट किया है कि पंजाबी भाषा को इस प्रणाली से हटाया नहीं गया है। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने स्पष्ट किया कि मसौदा में शामिल अन्य विषयों और भाषाओं की सूची केवल सांकेतिक है और वर्तमान में पेश किए गए सभी विषय और भाषाएं 2025-2026 के लिए भी पेश की जाती रहेंगी। भारद्वाज ने कहा कि क्षेत्रीय और विदेशी भाषा समूह शीर्षक के तहत मसौदा नीति के बिंदु 8 में भाषाओं की सूची के तहत उल्लेखित भाषाओं के अलावा, पंजाबी (004), रूसी (021), नेपाली (024), लिंबू (025), लेप्चा (026), सिंधी (008), मलयालम (012), ओडिया (013), असमिया (014), कन्नड़ (015), कोकबोरोक (091), तेलुगु (007), अरबी (016) और फारसी (023) की पेशकश जारी रहेगी। उल्लेखनीय है कि सीबीएसई ने 25 फरवरी को अपनी वेबसाइट पर 10वीं कक्षा की दो बोर्ड परीक्षाओं के संचालन के लिए मसौदा नीति जारी की थी। बोर्ड ने 9 मार्च तक इस पर स्कूलों, शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों की प्रतिक्रिया मांगी है।

अभिषेक बनर्जी के खिलाफ सीबीआई की चार्जशीट पर तृणमूल का पलटवार, 'छवि खराब करने की साजिश' का आरोप

कोलकाता, (हि.स.) तृणमूल कांग्रेस ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) पर सांसद अभिषेक बनर्जी की छवि खराब करने का आरोप लगाया है। पार्टी का कहना है कि शिक्षक नियुक्ति घोटाले की चार्जशीट में सीबीआई ने बिना किसी ठोस प्रमाण के अभिषेक बनर्जी का नाम जोड़ने की कोशिश की है। अभिषेक के वकील संजय बसु ने इसे राजनीति से प्रेरित कदम बताया है और कहा है कि यह उन्हें बदनाम करने की सोची-समझी साजिश है। सीबीआई ने शिक्षक भर्ती घोटाले के आरोपित सुजयकृष्ण भद्र उर्फ 'कालीघाट के काकू' के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इसमें एक ऑडियो क्लिप का जिक्र किया गया है, जिसमें कथित तौर पर 'अभिषेक बनर्जी' नाम सुना गया है। हालांकि, चार्जशीट में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि यह अभिषेक बनर्जी कौन हैं। दिलचस्प बात यह है कि चार्जशीट में पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी और विधायक माणिक भट्टाचार्य के नाम के साथ उनकी पहचान दी गई है, लेकिन अभिषेक के बारे में कुछ नहीं लिखा गया। इससे तृणमूल कांग्रेस का गुस्सा और बढ़ गया है। सीबीआई का कहना है कि ऑडियो क्लिप को सत्यापित करने के लिए फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। वहीं, सुजयकृष्ण भद्र और अन्य आरोपितों कुंतल घोष व शांतनु बनर्जी के वॉइस सैंपल की भी जांच की जा रही है। अभिषेक बनर्जी के वकील संजय बसु ने बयान जारी कर कहा, "सीबीआई का यह कदम एक सोची-समझी साजिश का हिस्सा है। जांच एजेंसियों को जबरदस्ती अभिषेक बनर्जी के खिलाफ सबूत जुटाने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है।" उन्होंने यह भी कहा कि अभिषेक ने हर जांच में सहयोग किया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई जब भी उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया, उन्होंने उपस्थिति दर्ज कराई और सभी जरूरी दस्तावेज भी दिए। बावजूद इसके, सीबीआई ने तीसरी बार चार्जशीट में उनका नाम जोड़ने की कोशिश की, जो उन्हें परेशान करने की कोशिश के अलावा कुछ नहीं है। अभिषेक के वकील ने कहा कि "अब तक ईडी ने उनके खिलाफ कोई चार्जशीट दाखिल नहीं की है, न ही कोई सबूत मिले हैं। इसके बावजूद, सीबीआई इस तरह की बयानबाजी कर रही है।" उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि "ईडी को इस्तेमाल करने में असफल रहने के बाद अब सीबीआई को मोहरा बनाया गया है। राजनीतिक फायदे के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग हो रहा है।" अभिषेक बनर्जी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि "वह सत्य और न्याय के रास्ते पर चलते रहेंगे। वह किसी भी झूठे आरोप से डरने वाले नहीं हैं।" तृणमूल कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि वह सीबीआई की इस कार्रवाई के खिलाफ कड़ा रुख अपनाएगी।

फरीदाबाद : पूर्व महापौर के सामने विपक्षी दलों ने नहीं उतारा उम्मीदवार

निर्दलीय उम्मीदवार से है मुख्य मुकाबला

फरीदाबाद, (हि.स.)। फरीदाबाद में नगर निगम की पूर्व महापोर रही सुमन बाला वार्ड नंबर 12 से भाजपा की टिकट पर पार्षद का चुनाव लड़ रही है। इस वार्ड में कांग्रेस, आआपा और बसपा सहित किसी भी अन्य दल ने अपना उम्मीदवार मैदान में नही उतारा है। यहां सुमन बाला का सीधा मुकाबला वार्ड में निर्दलीय प्रत्याशी से हो रहा है। सुमन बाला ने वर्ष 2016 में बीजेपी की टिकट पर पार्षद का चुनाव लड़ा और उनको नगर निगम का मेयर बनाया गया था। उल्लेखनीय है कि सुमन बाला नगर निगम फरीदाबाद की महापौर रह चुकी है। साल 2016 के चुनाव में वार्ड नंबर 12 से उन्होंने भाजपा की टिकट पर जीत हासिल करते हुए कांग्रेस के उम्मीदवार को हरा दिया। सुमन बाला दिवंगत पत्रकार सचिन खेड़ा की पत्नी हैं। पति के देहांत के बाद समाजसेवा के लिए मोर्चा संभाला और वार्ड से चुनाव लड़ा। उस समय फरीदाबाद नगर निगम में महापौर की रिजर्व सीट होने के कारण सुमनबाला को मेयर के लिए चुना गया था। सुमन बाला को भाजपा से टिकट दिलाने से लेकर महापौर बनाने तक पूर्व शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने अहम भूमिका निभाई थी। सीमा त्रिखा ने भाजपा से टिकट दिलाने के बाद सुमन बाला को चुनाव जिताने में मुख्य भूमिका निभाई। सुमन बाला का वार्ड नंबर 12 बडखल विधानसभा में आता है और सीमा त्रिखा उस समय बडखल विधानसभा से विधायक थी। जिसके चलते सीमा त्रिखा के राजनीतिक अनुभव का फायदा सुमन बाला को खूब मिला था। 49 साल की पूर्व मेयर रही सुमन बाला का इस बार पार्षद पद के लिए मुकाबला वार्ड में आजाद प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ रहे चंद्रवीर से होने वाला है। उनके वार्ड नंबर 12 में कांग्रेस, आआप, बसपा सहित किसी भी अन्य दल ने अपना उम्मीदवार मैदान में नही उतारा है। इसके अलावा केवल एक ही उम्मीदवार निर्दलीय चुनाव लड़ रहा है। कांग्रेस फरीदाबाद में 46 वार्डों में से केवल 38 पर ही चुनाव लड़ रही है। जबकि आम आदमी पार्टी केवल 18 वार्ड में ही अपने प्रत्याशी उतार पाई है।

मतदान महत्वपूर्ण प्रक्रिया, इसमें सहभागिता जरूरी : अनीश यादव

हिसार, (हि.स.)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अनीश यादव ने नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर मतदाताओं से अपील की है कि वे निकाय चुनाव में 2 मार्च को बढ़-चढ़कर अपने मताधिकार का प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि नारनौंद नगरपालिका और हिसार नगर निगम के चुनाव के मद्देनजर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा चुका हैं, अधिकारियों की ड्यूटियां सुनिश्चित की जा चुकी है। इसके साथ ही सेक्टर आफिसर और ड्यूटी मजिस्ट्रेट भी नियुक्त किए जा चुके है। चुनाव प्रक्रिया से संबंधित शेष रहती प्रक्रिया भी जल्द पूरी करने के निर्देश रिटर्निंग आफिसर को दिए जा चुके हैं। उपायुक्त अनीश कुमार यादव ने कहा कि चुनाव को शांति पूर्ण तथा निष्पक्ष करवाने के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए है। इस दौरान वोटर्स से आह्वान करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अनीश यादव ने कहा कि मतदान न केवल हमारा अधिकार है, बल्कि यह हमारी जिम्मेदारी भी है, जो लोकतंत्र को सशक्त बनाता है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अनीश यादव ने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेना हर नागरिक का कर्तव्य है। ज्यादा से ज्यादा लोगों के मतदान में भाग लेने से लोकतंत्र की जड़ें और मजबूत होंगी। मतदान के जरिए हम अपने नेताओं का चयन कर सकते हैं और अपने शहर के भविष्य को निर्धारित कर सकते हैं। यह अधिकार हमारे हाथ में है और इसका सही प्रयोग करके हम चुनाव की सफलता में योगदान करते हैं और अपने शहर की प्रगति में भागीदार बनते हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अनीश यादव ने विशेष रूप से युवाओं से अपील की है कि वे इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को समझें और अपने परिवार और दोस्तों को भी जागरूक करें। उन्होंने बताया कि मतदान एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है जो हमें अपने शहर की नीतियों और प्रबंधन पर सीधा प्रभाव डालने का मौका देती है।

महिलाओं को इसी बजट सत्र के बाद हर माह मिलेंगे 2100 रुपए : नायब सैनी

जींद (हिंस)। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार ने लाडो लक्ष्मी योजना का धरातल पर उतारने की पूरी तैयारी कर ली है। प्रदेश की आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को हर महीने 2100 रुपए दिए जाएंगे। इसके लिए प्रक्रिया तेज कर दी गई है और मार्च में होने वाले बजट सत्र के तुरंत बाद इसे लागू कर दिया जाएगा। सरकार इस योजना के लिए अलग से विशेष बजट का प्रबंध करेगी। मुख्यमंत्री नायब सैनी बुधवार को जुलाना नगर पालिका से भाजपा चेयरमैन पद के प्रत्याशी डा. संजय जांगड़ा के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। सीएम ने कहा कि जिस तरह पेंशन, कृषि, स्वास्थ्य आदि के लिए अलग से बजट होता है, उसी तरह

महिलाओं को हर महीने 2100 रुपए देने के लिए भी अलग से बजट की व्यवस्था होगी। सरकार की ओर से इसे लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए जा चुके हैं। मार्च में होने वाले बजट सत्र में महिलाओं के लिए अलग से बजट लाया जाएगा। सीएम ने कहा कि निकाय चुनाव को लेकर पूरे प्रदेश में जनसभाएं चल रही हैं। हर जगह भाजपा के पक्ष में अवाज है। जनता ने मूड बना है लिया है कि दो मार्च को ट्रिपल इंजन की सरकार बनाई जाएगी। जुलाना में भी ट्रिपल इंजन की सरकार बनने पर तीन गुणा तेज गति से विकास कार्य करवाए जाएंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर वार करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के नेता युवाओं को रोजगार की बकालत करते थे, जब हम रोजगार देने लगे तो कांग्रेसी कोर्ट और चुनाव आयोग में चले गए। इसका परिणाम यह हुआ कि युवाओं की सरकारी नौकरी का रिजल्ट रुक गया लेकिन प्रदेश की जनता ने कांग्रेस के युवाओं की नौकरी बेचने के सपने को पूरा नहीं होने दिया। सीएम ने कहा कि दिल्ली में केजरीवाल को जनता ने सत्ता से बाहर कर दिया है। केजरीवाल की कथित ईमानदारी की परतें अब खुल रही है। वहां की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक रिपोर्ट पेश की है। इस रिपोर्ट के अनुसार केजरीवाल सरकार का भारी भ्रष्टाचार सामने आया है। दिल्ली में खोखली सरकार थी और केजरीवाल दिल्ली को घुन की तरह खा रहे थे। वहीं कांग्रेस पार्टी ट्वीट मास्टरों की पार्टी है। कांग्रेस पार्टी जिस तरह से दिल्ली में तीसरी बार जीरो पर आउट हुई है, वही हाल कांग्रेस पार्टी का हरियाणा के निकाय चुनाव में भी होने वाला है। जनता अब उनकी असलियत जान चुकी है तो जहां भी चुनाव हो रहे हैं।

पंजाब: शमलात जमीन घोटाले में शामिल नायब तहसीलदार बर्खास्त

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के अतिरिक्त मुख्य सचिव कम वित्त आयुक्त राजस्व अनुराग वर्मा ने खरड़ के गांव सिऊंक में शमलात जमीन(पंचायती भूमि) का अवैध रूप से निजी व्यक्तियों के पक्ष में इंतकाल (मालिकाना हस्तांतरण) करने के कारण नायब तहसीलदार वरिंदरपाल सिंह धूत को बर्खास्त करने के आदेश जारी किए हैं। नायब तहसीलदार धूत के खिलाफ यह कार्रवाई एक विस्तृत जांच के बाद की गई, जिसमें उन्हें पंजाब विलेज कॉमन लैंड्स एक्ट, 1961 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। मुख्य सचिव कार्यालय के प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि जांच में पता चला कि नायब तहसीलदार धूत ने गांव माजरी, एसएएस नगर में अपनी नियुक्ति के दौरान 28 सितंबर 2016 को इंतकाल नंबर 1767 को मंजूरी दी थी, जिसके तहत खरड़ तहसील के गांव सिऊंक की 10, 365 कनाल और 19 मरले शमलात जमीन का मालिकाना हक निजी व्यक्तियों को दे दिया गया था। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि यह मालिकाना हक पंजाब सरकार के राजस्व विभाग ने जारी स्पष्ट निर्देशों और सुप्रीम कोर्ट के 2011 के जगपाल सिंह बनाम पंजाब राज्य मामले में दिए गए फैसले का उल्लंघन करके किया गया था। इस फैसले के अनुसार, शमलात जमीन को निजी पक्षों के नाम स्थानांतरित करने या इंतकाल करने पर रोक लगाई गई थी। सेवानिवृत्त अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश बीआर बांसल ने प्रस्तुत जांच रिपोर्ट में यह पाया कि नायब तहसीलदार धूत ने न केवल अवैध रूप से इंतकाल को मंजूरी दी, बल्कि खेवटदारों/ कब्जाधारकों के हिस्सों को बिना उचित सत्यापन के बढ़ा या घटाकर घोटाला भी किया है। कुछ मामलों में ऐसे व्यक्तियों को भी मालिकाना हक में शामिल किया गय जिनका जमीन पर कोई वैध दावा नहीं था। पंजाब के एफ.सी.आर. अनुराग वर्मा ने बर्खास्तगी के आदेशों में लिखा कि ऐसी गतिविधियों के खिलाफ सरकार ने जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई हुई है। इसलिए, उपलब्ध तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, मैं सक्षम अधिकारी होने के नाते नायब तहसीलदार (निलंबित) वरिंदरपाल सिंह धूत को पंजाब सिविल सेवाएं (सजा एवं अपील) नियम, 1970 के उपनियम 5 के तहत सरकारी सेवा से बर्खास्त करने का निर्णय लेते हुए आदेश जारी किया जाता है। यह कार्रवाई एसीएस-एफसीआर अनुराग वर्मा ने पंजाब के सभी डिप्टी कमिश्नरों (डीसी) को भ्रष्टाचार और बिना आपत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) के प्लॉटों की रजिस्ट्रेशन में देरी के खिलाफ सख्त चेतावनी जारी करने के बाद अमल में लाई गई है।

आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता डल्लेवाल की तबीयत बिगड़ी

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के खनौरी बॉर्डर पर आमरण अनशन कर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की तबीयत बिगड़ गई। बुधवार को उनका अनशन 93वें दिन में प्रवेश कर गया। मंगलवार रात डल्लेवाल का बीपी अचानक बढ़ गया। मौजूद डाक्टरों ने उपचार शुरू किया। आज सुबह डल्लेवाल का बीपी तो सामान्य हो गया पर उन्हें तेज बुखार हो गया है। डाक्टरों ने बताया कि डल्लेवाल को इस समय 103 डिग्री बुखार है। रात को उनका बीपी 176 तक पहुंच गया था। उसे नियंत्रित कर लिया गया है। किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ ने बताया कि कल उनकी तबीयत खराब हो गई थी। उन्होंने लोगों और किसानों से अपील की थी कि वे बड़ी संख्या में खनौरी बॉर्डर पर पहुंचें ताकि इस आंदोलन को मजबूत किया जा सके।

पंजाब में आआपा ने राज्य सभा सांसद को बनाया विधानसभा प्रत्याशी

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में आम आदमी पार्टी ने अपनी अंदरूनी राजनीति को नया मोड़ देते हुए राज्य सभा के मौजूदा सांसद संजीव अरोड़ा को लुधियाना विधानसभा उपचुनाव में प्रत्याशी घोषित कर दिया है। पार्टी की तरफ से बुधवार को इस संबंध में पत्र जारी किया गया है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार के बाद से ही यह अटकलें चल रही हैं कि आआपा के संयोजक अरविंद केजरीवाल पंजाब से राज्य सभा जाएंगे और उसके बाद राजनीति में सक्रिय होंगे। यह राजनीतिक अटकलें आज पुष्ट हो गई। पंजाब में अब विधानसभा चुनाव के साथ-साथ राज्य सभा का उपचुनाव भी होगा। उल्लेखनीय है कि लुधियाना पश्चिम से पूर्व विधायक गुरप्रीत सिंह गोगी की बीती 11 जनवरी को गोली लगने से मृत्यु हो गई थी। उनकी मौत होने से यह सीट रिक्त हो गई थी। विधानसभा की इस सीट पर अब उपचुनाव होंगे। नियमानुसार कोई भी सीट छह माह तक खाली नहीं रह सकती है। दिलचस्प बात यह है कि चुनाव आयोग ने लुधियाना पश्चिम सीट को अभी तक रिक्त घोषित नहीं किया है लेकिन आम आदमी पार्टी ने इसे रिक्त मानते हुए सबसे पहले इस सीट के लिए राज्य सभा सदस्य संजीव अरोड़ा को प्रत्याशी घोषित कर दिया है। संजीव अरोड़ा 10 अप्रैल 2022 को राज्य सभा सदस्य चुने गए थे। उनका कार्यकाल 9 अप्रैल 2028 तक है। संजीव अरोड़ा के प्रत्याशी बनने के बाद यह साफ हो गया है कि अब आआपा संयोजक अरविंद केजरीवाल राज्य सभा के लिए होने वाले मध्यावधि चुनाव में पार्टी के प्रत्याशी हो सकते हैं।

निगम चुनावों में विपक्ष दलों का खाता भी नहीं खुलेगा : कंवरपाल

यमुनानगर (हिंस)। यमुनानगर-जगाधरी नगर निगम चुनावों को लेकर पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल ने जगाधरी शहर के वार्डों में भाजपा की महापौर प्रत्याशी व सभी वार्डों में भाजपा के पार्षद प्रत्याशियों के समर्थन में धुंआधार प्रचार करते हुए वोट की अपील की। बुधवार को इस मौके पर पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवर पाल ने कहा कि जगाधरी शहर की जनता ने मन बना लिया है कि यमुनानगर-जगाधरी नगर निगम चुनावों में भाजपा की सरकार को लाना है और विकास की गति को तीन गुना बढ़ाकर हरियाणा को विकसित बनाना है। उन्होंने बताया कि निगम चुनावों में भाजपा जीतेगी व विपक्षी राजनीतिक दलों का खाता भी नहीं खुलेगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बडौली के नेतृत्व में भाजपा जनहित के फैसले लेकर आम जनता को खुशियां प्रदान कर रही है। भाजपा द्वारा महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में भी विशेष रूप से कदम उठाए जा रहे हैं। भाजपा सरकार सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास की नीति पर चलते हुए हरियाणा प्रदेश में हर वर्ग के उत्थान के साथ समान रूप से विकास कार्य करवा रही है। जगाधरी शहर के हर वार्ड से लोग विभिन्न राजनीतिक पार्टियों को छोड़कर भाजपा

में शामिल हो रहे हैं ।यमुनानगर जगाधरी नगर निगम में मेयर पद से भाजपा प्रत्याशी सुमन बहमनी ने कहा कि यमुनानगर जगाधरी नगर निगम चुनाव में भाजपा पूरी तरह से मजबूत है। सभी वार्डों में भाजपा की पूरी मेहनत के साथ चुनावी प्रचार चल रहा हैं। अभी कुछ समय पहले हरियाणा व महाराष्ट्र में व अभी दिल्ली के नतीजे भाजपा के पक्ष में आए हैं। आम जनता भाजपा के साथ है और भाजपा निगम चुनावों में जबरदस्त जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के संकल्प पत्र में कही गई सभी बातों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा ने बताया कि यमुनानगर-जगाधरी नगर निगम चुनावों में भाजपा संगठन पूरी मजबूती के साथ भाजपा प्रत्याशियों के साथ मिलकर चुनाव लड़ रहा है जिसके सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे ऐसा उन्हें पूर्ण विश्वास है।

हरियाणा की जनता तीसरे इंजन की सरकार कांग्रेस की बनाएगी : दीपेंद्र सिंह हुड्डा

रोहतक (हिंस)। सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने दावा किया स्थानीय निकाय चुनाव में हरियाणा की जनता तीसरे इंजन की सरकार कांग्रेस की ही बनवाएगी, क्योकि निगमों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर नकेल डालने के लिए कांग्रेस को जिताना जरूरी है। उन्होंने कहा कि बीजेपी की ट्रिपल इंजन का एक इंजन लूटता है, बाकी दो इंजन उसको संरक्षण देते हैं। हरियाणा के हर निगम मे करोड़ों रूपये के घोटाले हुए है। सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा बुधवार को खेडी साध, किरपाल नगर, व एकता कालोनी में आयोजित कार्यक्रमों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कांग्रेस के मेयर प्रत्याशी सूरजमल किलोई एवं पार्षद प्रत्याशियों को विजयी बनाने की भी अपील की। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा की जनता तीसरे इंजन की सरकार कांग्रेस की ही बनवाएगी, क्योंकि, खुद बीजेपी सांसद ने दावा किया था कि रोहतक में अमृत योजना के जिन

350 करोड़ रुपयों से रोहतक के सीवरेज सिस्टम, पेयजल आपूर्ति, ड्रेनेज ओर पार्कों का रखरखाव होना थ वो घोटाले की भेंट चढ़ गया। सत्ता में बैठे लोगों ने अपने ही सांसद के गंभीर आरोपों की भी कोई जांच नहीं कराई। इसी का नतीजा है कि रोहतक में न लोगों को पीने का साफ पानी मिला न गंदगी से निजात मिली। उन्होंने कहा कि घोटालेबाजों ने कमीशन खाने के लिए पूरे शहर में पाईपें डाल दी, लेकिन उन पाइपों में पानी तक नहीं है। दीपेंद्र हुड्डा ने भाजपा से सवाल किया कि अमृत योजना के बजट से कितने बूस्टर, कितने एसटीपी, वाटर वर्क्स, कितनी पाइप लाइन, कितनी सीवर लाईन डाली गई। निकाय चुनाव में जनता भाजपा के अहंकार और भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि आज रोहतक में बिजली किल्लत, खराब सड़के गंदगी के ढेर और पीने के पानी की समस्या व्यापक और गंभीर हो चुकी है, लेकिन सरकार ने इस और कभी कोई ध्यान नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की हुड्डा सरकार के समय रोहतक महानगर की तरह विकास के नक्शे पर उभरा लेकिन, पिछले दस साल में विकास की पटरी से उतर गया।

डोटासरा ने चौपाल के बदमाश-गुंडों जैसा व्यवहार किया : दिलावर

जयपुर (हिंस)। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने गीता की सौगंध खाने की बात कहने वाले कांग्रेस नेता गोविंद सिंह डोटासरा के लिए गीता मायने ही नहीं रखती है। डोटासरा को ईगो छोड़कर माफी मांग लेनी चाहिए थी। शिक्षा मंत्री ने बुधवार को उदयपुर में स्कूल के एक कार्यक्रम में विधानसभा की खींचतान को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि डोटासरा तो कहते थे कि अयोध्या में भगवान राम का मंदिर नहीं बनने देंगे और बन गया तो तोड़ देंगे। अब ऐसे में उनके लिए गीता क्या मायने रखती है। डोटासरा तो भगवान राम और श्रीकृष्ण को मानते ही नहीं है।

हरियाणा को 58 साल बाद मिलेगा राज्य गीत

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा राज्य गठन के 58 साल बाद पहली बार प्रदेश वासियों को राज्य गीत मिलने जा रहा है। विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण की अध्यक्षता में विधायक लक्ष्मण यादव के नेतृत्व वाली कमेटी ने इस संबंध में अपनी रिपोर्ट तैयार कर ली है। जिसे विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सदन में रखा जाएगा। हरियाणा राज्य गीत चयन समिति की मंगलवार शाम आयोजित 10वीं बैठक में विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण भी शामिल हुए। समिति के सभापति लक्ष्मण सिंह यादव, सदस्य गीता भुक्कल, विनोद भ्याण कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के प्रधान सचिव डॉ. अमित अग्रवाल, महानिदेशक के मकरंद पांडुरंग समेत अनेक अधिकारी उपस्थित रहे। सरकारी प्रवक्ता ने बुधवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने कमेटी सदस्यों और अधिकारियों के साथ प्रस्तावित राज्य गीत सुना। स्पीकर ने गीत की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह गीत प्रदेश का समग्र रूप से परिचय करवाएगा। गीत के बोल और संगीत काफी प्रभावी हैं। समिति इस बारे में जल्द अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी तथा आगामी बजट सत्र में राज्य गीत के घोषणा होने की संभावना है। विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि गीत के भाव और भाषा सौंदर्य काफी अच्छा है। गीत की विषय वस्तु में हरियाणा के गौरवशाली इतिहास, सांस्कृतिक विरासत, भौगोलिक संरचना और प्रदेश की विकास यात्रा को चित्रित किया गया है। राज्य गीत में प्रदेश की उत्सवधर्मी संस्कृति और हरियाणा वासियों की सादगी जैसी मूल विशेषताओं को इंगित करने का प्रयास किया है। इसमें प्रदेशवासियों के आपसी भाईचारे, शिक्षा और व्यापार का भी विशेष वर्णन है। गीत में जहां हरियाणवी लोक जीवन को काव्यबद्ध किया गया। वहीं इसमें प्रदेश का गौरव बढ़ाते किसानों, वीर-सैनिकों और खिलाड़ियों के योगदान को विशेष रूप से रेखांकित किया गया है।

महाशिवरात्रि : जोधपुर शहर के शिवालयों में गूंजे हर-हर महादेव के जैकारे

जोधपुर (हिंस)। भगवान शिव की आराधना का प्रमुख पर्व महाशिवरात्रि बुधवार को श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर शहर के सभी शिव मंदिरों व शिवालयों में दर्शनों के लिए भक्तों की भीड़ लगी रही। शिव मंदिरों में महारूद्राभिषेक, पंचामृत अभिषेक, ऋतु पुष्पों का श्रृंगार और जागरण सहित कई धार्मिक आयोजनों की बयार बही। प्रमुख शिवालयों में शिव विवाह एवं बाबा बर्फानी की झांकियां सजाई गई। शिवालयों में आकर्षक रोशनी की गई। वहीं भक्तों की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के इंतजाम भी किए गए। महाशिवरात्रि का महापर्व आज आस्था और श्रद्धा के साथ मनाया गया। शहर के सभी छोटे-बड़े शिव मन्दिरों को आकर्षक रोशनी से सजाया-संवारा गया। बम-बम भोले

और हर-हर महादेव की गूंज से भोले को रिझाने का प्रयास किया गया। शिवालयों में कुमकुम, भांग, बिल्व पत्र सफेद आक के पुष्प, तुलसी मंजरी, शमी पत्र दूब, गुलाल, अबीर चढ़ाए गए। शहर की विभिन्न कॉलोनियों के शिवालयों में भी भक्त सवेरे से ही पूजा-अर्चना में लगे रहे। यहां महारूद्राभिषेक, पंचामृत अभिषेक, शिव ब्यावल पूजापाठ सहित अन्य अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। मन्दिरों पर भक्तों के दर्शन के लिए विशेष व्यवस्था की गई। शहर के सभी शिवालयों में सुबह से मेले जैसा माहौल रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना करने पहुंचे। श्रद्धालुओं ने दूध, गन्ने का रस, घी, शहद और अन्य सामग्री से अभिषेक किया। यहां कई धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

पंजाब के मंदिरों में महाशिवरात्रि की धूम, श्रद्धालुओं ने टेका माथा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में महाशिवरात्रि के अवसर पर मंदिरों में चारों तरफ हर हर महादेव के जयकारे गूंज रहे हैं। भारी संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक करने के लिए मंदिरों में पहुंच रहे हैं। पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर लोगों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने कहा कि मैं भगवान शिव के सभी भक्तों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं और शुभेच्छा प्रेषित करता हूं। उनकी दिव्य कृपा सभी के जीवन में शांति, खुशी और समृद्धि लेकर आए। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इस अवसर पर जारी संदेश में कहा कि महाशिवरात्रि का पावन उत्सव प्रार्थन ध्यान और

सद्कर्मों के लिए नई ऊर्जा प्राप्त करने का अवसर है। भगवान भोले नाथ आप सभी को खुशियां प्रदान करें व स्वास्थ्य रखें। इस बीच पंजाब की मशहूर सिंगर व अभिनेत्री अफसाना खान ने बुधवार को पति व अन्य पारिवारिक सदस्यों के साथ मोहाली के शिव मंदिर में जाकर पूजा अर्चना की। अफसाना खान ने पूजा करते समय एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किया। पंजाब के पटियाला जिला स्थित ऐतिहासिक शिव मंदिर नलास में श्रद्धालु बीती रात से ही जुटने शुरू हो गए थे। मोहाली में सेक्टर 115 स्थित शिव सागर काली माता मंदिर में शिवरात्रि पर भगवान शिव की विशेष पूजा का आयोजन किया गया। पंजाब के होशियारपुर, पटियाल अमृतसर, जालंधर तथा गुरदासपुर जिलों में भी शिवरात्रि के अवसर पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक करते हुए शिवरात्रि की पूजा की।

सीमा पर बीएसएफ ने पाकिस्तानी घुसपैठिया मार गिराया

चंडीगढ़ (हिंस)। बीएसएफ ने भारत-पाक सीमा पर पठानकोट सेक्टर में एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को ढेर कर दिया है। यह युवक पठानकोट के रास्ते से भारतीय सीमा में दाखिल होने की कोशिश कर रहा था। इस घटना के बाद बीएसएफ ने बुधवार की सुबह पंजाब पुलिस के साथ सीमावर्ती क्षेत्र में सर्च आपरेशन शुरू किया है। जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह तड़के ताशपतन बॉर्डर पोस्ट पर तैनात जवानों ने सीमा के पार संदिग्ध गतिविधि देखी। एक व्यक्ति भारतीय सीमा में घुसपैठ की कोशिश कर रहा था। सतर्क जवानों ने उसे चेतावनी दी लेकिन उसने कोई ध्यान नहीं दिया और आगे बढ़ता रहा। ऐसे में खतरे को भांपते हुए बीएसएफ के जवानों ने घुसपैठिए को मार गिराया। घुसपैठिए की पहचान और उसका मकसद का पता लगाया जा रहा है। सतर्क बीएसएफ जवानों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया।

धोद बैंड दुनिया भर में बिखेरेगा राजस्थानी कला-संस्कृति की छठा

जयपुर (हिंस)। लोक कलाकार रहीस भारती और उनका धोद बैंड अपनी 25वीं वर्षगांठ के ऐतिहासिक मौके पर वर्ल्ड टूर के लिए रवाना हो रहा है। फ्रांस के लूमो शहर से इस टूर की शुरुआत होगी। 29 मार्च को राजस्थान दिवस इटली में प्रवासी राजस्थानियों के बीच यह राजस्थानी ग्रुप पर फॉर्म करेगा। भारतीय दूतावास ने इस खास मौके पर धोद ग्रुप को आमंत्रित किया है। राजस्थान दिवस के मद्देनजर यह वर्ल्ड टूर राजस्थान और भारत की संस्कृति को दुनिया के सबसे बड़े मंचों तक पहुंचाने का काम करेगा। करीब दो दर्जन कलाकारों का यह ग्रुप 6 से 7 माह विदेश टूर पर रहेगा। जहां राजस्थानी संस्कृति को अलग-अलग देशों के मंच पर हजारों ऑडियंस के बीच परफॉर्म करेगा। धोद बैंड अपने अंतर्राष्ट्रीय दौरे की शुरुआत 6, 8 और 11 मार्च को फ्रांस के लूमो शहर से करेगा। इसके बाद 21 से 30 मार्च तक फ्रांस के रैन शहर में आयोजित इंडिया फेस्टिवल में हिस्सा लेगा। जहां भारत मुख्य अतिथि देश रहेगा। इस भव्य आयोजन में प्रतिदिन 20 हजार से अधिक दर्शकों के आने की संभावना है। इसके बाद धोद बैंड स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, रियूनियन आइलैंड, जर्मनी, इटली, फिनलैंड सहित विभिन्न देशों की यात्रा करेगा और वहाँ अपनी मंत्रमुग्ध कर

देने वाली प्रस्तुतियों से राजस्थान की कला व संस्कृति को वैश्विक मंच पर स्थापित करेगा। गौरतलब है कि विदेशों में सांस्कृतिक राजदूत के नाम से पहचान रखने वाला धोद ग्रुप पिछले 24 साल में 119 देशों में 1 हजार 500 से अधिक कांसर्ट्स कर चुका है। इस ऐतिहासिक यात्रा के राजस्थान भर से 700 से ज्यादा कलाकार गवाह रहे हैं, जो शादी विवाह में बजाते थे। रहीस भारती ने कहा कि धोद बैंड केवल संगीत समूह नहीं, बल्कि राजस्थान की आत्मा और भारत की सांस्कृतिक पहचान है। यह वर्ल्ड टूर धोद बैंड की गौरवशाली यात्रा में एक और ऐतिहासिक व स्वर्णिम अध्याय जोड़ने जा रहा है। जिसमें राजस्थान की कल संगीत और परंपरा को पूरी दुनिया तक पहुंचाया जाएगा।

संपादकीय

कला की कसक

कला के संरक्षण के लिये नीति-नियंताओं से संवेदनशील व्यवहार की उम्मीद की जाती है। बहुत संभव है कि यह संरक्षण दैनिक जीवन में किसी तरह की विसंगति पैदा करे, लेकिन भावी पीढ़ियों को अतीत के कला सौंदर्य से रूबरू कराना हर समाज का दायित्व होता है। कला संरक्षण की प्रासंगिकता का प्रश्न पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय के उस निर्देश के बाद फिर सामने उत्पन्न हुआ है, जिसमें सड़क को चौड़ा करने तथा पार्किंग के विस्तार के लिये रॉक गार्डन की दीवार के एक हिस्से को ध्वस्त करने का निर्देश दिया गया है। यह प्रकरण विरासत के संरक्षण और बुनियादी ढांचे के विस्तार के बीच संतुलन को लेकर गंभीर चिंता उत्पन्न करता है। निस्संदेह, केंद्र शासित प्रदेश के अधिकारियों द्वारा क्रियान्वित निर्णय न केवल रॉक गार्डन के निर्माता नेकचंद की कलात्मक विरासत के एक हिस्से को मिटा देता है, बल्कि एक परेशान करने वाली मिसाल भी स्थापित करता है। जो बताता है कि कि नया भारत विकास के नाम पर अपनी सांस्कृतिक व वनविरासत के साथ कैसा व्यवहार करता है। निस्संदेह, इस तथ्य को लेकर दो राय नहीं हो सकती है कि रॉक गार्डन ने केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ को एक विशिष्ट पहचान दी है। नेकचंद की इस विरासत ने दुनिया को बेकार और अनुपयोगी चीजों को नया स्वरूप देने की एक नई दृष्टि प्रदान की है। दशकों से रॉक गार्डन रचनात्मक मानवीय कला दृष्टि के प्रमाण के रूप में खड़ा है कि कैसे सकारात्मक सोच के साथ कचरे को आश्चर्यजनक कृति में तब्दील किया जा सकता है। महत्वपूर्ण बात यह भी है कि नेकचंद की इस अद्भुत कला से प्रेरित होकर देश-दुनिया के विभिन्न भागों में रॉक गार्डन की प्रतिकृति बनाने की भी प्रेरणा भी मिली। नेकचंद के जाने के बाद भी रॉक गार्डन कलात्मकता के एक जीवंत प्रमाण के रूप में विद्यमान है। ऐसे में समाज व प्रशासन का नैतिक दायित्व बनता है कि इस सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण किया जाए। यही वजह है कि सिटी ब्यूटिफुल के तमाम जिम्मेदार, सजग व संभ्रांत लोग अपनी सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिये आगे आए हैं। यह विडंबना कही जाएगी हम अपनी समृद्ध और कलात्मक विरासत के एक हिस्से को सड़क निर्माण और प्रदूषण बढ़ाने वाले वाहनों के उपयोग के लिये बनायी जा रही पार्किंग के लिये खो देंगे। यह भी तर्क दिया जा रहा है कि ध्वस्त की गई दीवार रॉक गार्डन में नेक चंद द्वारा बनायी गई मूल संरचना का हिस्सा नहीं थी। दीवार को ध्वस्त करने पर बचाव के लिये दिए जाने वाले तर्क तर्कशीलता की कसौटी पर खरे नहीं उतरते। यदि यह तर्क स्वीकार भी कर लिया जाता है तो भविष्य में इस दलील के आधार पर इसके अन्य हिस्सों के अस्तित्व पर संकट मंडरा सकता है। निस्संदेह, किसी संरचना या सांस्कृतिक प्रतीक के महत्व को उसके ढांचे के रूप में नहीं बल्कि उसके साथ लोगों के सांस्कृतिक और भावनात्मक जुड़ाव के रूप में देखा जाना चाहिए। वास्तव में इस दीवार को तोड़ने के लिये दी जा रही दलीलों की तार्किकता कई स्तरों पर त्रुटिपूर्ण ही है। सबसे पहले, उच्च न्यायालय परिसर के आसपास यातायात की जो भीड़ उत्पन्न होती है, वह खराब प्रबंधन की देन है। इसमें रॉक गार्डन की संरचना की उपस्थिति की कोई भूमिका नहीं है। सही मायनों में बेहतर सार्वजनिक परिवहन और शटल सेवाओं जैसे टिकाऊ विकल्पों की अनदेखी की गई है। इसके साथ उच्च न्यायालय द्वारा केस सूचियों के व्यवस्थित पुनर्गठन से भी यातायात संबंधी चिंताओं को दूर करते हुए अदालत परिसर में दैनिक उपस्थिति को कम किया जा सकता है। वहीं दूसरी ओर प्रशासन द्वारा दीवार को दूसरी जगह बनवाने और फिर पेड़ लगाने का वायदा पारिस्थितिकीय तंत्र के अपरिवर्तनीय नुकसान की भरपाई नहीं करता है। चंडीगढ़ की प्रसिद्ध पेड़ों की विरासत पहले ही अपनी आभा खोती जा रही है। ऐसे में सदियों पुराने पेड़ों को हटाना इसके पारिस्थितिकीय संतुलन के मद्देनजर एक आत्मघाती कदम ही हो सकता है। निस्संदेह, अदालतों को न्याय का संरक्षक माना जाता है।

> बहुत संभव है कि यह संरक्षण दैनिक जीवन में किसी तरह की विसंगति पैदा करे, लेकिन भावी पीढ़ियों को अतीत के कला सौंदर्य से रूबरू कराना हर समाज का दायित्व होता है। कला संरक्षण की प्रासंगिकता का प्रश्न पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय के उस निर्देश के बाद फिर सामने उत्पन्न हुआ है, जिसमें सड़क को चौड़ा करने तथा पार्किंग के विस्तार के लिये रॉक गार्डन की दीवार के एक हिस्से को ध्वस्त करने का निर्देश दिया गया है। यह प्रकरण विरासत के संरक्षण और बुनियादी ढांचे के विस्तार के बीच संतुलन को लेकर गंभीर चिंता उत्पन्न करता है। निस्संदेह, केंद्र शासित प्रदेश के अधिकारियों द्वारा क्रियान्वित निर्णय न केवल रॉक गार्डन के निर्माता नेक चंद के कलात्मक विरासत के एक हिस्से को मिटा देता है, बल्कि एक परेशान करने वाली मिसाल भी स्थापित करता है। जो बताता है कि कि नया भारत विकास के नाम पर अपनी सांस्कृतिक व वन विरासत के साथ कैसा व्यवहार करता है। निस्संदेह, इस तथ्य को लेकर दो राय नहीं हो सकती है कि रॉक गार्डन ने केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ को एक विशिष्ट पहचान दी है। नेकचंद की इस विरासत ने दुनिया को बेकार और अनुपयोगी चीजों को नया स्वरूप देने की एक नई दृष्टि प्रदान की है।

प्रयागराज महाकुंभ 2001, इस सहस्राब्दी का पहला कुंभ था, जो एक दुर्लभ खगोलीय संयोग के चलते 144 साल बाद हुआ है

महाकुंभ की ऐतिहासिक सफलता पर अनर्गल प्रलाप क्यों?

ललित गर्ग।

> महाकुंभ में जितनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया, वह अकल्पनीय है, विश्व में इतने विशाल जनसमूह को आकर्षित एवं नियोजित करने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन की कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। इस सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन से विपक्षी दल एवं नेता बौखलाये हुए हैं और अपने बेतूके एवं अनर्गल प्रलाप से न केवल इस आयोजन की सफलता-गरिमा को धुंधलाना चाहते हैं बल्कि सनातन संस्कृति का उपहास उड़ा रहे है। टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने महाकुम्भ को मृत्युकुम्भ कहा तो सपा सांसद जया बच्चन एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कहते हैं कि शवों को गंगा में बहा दिया गया, लालू यादव कहते हैं फालतू है महाकुम्भ। इस प्रकार के गैर जिम्मेदाराना बयान सनातन धर्म के जुड़े हुए सबसे बड़े आयोजन के प्रति दिए गए हैं।

महाकुंभ केवल एक धार्मिक समागम ही नहीं है, यह भारत की संस्कृति का भी परिचायक एवं आत्मा है। इस बार महाकुंभ में जितनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया, वह अकल्पनीय है, विश्व में इतने विशाल जनसमूह को आकर्षित एवं नियोजित करने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन की कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। इस सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन से विपक्षी दल एवं नेता बौखलाये हुए हैं और अपने बेतूके एवं अनर्गल प्रलाप से न केवल इस आयोजन की सफलता-गरिमा को धुंधलाना चाहते हैं बल्कि सनातन संस्कृति का उपहास उड़ा रहे है। टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने महाकुम्भ को मृत्युकुम्भ कहा तो सपा सांसद जया बच्चन एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कहते हैं कि शवों को गंगा में बहा दिया गया, लालू यादव कहते हैं फालतू है महाकुम्भ। इस प्रकार के गैर जिम्मेदाराना बयान सनातन धर्म के जुड़े हुए सबसे बड़े आयोजन के प्रति दिए गए हैं। ऐसे एवं कुछ अन्य विपक्षी नेताओं के भ्रामक, त्रासद एवं गुमराह करने वाले बयानों से वहां जाने वाले लोगों को भयभीत, आतंकित और आशंकित किया गया। इन विपक्षी नेताओं का एक वर्ग, धर्म का मखौल एवं उपहास उड़ाते हुए लोगों को तोड़ने में जुटा है और बहुत बार विदेशी ताकतें भी इन लोगों का साथ देकर देश और धर्म को कमजोर करने की कोशिश करती दिखती हैं। यह समझ आता है कि कुछ तथाकथित प्रगतिशील और धर्मनिरपेक्षतावादी लोगों को सनातन धर्म से जुड़ा हर पर्व और परंपरा रास नहीं आती, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या वे अन्य मतावलंबियों के ऐसे धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों पर उसी तरह की टीका टिप्पणी करते हैं जैसी उन्होंने महाकुंभ को लेकर की। आखिर हिन्दू समाज अपने अस्तित्व एवं अस्मिता पर हो रहे इन हमलों एवं आघातों के लिये कब जागरूक एवं संगठित होगा? प्रयागराज महाकुंभ 2001, इस सहस्राब्दी का पहला कुंभ था, जो एक दुर्लभ खगोलीय संयोग के चलते 144 साल बाद हुआ है। जिसमें लगभग 62 करोड़ से अधिक लोगों के स्नान, रहने, चिकित्सा, यातायात व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता और सुरक्षा की शानदार एवं ऐतिहासिक व्यवस्थाएं करके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार ने न केवल देश बल्कि दुनिया को चौंकाया है। यह

दुनिया का पहला विशाल आयोजन है, जिससे भारत एवं सनातन धर्म का गर्व एवं गौरव दुनिया में बढ़ा है। बावजूद इसके विपक्षी नेता जिस तरह की बातें कह एवं कर रहे हैं, निश्चित ही यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता, सनातन विरोधी मानसिकता को ही दर्शा रहा है, वे लगातार विभाजनकारी राजनीति को प्रोत्साहन देते हुए भूल जाते हैं कि उनके ऊपर देश को तोड़ने नहीं, जोड़ने की जिम्मेदारी है। वे जानते नहीं कि वे क्या कह रहे हैं। उससे क्या नफा-नुकसान हो रहा है या हो सकता है। वे तो इसलिए बोल रहे हैं कि वे बोल सकते हैं, उन्हें बोलने की आजादी है, लेकिन इसका नुकसान देश को भुगतना पड़ रहा है। विडम्बना देखिये कि इसका नुकसान उनको एवं उनके दल को भी हो रहा है। भारत में सनातन विरोध की राजनीति करके वे अपनी ही जड़े उखाड़ रहे हैं, यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रहा है। मध्यप्रदेश के छतरपुर में बागेश्वर धाम मेडिकल एवं साइंस रिसर्च सेंटर की आधारशिला रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाकुंभ का उल्लेख करते हुए जिस तरह कुछ विपक्षी नेताओं पर निशाना साधा, उसकी आवश्यकता इसलिए थी, क्योंकि कुछ लोग वास्तव में अनावश्यक और अनर्गल टीका-टिप्पणी करने में लगे हुए हैं। पुरानी कहावत है, मियाँ को न पाऊँ तो बीवी को नोच खाऊँ वाली स्थिति विपक्षी नेताओं एवं दलों की हो चुकी है। इसे छिद्रान्वेषी मानसिकता ही कहा जाएगा। इस प्रकार की उद्देश्यहीन, अनर्गल, उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक आलोचना से किसी का हित सधता हो, ऐसा प्रतीत नहीं होता। विपक्षी नेता अपने नजरिए को बदलें और देश में नफरत और झूठ की राजनीति करके भ्रम फैलाने की ओछी राजनीतिक हरकतों से बाज आएं। विपक्ष जिस भाषा का प्रयोग कर रहा है, वह किसी भी सभ्य समाज को शोभा नहीं देती। विपक्षी नेताओं ने सारी हदें लांघते हुए जो तुलनाएँ की, जो अनर्गल प्रलाप किया है वह निश्चित रूप से अतिरेक या अतिशयोक्ति कही जा सकती हैं। प्रतीत होता है हर दिखते समर्पण की पीठ पर स्वार्थ चढ़ा हुआ है। इसी प्रकार हर अभिव्यक्ति में कहीं न कहीं स्वार्थ की राजनीति है, सत्तापक्ष को नुकसान पहुंचाने की ओछी मनोवृत्ति है। कुछ विपक्षी नेताओं ने चुन-चुनकर इस आयोजन की समस्याओं को गिनाने में अतिरिक्त दिलचस्पी दिखाई और इस क्रम में वहां मची भगदड़ का जिक्र करते हुए यहां तक कहा कि उसमें हजारों लोगों की मृत्यु हुई है। यह गैरजिम्मेदारी, मानसिक दिवालियापन एवं अपरिपक्व सोच के अतिरिक्त और कुछ नहीं। यह अच्छा हुआ कि प्रधानमंत्री ने ऐसे लोगों को कठघरे में खड़ा किया, क्योंकि वे हिंदू आस्था पर जानबूझकर प्रहार ही कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने सही कहा कि महाकुंभ भारत की संस्कृति, आस्था और एकता का प्रतीक है। यह ठीक है कि जिस आयोजन में प्रतिदिन एक-दो करोड़ लोगों की भागीदारी होती हो, वहां कुछ समस्याएं हो सकती हैं और वे दिखीं भी, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि इस आयोजन को विफल बताने की कोशिश की जाए अथवा यह कहा जाए कि श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। अच्छा हो कि विपक्षी नेता यह समझें कि ऐसे आयोजनों पर उनकी बेजा एवं बेतूकी टिप्पणियां उन्हें राजनीतिक रूप से नुकसान ही पहुंचाती हैं। हिन्दू आस्था से नफरत करने वाले ये लोग सदियों से किसी न किसी शक्ल में रहते रहे हैं। गुलामी की मानसिकता से घिरे ये लोग हिन्दू मठों, मंदिरों, संतों, संस्कृति व सिद्धांतों पर हमला करते हुए राजनीति करते रहे हैं। ऐसे लोग भूल जाते है कि हिन्दू भारत का बहुसंख्य वर्ग है, भारत एक हिन्दू राष्ट्र है, उसका विरोध करते हुए वे अपनी राजनीति जमीन को ही खोखला करते हैं। मोदी-योगी एवं भाजपा विरोध करते हुए वे राष्ट्र एवं सनातन विरोध पर उतर आते हैं। हिन्दू पर्व, परंपराओं और प्रथाओं को गाली देते है, जो धर्म एवं संस्कृति स्वभाव से ही प्रगतिशील है, विश्व मानवता को जोड़ने वाली है, उस पर कीचड़ उछाल कर वे सछिद्र नाव में सवार है। हिन्दू समाज को बांटना, उसकी एकता को तोड़ना ही इनका एजेंडा हैं।

दृष्टि कोण

डंकी रूट पर सख्त रुख अपनाएं सरकारें

मुगल बादशाही के दौर में कबूतरों को आपस में लड़ाने वाला 'कबूतरबाजी' एक मशहूर खेल था, मगर कुछ वर्ष पूर्व भारत में कबूतरबाजी लफ्ज मानव तस्करी के रूप में काफी चर्चित हुआ था। कबूतरबाजी यानी लोगों को अवैध तरीके से विदेश भेजने का तरीका। कबूतरबाजी के इल्जाम ने देश के कुछ मकबूल फनकारों को भी सलाखों के पीछे पहुंचा दिया था। मौजूदा वक्त में कबूतरबाजी की जगह 'डंकी रूट' एक चर्चित लफ्ज बन चुका है। डंकी रूट यानी किसी देश में गैर कानूनी तरीके से प्रवेश करना। अमेरिका, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी व ब्रिटेन जैसे मुल्क भारतीय युवाओं की पहली पसंद हैं। जब लोग दस्तावेज नहीं बनवा पाते या विदेश जाने के लिए उनको वीजा नहीं मिलता तो एजेंट्स युवाओं को डंकी रूट के तहत बिना किसी दस्तावेज व वैध वीजा के अवैध तरीके से विदेश पहुंचाने के हसीन ख्वाब दिखाते हैं। जिस प्रकार नशे के सरगना नशा तस्करी के लिए नए तरीके इजाद करते हैं, उसी प्रकार ट्रैरवल एजेंट भी युवाओं को गैर कानूनी तरीके से विदेश भेजने के लिए कबूतरबाजी, डंकी रूट व फिश रूट जैसी अवैध तरकीबें अपनाते हैं। नशे का नेटवर्क भी देश में अपनी जडें.जमा चुका है। डंकी रूट का संचालन करने वाले एजेंटों का कारोबार भी फराज पर है। नशा माफिया के निशाने पर भी युवा वर्ग है तथा डंकी रूट के एजेंटों का नेटवर्क भी युवा वर्ग के इर्द-गिर्द ही घूमता है। नशा माफिया की तरह डंकी रूट के संचालकों का भी अपना एक निर्धारित क्षेत्र है। नशे के सरगना व डंकी रूट के एजेंट तथा ट्रैरवल एजेंसियां अपनी अरबों रुपए की अवैध सल्तनत कायम कर चुकी हैं। बेशक बेरोजगारी के अजाब से भारत के हजारों युवा अपना मुल्क छोडक़र डंकी रूट का सहारा लेकर मगरबी मुल्कों में जा रहे हैं। मगर इसे इत्तेफाक कहें या इख्तिलाफ। संयोग कहें या प्रयोग। अमेरिकी प्रशासन अवैध रूप से रह रहे भारतीय प्रवासी युवाओं को शातिर अपराधियों की तरह हथकडियों व बेडियों में जकडक़र जिस तरीके से बेआबरू करके निर्वासित कर रहा है, यूएसए की यह कारकर्दगी दुर्भाग्यपूर्ण है। हैरत की बात है कि बेगुनाह प्रवासी भारतीय युवाओं से मुजरिमों जैसा सलूक करने वाली अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों की इस हरकत पर मानवाधिकारों की वकालत करने वाले मुनाजिर भी खामोश हैं। अमेरिका की अर्थव्यवस्था को अपनी कड़ी मेहनत से गुलजार करने वाले भारतीय नौजवानों को अवैध प्रवासी बताकर अमेरिकी प्रशासन नामोशी के साथ डिपोर्ट करके दुनिया को पैगाम नसर कर रहा है कि अपने मुल्क की सुरक्षा व राष्ट्रीय हितों से यूएसए कभी समझौता नहीं करेगा। लेकिन यूएसए में एक मुद्दत से पनाह ले चुके भारत विरोधी गतिविधियों में मुल्लविश आदतन मुजरिमों व गैंगस्टरों के प्रत्यर्पण पर अमेरिकी प्रशासन भी खामोश है। हकीकत में डंकी रूट का इस्तेमाल गैंगस्टर व जघन्य वारदातों को अंजाम देकर बैरूने मुल्कों में पनाह लेने वाले कुख्यात अपराधियों के लिए ही होता था। आतंकी व गैंगस्टर गतिविधियों से जुड़े मुजरिम मौजूदा वक्त में भी डंकी रूट के जरिए ही विदेशों में पहुंचते हैं। भारत विरोधी गतिविधियों में मशगूल व अलगाववाद, चरमपंथ की पैरवी करने वाले लोगों को विदेशी खूफिया एजेंसियों की पूरी हिमायत हासिल है। देश में कोई भी मुद्दा हो सियासत की हरारत बुलंदी पर पहुंच जाती है। बिना पुख्ता कागजात के अमेरिका से निर्वासित हुए भारतीय नागरिकों पर भी दोनों सदनों में खूब हंगामा हुआ। विपक्ष के हंगामे के बाद वजीरे खारजा ने अमेरिका द्वारा डिपोर्ट किए गए लोगों के आंकड़े सदन के समक्ष रखे तो ज्ञात हुआ कि वर्ष 2009 में 734, साल 2010 में 794 , सन्-2011 में 597 तथा सन्-2012 में 530 भारतीयों को अमेरिका ने अवैध प्रवासी बताकर अपने मुल्क से बाहर किया था। अमेरिका से भारतीय प्रवासियों के निर्वासन का सिलसिला बदस्तूर जारी है। भले ही अमेरिका अपने तल्ख तेवर दिखाकर अवैध प्रवासियों को अपने मुल्क से डिपोर्ट कर रहा है, मगर लोगों से लाखों रुपए हड़प करके डंकी रूट के तहत विदेश भेजने वाले गिरोहों व ट्रैरवल एजेंटों का धंधा भी बदस्तूर जारी है। विदेश भेजने के नाम पर कई राज्यों में सैंकड़ों एजेंट अपने दफ्तर खोल कर बैठे हैं, जो युवाओं को लुभाकर उनसे लाखों रुपए हड़प करके विदेशों में सुरक्षित पहुंचाने का दावा करते हैं। जबकि अमेरिका से भारतीय युवाओं के निर्वासन ने सभी दावों की पोल खोल दी है। यूएसए सहित कई देशों में भारतीय नागरिक नस्लीय भेदभाव का शिकार होते हैं। विदेशों में पढने वाले छात्रों की हत्याएं की जाती हैं। डंकी रूट के तहत विदेशों में गए सैंकड़ों भारतीय युवा कई देशों में सलाखों के पीछे हैं। डंकी रूट डैथ रूट भी साबित हो रहा है।

कुछ अलग

साइबर मकड़जाल

यह खबर परेशान करने वाली है कि म्यांमार और पूर्वी एशिया के कई देशों से जो संगठित साइबर अपराध संचालित हो रहे हैं, उनके चंगुल में बड़ी संख्या में भारतीय युवा भी हैं। हाल ही में म्यांमार के दुर्गम इलाकों में बनाये गए साइबर अपराधियों के अड्डों से सत्तर भारतीय युवाओं को छुड़ाया गया है। जिनको डरा-धमकाकर भारत में साइबर अपराधों को अंजाम देने के लिये इस्तेमाल किया जाता था। बताया जाता है साल 2022 के बाद म्यांमार, थाईलैंड, लाओस, कंबोडिया आदि से छह सौ से अधिक भारतीयों को अपराधियों के चंगुल से बचाया जा चुका है। आशंका है कि कई हजार भारतीय युवा म्यांमार समेत विभिन्न देशों में साइबर अपराधियों के अड्डों में जबरन रोके गए हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारतीय युवा प्रतिभाएं दलालों की साजिश से संगठित साइबर अपराध करने वाले अंतर्राष्ट्रीय अपराधियों के चंगुल में फंस जाती हैं। विडंबना ही है कि हम अपने युवाओं को न तो रोजगार दे पा रहे हैं और न ही विदेशों में अपना भविष्य संवारने की आकांक्षा रखने वाले युवाओं को फर्जी एजेंटों के चंगुल से बचा पा रहे हैं। आखिर हमारी एजेंसियां ऐसी धोखाधड़ी करने वाले एजेंटों पर नकेल क्यों नहीं कस पा रही हैं। हाल के दिनों में कई ऐसे मामले प्रकाश में आए हैं कि युवा अपनी जमीन बेचकर व कर्ज उठाकर विदेश जाते हैं, लेकिन एजेंटों की धोखाधड़ी से वे साइबर अपराधियों के शिकंजे में फंस जाते हैं। दरअसल, साइबर अपराधियों का मकड़जाल इतना मजबूत हो चुका है कि बिना अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के उन पर नियंत्रण कर पाना संभव न होगा। ऐसे वक्त में जब साइबर अपराधियों का नेटवर्क दुनिया की आर्थिकी को चूना लगा रहा है, मिल-जुलकर इनके खिलाफ अभियान चलाना वक्त की जरूरत है। निश्चित रूप से यह एक विकट संकट है, जिसे दुनिया के देशों को गंभीरता से लेने की जरूरत है। यह जानते हुए कि साइबर अपराधियों का संगठन लगातार ताकतवर होता जा रहा है और वे समानांतर काली अर्थव्यवस्था चला रहे हैं। दरअसल, हो यह रहा है कि देश-दुनिया में ऑनलाइन फ्रॉड लगातार बढ़ते जा रहे हैं। वे सुनहरे सपने दिखाकर बेरोजगार युवाओं को फंसाते हैं। उन्हें जगह कोई और बतायी जाती है और अंततः साइबर अपराधियों के अड्डों पर पहुंचा दिया जाता है। युवाओं के पासपोर्ट छीन लिए जाते हैं। ये अड्डे ऐसी जगहों पर होते हैं कि उस देश की पुलिस की पकड़ में वे आसानी से नहीं आते। हाल के वर्षों में साइबर अपराधी इतने चतुर-चालाक हो गए हैं कि निगरानी करने वाली एजेंसियों की पकड़ से आसानी से बच जाते हैं। हाल ही में जिन सत्तर भारतीयों को म्यांमार में साइबर अपराधियों के चंगुल से मुक्त कराया गया, उसमें म्यांमार के सीमा सुरक्षा बल की बड़ी भूमिका रही है। इन मुक्त कराए गए भारतीयों में पंजाब, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना,यूपी व राजस्थान आदि राज्यों के लोग थे। इसी तरह म्यांमार व अन्य पूर्वी एशिया के देशों में साइबर अपराधियों के चंगुल में फंसे हुए भारतीयों को मुक्त कराने के लिए इन देशों की सरकारों से सहयोग मांगा जाना चाहिए। निश्चित तौर पर साइबर अपराधियों द्वारा संचालित अपराधों की लगातार मजबूत होती काली अर्थव्यवस्था पूरी दुनिया की आर्थिक व कानूनी सुरक्षा के लिये चुनौती है। दरअसल, इस काले धन से नशे के कारोबार, आतंकवाद और मानवीय तस्करी जैसे अपराधों को अंजाम दिया जाता है। इस संगठित आपराधिक नेटवर्क पर अविलंब अंकुश लगाने की जरूरत है।

देश दुनीया से

परीक्षा प्रणाली में कैसे करें सुधार?

देश के सभी राज्यों मे छात्रों की परीक्षा का दौर शुरू है। यह हमारी परीक्षा प्रणाली का दोष है कि परीक्षाओं को लेकर न केवल छात्र, बल्कि अभिभावक और अध्यापक भी तनाव में आ जाते हैं। इस मुद्दे की बारीकी में विवेचना की जरूरत है। परीक्षाओं की शुरुआत 19वीं सदी में एक फ्रांसीसी दार्शनिक ने की थी, जिनका नाम सर हेनरी फिशेल था। वह इंडियाना यूनिवर्सिटी ऑफ अमेरिका के प्रोफेसर थे। वह अमेरिका के एक व्यापारी थे। उनका दर्शन दो प्रकार की घटनाओं (बाहरी और आंतरिक) की जांच पर आधारित था। उनका मूल विचार यह है कि किसी व्यक्ति को किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले चीजों (घटनाओं, व्यक्तियों आदि) की बहुत सावधानी से जांच करनी चाहिए। इसलिए, वह जांच के दर्शन को अपनाने वाले पहले दार्शनिकों में से एक हैं। लेकिन यह कहना कि उन्होंने परीक्षा प्रणाली का आविष्कार किया या यहां तक कि चीजों की जांच करने का विचार उनके दिमाग में आया, इससे बहुत अलग है। उन्होंने छात्रों के दिमाग का आकलन करने के लिए परीक्षाएं शुरू करने के अपने विचार को भी अभिव्यक्त किया। उन्होंने किसी की जानकारी, शिक्षा, प्रतिभा, उत्कृष्टता आदि की जांच करना जरूरी समझा। क्योंकि जब कोई बच्चा कॉलेज में पहली बार स्कूल में होता था, तो वह बिना परीक्षा दिए ही एक क्लास से दूसरी क्लास में चला जाता था। लेकिन उसने एक साल में कितना अध्ययन किया, यह पता नहीं लगा सका कि उसने अपने पाठ्यक्रम के बारे में कितनी जानकारी हासिल की है। हेनरी फिशेल ने जो सबसे पहली परीक्षा शुरू की, वह छात्रों के सामान्य ज्ञान के बारे में जानने के लिए थी। हमारे देश में परीक्षा की खोज सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने की थी। उन्होंने 1948 में एक रिपोर्ट के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए परीक्षा प्रणाली की आवश्यकता पर जोर दिया था, जिससे उन्होंने एक समिति की स्थापना की। इसके बाद, इसे 'राधाकृष्णन समिति' कहा गया और इसका सुझाव भारत सरकार ने मान लिया, जिससे भारत में प्रथम परीक्षा प्रणाली की शुरुआत हुई। भारत की वर्तमान शिक्षा प्रणाली को परतंत्र काल की शिक्षा प्रणाली माना जाता है। यह ब्रिटिश शासन की देन मानी जाती है। इस प्रणाली को लॉर्ड मैकाले ने जन्म दिया था। इस प्रणाली की वजह से आज भी सफेद कॉलरों वाले लिपिक और बाबू ही पैदा हो रहे हैं। इसी शिक्षा प्रणाली की वजह से विद्यार्थियों का शारीरिक और आत्मिक विकास नहीं हो पाता है। हमारा भारत 15 अगस्त 1947 को आजाद हुआ था। हमारे कर्णधारों का ध्यान नई शिक्षा प्रणाली की तरफ गया क्योंकि ब्रिटिश शिक्षा प्रणाली हमारी शिक्षा प्रणाली के अनुकूल नहीं थी। आजादी के बाद शिक्षा प्रणाली में सुधार लाने के लिए अनेक समितियां बनाई गईं। देश में एक विशाल योजना बनाई गई जो तीन साल के भीतर 50 फीसदी शिक्षा का प्रसार कर सके। सैकेंडरी शिक्षा का निर्माण किया गया। बाद में बेसिक शिक्षा समिति बनाई गई जिसका उद्देश्य भारत में बेसिक शिक्षा का प्रसार करना था। अखिल भारतीय शिक्षा समिति की सिफारिश की वजह से बच्चों में बेसिक शिक्षा को अनिवार्य कर दिया गया था। शिक्षा के क्षेत्र में परिवर्तन लाने के लिए कोठारी आयोग की स्थापना की गई। इस आयोग ने राष्ट्रीय स्तर पर नई योजना लागू करने की सिफारिश की। इस योजना की चर्चा-परिचर्चा लंबे समय तक चली थी। देश के बहुत से राज्यों में इस प्रणाली को लागू किया गया था। इस प्रणाली से दस साल तक दसवीं कक्षा में सामान्य शिक्षा होगी। इसमें सभी विद्यार्थी एक जैसे विषयों का अध्ययन करेंगे। इस पाठ्यक्रम में दो भाषाएं, गणित, विज्ञान और सामाजिक पांच विषयों पर अध्ययन किया जाएगा। लेकिन विद्यार्थियों को शारीरिक शिक्षा से भी परिचित होना चाहिए। सातवीं की परीक्षा के बाद विद्यार्थी अलग-अलग विषयों पर अध्ययन करेंगे। अगर वो चाहें तो विज्ञान ले सकते हैं, कॉमर्स ले सकते हैं, और औद्योगिक कार्यों के लिए क्राफ्ट भी ले सकते हैं। लेकिन इस कवायद के वांछित परिणाम नहीं निकले। नई शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा प्रणाली को रोजगार को सामने रखकर बनाया गया है। हम लोग अक्सर देखते हैं कि लोग विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में भाग तो लेते हैं, लेकिन पढने में उनकी रुचि नहीं होती है। ऐसे लोग समाज में अनुशासनहीनता और अराजकता पैदा करते हैं। नई शिक्षा नीति से हमें यह लाभ होगा कि ऐसे विद्यार्थी दसवीं तक ही रह जाएंगे और वे महाविद्यालय में प्रवेश नहीं ले पाएंगे। जो विद्यार्थी योग्य होंगे, वे कॉलेजों में प्रवेश ले सकेंगे। दसवीं करने के बाद विद्यार्थी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेकर रोजगार प्राप्त कर सकेंगे। लेकिन अगर हमें नवीन शिक्षा प्रणाली को सफल बनाना है तो स्थान-स्थान पर डिप्लोमा पाठ्यक्रम खोलने पड़ेंगे जिससे दसवीं करने के बाद विद्यार्थी कॉलेजों की तरफ नहीं भागें। इससे शिक्षित लोगों की बेरोजगारी में कमी आएगी और शिक्षित लोगों का समाज में मान-सम्मान होगा। इस शिक्षा प्रणाली से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होगा और यह भविष्य के निर्माण के लिए भी सहायक होगी। इस प्रणाली को पूरी तरह से सफल बनाने का भार हमारे शिक्षकों पर है। हाल ही में हिमाचल प्रदेश में कम संख्या वाले शिक्षा संस्थानों को सीमित करने का फैसला बेहतर साबित होगा क्योंकि इससे फोकस बेहतर होगा। इसी कड़ी में भारत में पेपर लीक की समस्या महंगी और दोषपूर्ण परीक्षा प्रणाली का ही परिणाम है और इससे लोग महंगी पढ़ाई पर खर्च करने के बजाय प्रश्नपत्र खरीदने में लाभ देखते हैं। सरकारी कॉलेज बहुत कम शुल्क लेते हैं जिससे शिक्षा सुलभ हो जाती है। लेकिन वहीं निजी संस्थानों की फीस बहुत ज्यादा होती है, इसलिए छात्र चाहते हैं कि उन्हें लाखों रुपए की फीस देने के बजाय लीक हुआ पेपर ही मिल जाए। आखिर में यह कहना चाहूंगा कि हमें तय करना होगा कि छात्र सिर्फ परीक्षा के लिए ही नहीं, बल्कि अपने जीवन के लिए भी तैयार हों। मश्विरा है कि हर छात्र को मजबूत भविष्य बनाने के लिए कोई स्किल सीखना चाहिए, फिर चाहे वह किसी भी कोर्स से जुड़ा हो। याद रहे कि व्यावहारिक शिक्षा, व्यवस्थित सुधार एवं कौशल विकास के द्वारा ही युवाओं को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए तैयार किया जा सकता है। महात्मा गांधी जी ने शिक्षा के विषय में कहा था कि शिक्षा का अर्थ बच्चों में सारी शारीरिक, मानसिक और नैतिक शक्तियों का विकास करना होता है। शिक्षा, एकेडमी के दायरे से बढक़र होनी चाहिए, छात्रों को रोजगार क्षमता पर ध्यान देना चाहिए। हमें हर साल नए कौशल सीखने चाहिएं, फिर चाहे वह ड्राइविंग हो या कोई और चीज। सही कौशल पाने से आपकी रोजगार क्षमता बढ़ती है।

आप का नजरीया

आर्थिक पाठ्यक्रम के पाठ

फाइलें नोट करती रहीं काम के, लेकिन हुजूर चस्पां थे इत्मीनान से। हिमाचल में सबसे पहले और सबसे आगे अगर नवाचार हुआ, तो यह ट्रांसफर एडजस्टमेंट का नित नया पैंतरा रहा। तू डाल-डाल, मैं पात-पात के इस खेल में कर्मचारी राजनीति ने सचिवालय से सडक़ तक को गुमराह किया। यह एक भंवर है जहां प्रदेश का कर्म, राजनीति का भ्रम और राज्य का भविष्य बार-बार डूबा। यानी सरकारी नौकरी प्रदान करने में सत्ता जादूगर, कर्मचारी मालिक और राजनीति साम्राज्य बन गई। प्रदेश के संसाधन, उधार की परिक्रमा में ऐसे व्यय पर लट्टू रहे जो आज बजट की तासीर को कमजोर बनाता है। जहां पगार देने के लिए कर्ज लेना पड़ता हो, वहां यह इंतखाब घातक है, इसलिए अब प्रदेश को अपने ही बोझ से निजात चाहिए। सरकार की उदारता बहुत देखी और पिछले कई चुनावों से पूर्व सत्ता पक्ष ने बहलाने-फुसलाने या सियासी चमत्कार दिखाने की कोशिश में खजाने को पंगु बना दिया। बहरहाल कर्मचारी मसलों में क्रांतिकारी कदम चाहिए और यह हिम्मत दिखानी पड़ेगी, वरना यह प्रदेश अब अपने ही ढांचे के नीचे हड्डियां तुड़वा रहा है। अगर दो दर्जन कालेज और स्कूलों का एक सैंकड़ा हटाना या बंद करना पड़ रहा है, तो यह दौर खुद को समझाने और संभालने का है। जाहिर है सरकार को ये कदम लेने पड़ रहे हैं, वरना सियासी ढोल नगाड़े तो यही चाहते हैं कि बहते दरियाओं में किश्तियां बढ़ती रहें। बेशक आज हिमाचल जहां है, वहां विकास की मात्रात्मक पहचान ने नागरिक समाज को जागरूक किया। सामाजिक सुरक्षा के हर पहलू में घर-घर तक यह खत आया कि शिक्षा व चिकित्सा अब उनके नजदीक है, लेकिन विस्तार की यह परिभाषा अप्रासंगिक होने लगी तो तरक्की के विषय बदलेंगे, आगे बढने के पाठ्यक्रम बदलेंगे। एक पाठ्यक्रम शिक्षा ने दिया, लेकिन दूसरा अब हमारे आर्थिक संसाधन बना रहे हैं। आर्थिक संसाधनों का पाठ्यक्रम हमें विवश कर रहा है कि अब वास्तविकताओं को नजरअंदाज न करें। यह जवाबदेही मांग रहा है, वित्तीय कसौटियां भांप रहा है। फिजूलखर्चियों के चंगुल से बचा रहा है, तो सरकारी कार्यसंस्कृति में अनुशासन बढ़ाने की ताकीद कर रहा है। हिमाचल को अपने आर्थिक पाठ्यक्रम के पाठ बढ़ाते हुए हर विभाग के लक्ष्य तय करने होंगे। सरकारी क्षेत्र के हर कर्मचारी-अधिकारी के जज्बात अब वेतन-भत्तों की गणना नहीं, बल्कि दायित्व को औचित्यपूर्ण बनाना है। इसी परिप्रेक्ष्य में जिला से राज्य कैडर में परिवर्तित होने का अनुशासित पक्ष, प्रशंसनीय है। आर्थिक पाठ्यक्रम महज बजट का शीर्षासन नहीं, बल्कि कार्य संस्कृति के हर पल की गवाही है। अगर एचआरटीसी कैशलैस ट्रांजेक्शन से अपनी कार्य संस्कृति को सुधार रहा है, तो हर निगम की बचत में कर्मचारियों के हाथ-पांव फूलने चाहिएं। विभागीय दक्षता और कार्यप्रणाली की सफलता में ट्रांसफर का धोबीघाट होना चाहिए ताकि सनद रहे कि नौकरी सिर्फ अधिकार नहीं, दायित्व के जवाबदेही है। हिमाचल पर्यटन निगम की हर इकाई का दारोमदार उसे लाभकारी बनाने में होना चाहिए, न कि पर्चियों पर सरकारी नौकरी को सियासी सेवादार बनाने में प्रशस्त होना पड़े।

चीन का यंताई बंदरगाह बन रहा ऑटोमोबाइल निर्यात का प्रमुख केंद्र

बीजिंग

चाइना का शांदोंग प्रांत में स्थित यह पोर्ट अब दुनिया भर में कारों की आपूर्ति करने वाले प्रमुख ठिकानों में शामिल हो गया है। चीन का यंताई बंदरगाह तेजी से ऑटोमोबाइल निर्यात का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है।

यहां हर दिन सैकड़ों गाड़ियां जहाजों पर लोड की जाती हैं, जो यूरोप, दक्षिण अमेरिका और एशिया के विभिन्न देशों के लिए रवाना होती हैं। यह नजारा चीन की तेजी से बढ़ती ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री और इसके वैश्विक प्रभाव को दर्शाता है। चीन की ऑटोमोबाइल कंपनियां अब अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी मजबूत पकड़ बना रही हैं।

खासतौर पर इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में तेजी आने से चीनी निर्माताओं को भारी लाभ हो रहा है। यूरोप और दक्षिण अमेरिका के उपभोक्ता कम कीमत और बेहतर तकनीक के कारण चीन निर्मित कारों को प्राथमिकता दे रहे हैं। साथ ही, कई एशियाई देश भी इन वाहनों को तेजी से अपना रहे हैं, जिससे चीन का निर्यात लगातार बढ़ रहा है। यंताई बंदरगाह इस पूरे व्यापार को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इसकी गिनती चीन के सबसे व्यस्त कार्गो पोर्ट्स में होती है। यहां से बीवायडी, नियो, सैक मोटर्स जैसी प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनियां अपनी गाड़ियां दुनियाभर में भेजती हैं। अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और तेज लॉजिस्टिक्स सेवाएं इसे एक आदर्श निर्यात केंद्र बनाती हैं।

हाल ही में, इस पोर्ट की क्षमता बढ़ाने के लिए कई नई परियोजनाएं शुरू की गई हैं, जिससे भविष्य में और अधिक वाहनों का निर्यात संभव होगा। अगर मौजूदा गति से चीन की कार कंपनियां आगे बढ़ती रहीं, तो आने वाले वर्षों में वैश्विक ऑटोमोबाइल बाजार पर इनका दबदबा बढ़ सकता है। हालांकि, पश्चिमी देशों में चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर चिंताएं भी बढ़ रही हैं। यूरोप और अमेरिका की सरकारें अपनी घरेलू ऑटोमोबाइल कंपनियों की सुरक्षा के लिए नए नियम लागू कर सकती हैं, जिससे चीन के लिए चुनौतियां बढ़ सकती हैं।

न्यूज ब्रीफ

अब व्हाइट हाउस तय करेगा ट्रंप के दौरे में कितने पत्रकार होंगे

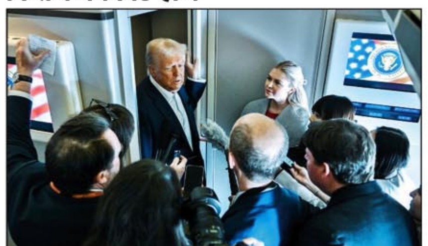

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस दशकों पुरानी परंपरा को तोड़ने जा रहा है।अब वह ही यह तय किया करेगा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के देश-विदेश के दौरे में कितने पत्रकार जाएंगे और कौन सवाल पूछेगा। इससे पहले व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन ही यह तय करता रहा है। खबर के अनुसार, व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन 111 साल पुराना संगठन है। वह लंबे समय से स्वयं ही यह निर्धारित करता रहा है कि कौन से पत्रकार राष्ट्रपति की दैनिक गतिविधियों में हिस्सा लेंगे। ट्रंप प्रशासन ने मंगलवार को कहा कि वह जल्द ही इसका चयन करेगा कि किन मीडिया आउटलेट्स को राष्ट्रपति प्रेस पूल में भाग लेने की अनुमति दी जाए। व्हाइट हाउस के इस फैसले पर कई वरिष्ठ पत्रकारों ने आश्चर्य व्यक्त किया है।

अफ्रीका में घातक वायरस का क्या है मामला जिसमें 50 से ज्यादा लोगों की हो गई मौत

कॉन्गो। इबोला और जीका जैसी जानलेवा बीमारियों के बाद अफ्रीका में एक नए घातक वायरस का आतंक फैल रहा है। कॉन्गो में इस वायरस के कारण कुछ ही दिनों में 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जिससे पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और डॉक्टरों के अनुसार, इस वायरस से संक्रमित लोगों की मौत सिर्फ 48 घंटों में हो रही है। यह स्थिति बेहद चिंताजनक है क्योंकि इससे स्वास्थ्य तंत्र पर भारी दबाव पड़ रहा है। कैसे फैला यह घातक वायरस - 21 जनवरी को कॉन्गो में पहला मामला सामने आया था, जिसके बाद से अब तक 419 लोग संक्रमित हो चुके हैं। - बोमेटे शहर में रहस्यमयी मौतों की संख्या बढ़ने पर सैंपल टेस्टिंग के लिए भेजे गए। - बोलोको शहर में यह वायरस पहली बार तब सामने आया, जब तीन बच्चों ने एक चमगादड़ को खाया। इसके तुरंत बाद उन्हें तेज बुखार हुआ और 48 घंटे के भीतर उनकी मौत हो गई। डब्ल्यूएचओ ने दी चेतावनी विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी दी है कि यह वायरस तेजी से फैल सकता है और वैश्विक महामारी का रूप ले सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, बीते कुछ वर्षों में अफ्रीका और एशिया में जानवरों से इंसानों तक वायरस पहुंचने के मामले तेजी से बढ़े हैं। स्वास्थ्य एजेंसियां इस वायरस की पहचान और रोकथाम के लिए प्रयास कर रही हैं, लेकिन अब तक इसका कोई ठोस इलाज सामने नहीं आया है। वैज्ञानिकों ने लोगों को सतर्क रहने और संक्रमण से बचने के लिए आवश्यक सावधानियाँ बरतने की सलाह दी है।

यूक्रेन जंग पर अमेरिका रूस के साथ, यूएन में पहली बार रूस की निंदा से इनकार, वोटिंग में भी साथ दिया

वॉशिंगटन। अमेरिका ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में यूक्रेनी प्रस्ताव के खिलाफ रूस के समर्थन में वोटिंग की। यूक्रेन ने रूस के साथ युद्ध को 3 साल पूरे होने पर में एक प्रस्ताव पेश किया था। इस प्रस्ताव में रूसी हमले की निंदा करने और यूक्रेन से तत्काल रूसी सेना को वापस बुलाने की मांग की गई थी। अमेरिका ने अपनी पुरानी नीतियों के उलट साथी यूरोपीय देशों के खिलाफ जाकर इस प्रस्ताव के विपक्ष में मतदान किया। जबसे रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध की शुरुआत हुई, तब से पहली बार अमेरिका और इजराइल ने यूक्रेन के खिलाफ वोट किया है। जबकि भारत और चीन समेत 65 देशों ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया। प्रस्ताव का समर्थन करने वालों में जर्मनी, ब्रिटेन और फ्रांस जैसे प्रमुख यूरोपीय देश शामिल हैं। यह प्रस्ताव 18 के मुकाबले 93 मतों से पारित हो गया। अमेरिकी प्रस्ताव में रूस का जिक्र तक नहीं अमेरिका ने भी यूएन में 3 पैराग्राफ का प्रस्ताव पेश किया। इसमें न तो रूसी हमले का जिक्र था और न ही किसी तरह की निंदा की। इसमें बस दोनों देशों में हुए जानमाल के नुकसान पर शोक जाहिर किया गया। अमेरिका ने कहा कि वो लड़ाई को जल्द खत्म करके यूक्रेन और रूस के बीच स्थायी शांति की अपील करता है। अमेरिकी डिप्लोमैट डोरोथी कैमिली शिया ने कहा कि इस तरह के प्रस्ताव युद्ध को रोकने में नाकाम रहे हैं। यह युद्ध अब बहुत लंबा खिंच चुका है।

अमेरिका-यूक्रेन समझौते पर सहमत, जेलेंस्की खनिज भंडार सौंपने तैयार, पुनर्निर्माण में सहयोग करेंगे ट्रंप

कीव

संयुक्त राज्य अमेरिका और यूक्रेन एक बड़े समझौते पर सहमत हो गए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की अमेरिका को देश का खनिज भंडार सौंपने को तैयार हो गए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसके बदले युद्ध से तबाह हुए यूक्रेन को पुनर्निर्माण में यथासंभव सहयोग करेंगे।

सूत्र के हवाले से यह खबर प्रसारित की है। इसमें कहा गया है कि समझौते के मसौदे से वह हर चीज हटा दी गई, जिस पर दोनों पक्षों में से किसी एक को भी आपत्ति हो सकती थी। हालांकि अभी तक अमेरिकी ने इसकी पुष्टि नहीं की है। हालांकि यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की आने वाले दिनों में वाशिंगटन की यात्रा कर सकते हैं। ऐसे संकेत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को खुद दिए। उन्होंने ओवल ऑफिस से कहा कि सुना है वह शुक्रवार को आ रहे हैं। जेलेंस्की का आना अच्छा रहेगा। हम दोनों मिलकर समझौते पर हस्ताक्षर करना चाहेंगे। वाकई अमेरिका के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। इससे पहले सोमवार को भी कहा गया था कि यूक्रेन एक ऐसे समझौते पर सहमत होने के लिए तैयार है जो पुनर्निर्माण निधि में अमेरिका की भागीदारी चाहता है। वह इसके बदले संयुक्त राज्य अमेरिका को अपने दुर्लभ खनिज भंडार का बड़ा हिस्सा सौंप सकता है। सूत्र ने कहा था कि अमेरिकी अधिकारियों ने समझौते के मसौदे में शामिल सुरक्षा गारंटी का विरोध किया था। बताया गया है कि ट्रंप प्रशासन ने यूक्रेन से पहले की सहायता के बदले उसके खनिजों में 500 बिलियन डॉलर की हिस्सेदारी मांगी थी। जेलेंस्की ने इसे अस्वीकार कर दिया था। उल्लेखनीय है कि यूक्रेन के पास दुनिया के लगभग पांच प्रतिशत महत्वपूर्ण खनजि हैं। इनमें 19 मिलियन टन से भी अधिक ग्रेफाइट के भंडार हैं। यूक्रेन ग्रेफाइट का उत्पादन करने वाले शीर्ष पांच देशों में है। ग्रेफाइट का उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी बनाने में किया जाता है। इसके अलावा यूरोप के सभी लिथियम भंडारों का एक तिहाई हिस्सा भी यूक्रेन में है। यह भी बैटरी में इस्तेमाल होता है। रूस के आक्रमण से पहले यूक्रेन वैश्विक स्तर पर 7 फीसद टाइटेनियम का उत्पादन करता था। यह हवाई जहाजों से लेकर बिजली संयंत्रों तक, विभिन्न प्रकार के उत्पादों के निर्माण में उपयोग की जाने वाली एक हल्की धातु है। यूक्रेन में दुर्लभ धातुओं के भी महत्वपूर्ण भंडार हैं। यह 17 तत्वों का एक समूह है। इनका उपयोग आधुनिक हथियारों, पवन टर्बाइनों, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य उत्पादों के उत्पादन में किया जाता है। हालांकि, कुछ खनिज भंडारों पर रूस ने कब्जा कर लिया है।

इंडोनेशिया में महसूस किए गए भूकंप के तेज झटके, तीव्रता 6.1, कोई हताहत नहीं हुआ

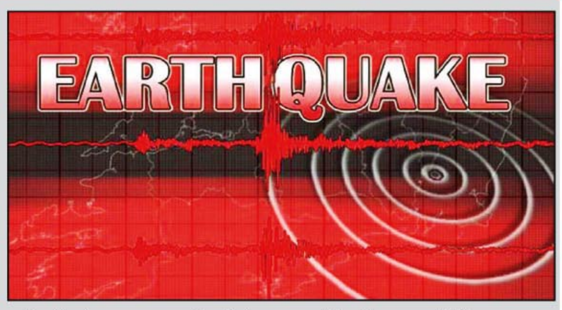

जकार्ता। इंडोनेशिया में बुधवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.1 मापी गई। यह भूकंप उत्तरी सुलावेसी प्रांत के पास समुद्र में आया और इसकी गहराई करीब 10 किलोमीटर थी। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के मुताबिक भूकंप सुबह 6:55 बजे (स्थानीय समय) आया। राहत कि बात यह है कि इंडोनेशियाई मौसम विज्ञान एजेंसी ने सुनामी की संभावना से इनकार किया है और अब तक किसी बड़े नुकसान या किसी के घायल होने की खबर नहीं है। इंडोनेशिया एक ऐसी जगह पर स्थित है जहां धरती की टेक्टोनिक प्लेटें मिलती हैं। इसे 'रिंग ऑफ फायर' कहा जाता है, जिससे यहां अक्सर भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोट होते रहते हैं। इसी कारण, यह इलाका भूकंपीय दृष्टि से बहुत संवेदनशील माना जाता है। पिछले वर्षों में, इस देश में कई खतरनाक भूकंप आ चुके हैं। जनवरी 2021 में, 6.2 तीव्रता के भूकंप से 100 से ज्यादा लोगों की मौत हुई और हजारों लोग बेघर हो गए थे। 2018 में, 7.5 तीव्रता के भूकंप और सुनामी ने 2,200 से ज्यादा लोगों की जान ले ली थी। वहीं, 2004 में आए 9.1 तीव्रता के भूकंप और सुनामी में 1,70,000 से अधिक लोग मारे गए थे। इंडोनेशियाई सरकार और राहत एजेंसियां हमेशा सतर्क रहती हैं और किसी भी आपदा से निपटने के लिए तैयार रहती हैं।

पाकिस्तान की हार के लिए पूर्व पीएम इमरान खान को जिम्मेदार ठहराया

कराची

हाल ही में भारत से पाकिस्तान को क्रिकेट मैच में बुरी तरह पटकनी दी है। इससे समूचे पाकिस्तान में हड़कंप मचा हुए है। यहां तक की पूर्व पीएम इमरान खान को भी इस हार के लिए जिम्मेदार बताया जा रहा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी पीसीबी के पूर्व चेयरमैन नजम सेठी ने अप्रत्यक्ष रूप से पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को पाकिस्तान क्रिकेट के पतन के लिए जिम्मेदार ठहराया है। पाकिस्तान की टीम की चौतरफा आलोचना आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर होने के बाद हो रही है।

पाकिस्तान की टीम को न्यूजीलैंड और भारत से हार के बाद टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता पकड़ना पड़ा है। इस पर नज सेठी ने कहा कि देश का राष्ट्रीय टीम के प्रदर्शन पर नाराज होना उचित है।

नजम सेठी ने एक्स पर लिखा, क्रिकेट बिरादरी का कहना है कि पाकिस्तान का स्तर बहुत नीचे गिर गया है। एक क्रिकेट टीम जो कभी टी20 (2018) और टेस्ट (2016) और एकदिवसीय (1990 और 1996) में नंबर एक थी, जिसने 1992 में विश्व कप और 2017 में चैंपियन्स ट्रॉफी जीती, उसकी तुलना जिंबाब्वे से कैसे की जा रही है सेठी के अनुसार टीम का पतन 2019 में शुरू हुआ जब एक नए प्रधानमंत्री/संरक्षक (उस समय इमरान खान प्रधानमंत्री थे और वह एहसान मनी को पीसीबी अध्यक्ष के रूप में लाए थे) के तहत एक नए प्रबंधन ने घरेलू क्रिकेट ढांचे को बदल दिया।

सेठी आगे लिखते हैं, राजनीतिक हस्तक्षेप जारी रहा, विरोधाभासी पीसीबी नीतियां नियम बन गईं- विदेशी कोचों को काम पर रखा गया और उन्हें फिर निकाल दिया गया, चयनकर्ताओं को मनमाने ढंग से नॉमिनेट किया गया, पुराने हटाए गए लोगों को सलाह देने और प्रबंधन करने के लिए भर्ती किया गया। आखिरकार खिलाड़ियों की ताकत, कप्तान के अहंकार का टकराव और टीम में गुटबाजी ने प्रबंधन की विफलता पर जीत हासिल कर ली। भयानक परिणाम हमारे सामने हैं।

कनाडा और मैक्सिको पर कब होगा 'टैरिफ वॉर', ट्रंप ने बताई तारीख

वाशिंगट। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले माह चीन, कनाडा और मैक्सिको पर 1 फरवरी से टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। ट्रंप ने कहा था कि मैक्सिको और कनाडा से आयातित वस्तुओं पर 25 प्रतिशत टैरिफ और चीन से आयात पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। ट्रंप के 'टैरिफ वॉर' में यह बड़ा फैसला था, लेकिन फिर 'टैरिफ वॉर' में ट्विस्ट आ गया था। ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको पर लगाए गए टैरिफ पर एक महीने की रोक लगा दी थी। इसके बाद दोनों देश इस रोक को आगे बढ़ाने की उम्मीद जता रहे थे, क्योंकि दोनों ही अमेरिका के पड़ोसी देश हैं। लेकिन अब ट्रंप ने मामले में बड़ा अपडेट दे दिया है। ट्रंप ने कहा, कनाडा और मैक्सिको पर हम तय समय पर टैरिफ लगाएंगे और इसमें कोई छूट नहीं मिलेगी।

हिंसा के बाद पलायन

हेती में गिरोहों के बीच हुई हिंसा को देखते हुए अपने घरों से भागते हुए डेलमास के लोग।

डायबिटीज के मरीजों के लिए सुरक्षित विकल्प बना स्टीविया

वाशिंगटन

डायबिटीज के मरीजों के लिए मीठे का स्वाद पूरी तरह छोड़ना आसान नहीं होता। ऐसे में स्टीविया एक बेहतरीन विकल्प बनकर उभरा है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे डायबिटीज रोगियों के लिए सुरक्षित और फायदेमंद मानते हैं। स्टीविया एक हर्बल स्वीटनर है, जो उत्तर और दक्षिण अमेरिका में पाए जाने वाले पौधे से प्राप्त होता है। भारत में इसे 'मीठी तुलसी' के नाम से भी जाना जाता है। इसकी पत्तियां चीनी से 50 से 300 गुना ज्यादा मीठी होती हैं, लेकिन इनमें कैलोरी न के बराबर होती है। स्टीविया में मौजूद स्टेविओल ग्लाइकोसाइड इसे अत्यधिक मीठा बनाते हैं, लेकिन यह शरीर में ग्लूकोज के स्तर को प्रभावित नहीं करता। यही कारण है कि यह मधुमेह रोगियों के लिए उपयुक्त विकल्प माना जाता है।2018 में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि स्टीविया के सेवन से 60 से 120 मिनट के भीतर ब्लड शुगर के स्तर में गिरावट देखी गई। यह प्रभाव इंसुलिन स्राव से पहले ही नजर आया। 2016 में किए गए एक अन्य शोध में यह स्पष्ट हुआ कि स्टीविया के सूखे पत्तों का पाउडर उपवास और भोजन के बाद ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद करता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि स्टीविया केवल ब्लड शुगर नियंत्रण में ही नहीं बल्कि अन्य स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान करता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुण शरीर को फ्री-रेडिकल्स से बचाने में मदद करते हैं। यह भूख को नियंत्रित करने के साथ-साथ मीठा खाने की इच्छा को भी कम करता है। शोध से यह भी सामने आया है कि स्टीविया ट्राइग्लिसराइड और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम कर सकता है, जिससे हृदय रोगों का खतरा कम हो सकता है। अमेरिका में फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने स्टेवियोल ग्लाइकोसाइड को 'जनरली रिकग्नाइज्ड एज सेफ' यानी जीआरएएस का दर्जा दिया है।

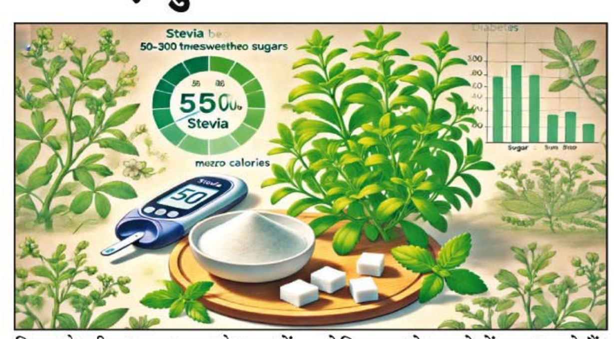

शिकागो एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला, पायलट की सूझबूझ से बची सैकड़ों जानें

शिकागो

अमेरिका के शिकागो इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक बड़ा विमान हादसा होते-होते टल गया। साउथवेस्ट एयरलाइंस का एक विमान जब लैंडिंग के लिए रनवे पर आ रहा था, तभी उसी रनवे पर एक जेट विमान टेक-ऑफ के लिए बढ़ रहा था। ऐन मौके पर पायलट की सूझबूझ से टकराव टल गया, और सैकड़ों यात्रियों की जान बच गई।

शिकागो एयरपोर्ट पर साउथवेस्ट एयरलाइंस के विमान के पायलट ने देखा कि रनवे पर पहले से एक जेट मौजूद है, उसने तेजी से लैंडिंग रोककर विमान को वापस आसमान में ऊपर उठा लिया। जब पायलट ने अचानक विमान को ऊपर उठाया, तो यात्रियों में हड़कंप मच गया। कई यात्रियों को पहले तो समझ ही नहीं आया कि क्या हो रहा है, लेकिन कुछ देर बाद जब उन्हें स्थिति का अंदाजा हुआ, तो उन्होंने पायलट की सूझबूझ की सराहना की। पायलट के इस निर्णय ने एक बड़ी दुर्घटना को रोक दिया।

साउथवेस्ट एयरलाइंस के प्रवक्ता ने कहा की फ्लाइट 2504 को सुरक्षित रूप से उतरी है। चालक दल ने एक अन्य विमान के रनवे पर आने के बाद संभावित टकराव से बचने के लिए सावधानी के तौर पर दोबारा उड़ान भरी। सभी सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन किया गया, और फ्लाइट बिना किसी घटना के लैंड हुई।

वायरल हुआ वीडियो

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि सुबह 9 बजे के करीब जब साउथवेस्ट का विमान रनवे के पास आ रहा था, तभी उसने अचानक टेक-ऑफ कर लिया। ठीक उसी समय एक छोटा जेट रनवे पार कर रहा था, जिससे संभावित दुर्घटना हो सकती थी। गौरतलब है कि हाल ही में अमेरिका में कई विमान दुर्घटनाएं घटी हैं । जिसमें 6 फरवरी को अलास्का में एक कम्यूटर प्लेन क्रैश हुआ, जिसमें सभी 10 लोगों की मौत हो गई थी। इसके अलावा 26 जनवरी को वाशिंगटन के रोनाल्ड रीगन नेशनल एयरपोर्ट पर एक आर्मी हेलीकॉप्टर और अमेरिकन एयरलाइंस की फ्लाइट में टक्कर हुई, जिससे 67 यात्रियों की मौत हुई थी। इस घटना के बाद अमेरिका में एयर ट्रैफिक कंट्रोल की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। रनवे पर दो विमानों की मौजूदगी कैसे हुई क्या एयर ट्रैफिक कंट्रोल की गलती से यह स्थिति बनी इस घटना की जांच जारी है।

उत्तराखंड के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व दो मंत्रियों ने लगाई संगम में डुबकी

प्रयागराज, (हि.स.)। उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री डा. धन सिंह रावत व गणेश जोशी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेन्द्र भट्ट ने महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर परिवार संग प्रयागराज संगम में पवित्र स्नान किया। साथ ही मां गंगा, यमुना और सरस्वती को नमन किया।उत्त-राखण्ड के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट ने कहा कि मां गंगा, यमुना तथा सरस्वती के मिलन स्थल प्रयागराज के इस अभूतपूर्व दृश्य की अखंड एकता ने सनातन धर्म में विश्वास रखने वालों में बासुदेव कुटुंबकम्‌ के हमारे सिद्धांत को अत्यधिक बल प्रदान किया है।यह महापर्व संपूर्ण भारत को एक आध्यात्मिक धागे में पिरोता है–जहां भाषा, क्षेत्र से ऊपर उठकर करोड़ों श्रद्धालु एक ही संकल्प में लीन होते हैं। मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि महाशिवरात्रि के दिन संगम में डुबकी लगाना अत्यंत पुण्यदायी है। यह केवल स्नान नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव है। संगम धर्म और संस्कृति का संगम स्थल है। महाकुंभ भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं का भव्य प्रतीक है, जो पूरे विश्व को शांति और आध्यात्मिक संदेश देता है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा की गई व्यवस्थाएं सराहनीय हैं, जिससे श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन और स्नान का अवसर मिल रहा है। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर संगम में उमड़े श्रद्धालुओं को देखकर मंत्री ने कहा कि यह भारत की सनातन संस्कृति की जीवंतता को दशार्ता है।

हर संस्थान में नवाचार और प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए मददगार होगा ड्रोन : राजदूत सुजान आर चिनॉय

कानपुर, (हि.स.)। यह ड्रोन प्रौद्योगिकी में भारत की रणनीतिक महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप है। दो दिवसीय विचार-विमर्श में ड्रोन क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए आवश्यक सरकारी और गैर-सरकारी संस्थाओं के बीच नीतिगत प्रोत्साहन और सहयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया। आईआईटी कानपुर के पास ड्रोन प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में खुद को स्थापित करने के लिए मानव संसाधन और बुनियादी ढांचा है। जो कानपुर डिफेंस कॉरिडोर तक पहुंच और स्टार्टअप्स नेटवर्क के साथ संस्थान इस क्षेत्र में नवाचार और प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए काफी अच्छी स्थिति में है। यह बातें बुधवार को राजदूत सुजान आर चिनॉय ने कही। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआ-ईटी कानपुर) के स्टार्टअप इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर (एस-।आईआईसी) ने मनोहर पर्रिकर इंस्ट-।ट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस (एमपी-आईडीएसए) के सहयोग से दो दिवसीय ड्रोन और स्वायत्त प्रणालियों पर क्षमता मूल्यांकन कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम में सरकारी संगठनों, सशस्त्र बलों, उद्योग और शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों से 44 प्रतिष्ठित उपस्थित लोगों ने भाग लिया, जिससे आईआईटी कानपुर की भारत के अग्रणी एकीकृत ड्रोन प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में स्थिति मजबूत हुई। उद्घाटन सत्र में कई जानी-मानी हस्तियां मौजूद रहीं। जिन्होंने भारत के ड्रोन तकनीक रोडमैप पर गहन चर्चा के लिए मंच तैयार किया। आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रो. मणीन्द्र अग्रवाल ने कहा कि भारत का लक्ष्य ड्रोन तकनीक का वैश्विक केंद्र बनना है, जिसके लिए सरकार का मजबूत समर्थन इस विजन को आगे बढ़ा रहा है। प्रमाणन परीक्षण और अनुसंधान एवं विकास इस लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। आईआईटी कानपुर के पास इन प्रयासों को सुविधाजनक बनाने के लिए बुनियादी ढांचा है, जिसमें एक हवाई पट्टी, उड़ान प्रयोगशाला और प्रोटोटाइपिंग सुविधाएं शामिल हैं। जो परिसर में ड्रोन डिजाइन और उत्पादन में मदद कर सकती हैं। आईआईटी कानपुर में पहले से ही कई ड्रोन डिजाइन और निर्मित किए जा चुके हैं, जिनमें से कुछ भारतीय सेना को सौंपे गए हैं और अन्य पाइपलाइन में हैं। हमारा दृढ़ विश्वास है कि इस तरह की चचाएँ भारत को ड्रोन तकनीक में अग्रणी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

जेपीएससी अध्यक्ष का पद खाली होने से कई प्रतियोगी परीक्षाएं हो रही हैं प्रभावित : अजय राय

रांची, (हि.स.)। झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राय ने झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) में अध्यक्ष पद सहित कई महत्वपूर्ण पदों के खाली होने पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इन पदों के रिक्त रहने से आयोग की कार्यक्षमता बाधित हो रही है, जिससे प्रतियोगी परीक्षाओं का संचालन प्रभावित हो रहा है और राज्य के युवाओं का भविष्य अधर में लटक रहा है। राय ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि जेपीएससी अध्यक्ष का पद खाली होने से कई प्रतियोगी परीक्षाएं प्रभावित हो रही हैं और कई परीक्षाओं का प्रकाशन नहीं हो पा रहा है। इससे राज्य के युवाओं का भविष्य अधर में लटक रहा है। उन्होंने कहा कि विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है, लेकिन सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं। यह राज्य के युवाओं के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है कि उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस मुद्दे को गंभीरता से लेना चाहिए और जल्द से जल्द जेपीएससी अध्यक्ष की नियुक्ति करनी चाहिए। साथ ही, आयोग के खाली पदों को भी भरना चाहिए ताकि आयोग की कार्यक्षमता में सुधार हो सके। उन्होंने सरकार से आग्रह किया है कि वह इस मुद्दे को प्राथमिकता में रखे और जल्द से जल्द जेपीएससी अध्यक्ष की नियुक्ति करे। साथ ही, आयोग के खाली पदों को भी भरे ताकि आयोग की कार्यक्षमता में सुधार हो सके। उन्होंने कहा कि झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन इस मुद्दे पर सरकार से जवाब चाहता है और आवश्यक कार्रवाई की मांग करता है। उन्होंने राज्य के युवाओं से भी अपील की है कि वे इस मुद्दे पर एकजुट हों और सरकार से जवाब मांगें।

बिहार की बदहाली और बेरोजगारी से है हमारी लड़ाई : मनोज कुमार झा

भागलपुर, (हि.स.)। भागलपुर के परिसदन में बुधवार को राजद के राष्ट्रीय प्रवक्ता सह राज्यसभा सदस्य प्रोफेसर मनोज कुमार झा एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि तेजस्वी यादव ने बार-बार कहा है मेरी लड़ाई भारतीय जनता पार्टी, जनता दल यूनाइटेड या फिर नए नबेले से नहीं बल्कि बिहार की बदहाली और बेरोजगारी से है। मनोज झा ने कहा कि हमें सत्ता परिवर्तन नहीं चाहिए हमें बिहार की व्यवस्था दुरुस्त चाहिए। उन्होंने कहा कि जातिगत समीकरण अतिआवश्यक है। लोगों को बिजली 200 यूनिट फ्री मिले। वेलफेयर के तहत वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन और विधवा पेंशन की राशि 400 रुपये से बढ़कर ज्यादा किया जाए। बेरोजगार छात्रों को आने जाने में सरकार सुविधा मुहैया कराए। स-रकार युवाओं के लिए नौकरी का जो वादा किया है उसे पूरा करे। क्योंकि हम लोगों ने एक रिकॉर्ड बनाया और युवाओं को चार लाख पचहत्तर हजार नौकरियां दी। वर्तमान सरकार से भी उम्मीद है कि आज की युवाओं को ज्यादा से ज्यादा नौकरी मिले। उन्होंने कहा कि जुमलेबाजी से कुछ नहीं होने वाला है तेजस्वी यादव यही चाहते हैं कि हमारा बिहार समृद्ध हो, यहां के युवा नौकरी में आए ना कि भारतीय जनता पार्टी, जनता दल यूनाइटेड या फिर नए नवेले से लड़ाई करना। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार 2022 में कहते थे कि भारतीय जनता पार्टी मुझे खा जाना चाहती थी। लेकिन अब मैं राजद में आकर ठीक हूं। उन्होंने कहा कि कहा कि नीतीश कुमार की अंतरात्मा जगती सोती रहती है। इधर-उधर इधर-उधर में नीतीश कुमार बिहार को किधर ले जा रहे हैं, यह पता नहीं?

शीघ्रता से करें जन समस्याओं का समाधान, बदमाशों को सिखाएं कानूनी सबक : मुख्यमंत्री

गोरखपुर, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विश्व के सबसे बड़े आयोजन प्रयागराज मह-।कुंभ के आखिरी स्नान पर्व (महाशिव रात्रि) पर आज तड़के से ही ऑनलाइन निगरानी करते रहे। साथ ही देवाधिदेव महादेव की आराधना के इस विशेष पर्व पर आनुष्ठानिक व्यस्तता के बावजूद उन्होंने बुधवार सुबह जनता दर्शन में आए लोगों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का समाधान शीघ्रता से किया जाए। आमजन को सताने, धमकाने और संपत्ति कब्जा करने वाले बदमाशों को कानूनी सबक सिखाया जाए। इसमें किसी भी तरह की शिथिलता या लापरवाही नहीं होनी चाहिए। हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतुष्टिपरक होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की हर पीड़ा का निवारण सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। जनता दर्शन में गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक सीएम योगी खुद पहुंचे। एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि सरकार किसी के साथ अन्याय नहीं होने देगी। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण का निर्देश देने के साथ मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने अधिकारियों को यह भी हिदायत दी कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

हर किसी को मिलेगी इलाज में मदद – मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए।

बच्चों से ठिठोली कर सीएम योगी ने दिया आशीर्वाद – मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन करने आए बच्चों पर खूब प्यार-दुलार बरसाया। उन्होंने इन बच्चों से खूब बातें की, हंसी-ठिठोली के बीच उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी ली और फिर चॉकलेट गिफ्ट करते हुए उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। सुबह सीएम योगी ने गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी की समाधि स्थल पर जाकर मत्था टेका। इसके बाद वह मंदिर परिसर का भ्रमण करने निकले। भ्रमण के दौरान योगी की नजर परिजनों के साथ आए बच्चों पर पड़ी तो उन्होंने सबको अपने पास बुला लिया। सभी बच्चों से उनका नाम पूछा, कहां से आए हैं और किस क्लास में पढ़ते हैं, इसकी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने बच्चों से बेहद आत्मीय तरीके से संवाद करने के साथ उनसे खूब हंसी ठिठोली भी की। सबको चॉकलेट गिफ्ट देकर और सबके माथे पर हाथ फेरकर प्यार-दुलार, आशीर्वाद दिया।

भारत के खनन भूमि में वानिकी से सुधार के प्रयासों पर हुई चर्चा

प्रयागराज, (हि.स.)। भारतवर्ष के खनन प्रभावित भूमि को वानिकी के माध्यम से सुधार हेतु प्रयासों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन हुआ। पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज एवं सतत भूमि प्रबंधन पर उत्कृष्टता केन्द्र (सीओई-एसएलएम) देहरादून के संयुक्त तत्वावधान में कोल इण्डिया लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों हेतु आयोजित किया गया।

प्रथम तकनीकी सत्र में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ.उमेश कुमार सिंह ने सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए भूमि क्षरण तटस्थता की भूमिका विषय पर व्याख्यान दिया। प्रशिक्षण कार्यशाला के प्रतिभागी प्रशिक्षुओं को न्यू कैंट, प्रयागराज के पर्यावरण प्रयोगात्मक एवं संरक्षण क्षेत्र में गंगा टास्क फोर्स द्वारा संचालित गतिविधियों का भ्रमण कराया गया। सीओई के वरिष्ठ वैज्ञानिक संजीव कुमार एवं गौरव मिश्रा ने वातार्लाप सत्र का संयोजन किया। द्वितीय तकनीकी सत्र में डॉ.दीपक लाल, प्रो शुआट्स के भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी केन्द्र ने भूमि क्षरण के आकलन और उसकी बहाली में भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) तथा रिमोट सेंसिंग की भूमिका से अवगत कराया। केन्द्र प्रमुख डॉ.संजय सिंह ने खनन क्षेत्रों का वनीकरण पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग के डॉ. पंकज श्रीवास्तव ने पारिस्थितिक बहाली एवं मृदा कार्बन संचयन अवस्था पर प्र-काश डाला। उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर से आए डॉ. अविनाश जैन ने मृदा स्वास्थ्य कार्ड की तैयारी और उपयोगह्ल पर व्याख्यान दिया।

आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा महाकुम्भ : प्रशांत कुमार

महाकुम्भनगर, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के शिव मंदिरों में भक्तों का पूरे दिन रेला लगा हुआ है। भक्त भगवान भोलेनाथ की पूजा–अर्चना कर रहें है। प्रयागराज महाकुम्भ महाशिवरात्रि के अन्तिम स्नान पर्व के साथ सम्पन्न हुआ। विश्व के सबसे बड़े सनातन धर्म के महापर्व में 45 दिनों में 65 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रयागराज के पावन त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई। यह बात बुधवार को प्रदेश के डीजीपी प्रशांत कुमार ने कहा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर हमने भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा और तकनीकों का एक अभूतपूर्व मॉडल पेश किया है। हमने भीड़ प्रबंधन और निगरानी के लिए विश्व स्तरीय तकनीकों और एआई का प्रयोग किया। सभी एजेंसियों से हमें जो सहयोग मिला, उससे हमें अभूतपूर्व तरीके से प्रदर्शन करने में मदद मिली। अयोध्या, वाराणसी और विंध्यवासिनी देवी जैसे धार्मिक स्थलों पर प्रयागराज के दर्शन करने के बाद पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ी। महाकुंभ बिना किसी बड़ी त्रासदी के संपन्न हो गया। हमने रेलवे के साथ मिलकर काम किया और हमें पूरा विश्वास था और जैसा कि मैंने पहले कहा, यह हमारे लिए चुनौती नहीं बल्कि अवसर है। हमारे कर्मियों ने 45 दिनों तक जमीन पर काम किया और उससे पहले दो महीने तक प्रशिक्षण लिया। हमने कई उदाहरण पेश किए जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेंगे। हमारी सुरक्षा व्यवस्था कुछ और दिनों तक बनी रहेगी जब तक कि हम अपने सभी उपकरण नष्ट नहीं कर देते। व्यक्तिगत रूप से, यह गर्व की बात है और एक अविस्मरणीय अनुभव है।"

आर्य समाज ने महाशिवरात्रि को ऋषिबोधोत्सव के रूप में मनाया

रांची, (हि.स.)। रांची अपर बाजार के श्रद्धानंद पथ स्थित आर्य समाज मंदिर में बुधवार को महाशिवरात्रि के पर्व को ऋषिबोधोत्सव के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आर्य समाज ने डीएवी विद्यालयों के शिक्षकों से मिलकर सामूहिक रूप से वैदिक विधि-विधान के अनुसार हवन किया। इससे पूरा वातावरण वैदिक मंत्रों और आस्था की ऊर्जा से गुंजायमान हो उठा। इसके बाद सभागार में महर्षि दयानंद सरस्वती के जीवन,उनके संघर्ष और वैदिक सिद्धांतों को दशार्ने वाले भजनों की प्रस्तुति दी गई। मौके पर श्रद्धालुओं ने महर्षि दयानंद सरस्वती के आदर्शों और उनके समाज सुधारक योगदान से लोगों को परिचित कराया। आर्य समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि महर्षि दयानंद सरस्वती ने समाज में व्याप्त अंधविश्वास,पाखंड और कुरीतियों के विरुद्ध संघर्ष किया और वैदिक ज्ञान के प्रचार-प्रसार का मार्ग प्रशस्त किया।इसलिए महाशिवरात्रि का पर्व आर्य समाज में केवल पारंपा-रक रूप से नहीं, बल्कि ऋषिबोधोत्सव के रूप में उनके योगदान को स्मरण करने के लिए मनाया जाता है। उपस्थित सभी सदस्यों ने महर्षि दयानंद के आदर्शों पर चलने और समाज में वैदिक मूल्यों को पुनः स्थापित करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर आर्य समाज संरक्षक एसएल गुप्ता, आर्य समाज के प्रधान राजेन्द्र आर्य, अजय आर्य, डीएवी पब्लिक स्कूल हेहल के प्राचार्य एसके मिश्रा सहित अन्य शामिल थे।

कुंभ से लौट रही राज्यसभा सांसद महुआ मांझी की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त, आर्किड में इलाजरत

लातेहार, (हि.स.)। सदर थाना क्षेत्र के होटवाग गांव के पास बुधवार की अहले सुबह एनएच 39 पर राज्यसभा सांसद महुआ माझी की कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस घटना में राज्यसभा सांसद के हाथ में गंभीर चोट आई है। उन्हें लातेहार में प्राथमिक इलाज करने के बाद बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर कर दिया गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद लातेहार थाना प्रभारी दुलड़ चौड़े तत्काल घटना स्थल पर पहुंचे और एंबुलेंस की मदद से उन्हें सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों के द्वारा प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें रिम्स रेफर कर दिया गया। हालांकि चिकित्सकों के अनुसार सांसद की स्थिति खतरे से बाहर है। इधर घटना के बाद पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार इस घटना में महुआ मांझी, उनके बेटे सोमबीत मांझी, बहू कृति श्रीवास्तव मांझी और चालक भूपेंद्र बासकी जख्मी हो गए। घटना के वक्त सांसद का परिवार महाकुंभ से स्नान कर लौट रहा था, और उनकी कार की टक्कर घटनास्थल पर खड़ी ट्रक से हो गई। बताया जा रहा है कि कार उनका बेटा चला रहा था।इसी दौरान नींद आने के कारण कार एक ट्रक में जाकर टकरा गई। इस दुर्घटना में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मिली जानकारी के अनुसार सांसद महुआ मांझी का हाथ फ्रैक्चर हो गया है। पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर त्वरित कार्रवाई की और 108 एम्बुलेंस के माध्यम से सभी जख्मियों को लातेहार सदर अस्पताल भेजा। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया और फिर बेहतर इलाज के लिए सभी को रांची के आर्किड अस्पताल रेफर कर दिया। फिलहाल सभी की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।

फेसबुक पर बिहार पुलिस के हुए दस लाख फॉलोवर्स

पटना, (हि.स.)। राज्य में कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए बिहार पुलिस लगातार काम कर रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए लोगों को लगातार जागरूक किया जाता है, ताकि कोई भी साइबर फ्रॉड के चंगुल में न फंसे। आमलोगों के बीच बिहार पुलिस की विश्वसनीयता का ही परिणाम है कि फेसबुक पर 1 मिलियन (दस लाख) फॉलोवर्स हो गए हैं। इस भरोसे के दम पर बिहार पुलिस का फेसबुक पेज अब 10 लाख लोगों का परिवार बन गया है। यही नहीं, अगर बाकी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को मिला दें, तो 17 लाख से ज्यादा लोग बिहार पुलिस के पेज को फॉलो करते हैं। फेसबुक पर बिहार पुलिस देश के अन्य राज्यों की पुलिस से काफी आगे दूसरे नम्बर पहुंच गई है, प्रथम स्थान पर सिर्फ केरला पुलिस है। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर कुल फॉलोवर्स की संख्या के मामले में बिहार पुलिस अब चौथे नंबर पर पहुंच चुकी है। कुल फॉलोवर्स के मामले में बिहार पुलिस से आगे अब सिर्फ उत्तर प्रदेश, केरला और महाराष्ट्र पुलिस है। पब्लिक से सीधे जुड़ाव के कारण ही बिहार पुलिस के फॉलोवर्स की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। दरअसल, बिहार

पुलिस मुख्यालय स्थित सोशल मीडिया सेंटर में चौबीसों घंटे काम कर रहे पुलिसकर्मी ससपेक्टेड अकाउंट पर भी नजर रखते हैं।

सोशल मीडिया पर किसी तरह की अफवाह फैलाने वाले, भ्रामक या उन्माद फैलाने वाले पोस्ट करने वाले, हथियार का प्रदर्शन करने वाले, किसी का वीडियो वायरल करने वाले या फिर फेक अकाउंट बनाने वालों पर चौबीसों घंटे नजर रखी जाती है। इस तरह की गतिविधियों से किसी भी तरह से समाज या लोगों को दिग्भ्रमित करने वालों के खिलाफ संबंधित अधिकारी या विभाग को पूरी जानकारी भेजी जाती है, ताकि समय पर ऐसे लोगों पर कार्रवाई की जा सके। इस कदम से सोशल मीडिया पर बिहार पुलिस के प्रति लोगों का विश्वास लगातार बढ़ता जा रहा है। सोशल मीडिया पर फॉलोवर्स की संख्या की बात करें तो बिहार पुलिस राज्य के किसी भी अन्य सरकारी विभाग से बहुत आगे है। पिछले साल राजस्थान पुलिस ने भी सोशल मीडिया सेंटर का विजिट कर यहां के कामकाज को समझने की कोशिश की थी कि कैसे सोशल मीडिया के जरिए पुलिसिंग को और बेहतर किया जा सकता है। सोशल मीडिया के जरिए साइबर फ्रॉड आजकल आमलोगों को अपना शिकार बनाते हैं। इससे बचने के लिए बिहार पुलिस लगातार लोगों को जागरूक कर रही है। डिजिटल अरेस्टिंग जैसे टर्म को यूज कर या इन्वेस्टमेंट के नाम पर लोगों से उनकी कमाई ठगी जाती है। इससे बचने का यही तरीका है कि आप जागरूक रहें और अपने करीबी व आसपास के लोगों को भी जागरूक करें। फोटो या वीडियो के जरिए आसान तरीके से बिहार पुलिस के पेज पर लोगों को जागरूक किया जाता है कि पुलिस या कोई भी अधिकारी फोन कॉल कर न तो पैसे की डिमांड करते हैं और न ही किसी तरह की धमकी देते हैं।

लोग जितना ज्यादा जागरूक होंगे, ऐसे फ्रॉड के जाल में उतना ही कम फँसेंगे। बिहार पुलिस की तरफ से लोगों से लगातार अपील की जाती है कि डिजिटल अरेस्टिंग जैसा कुछ होता नहीं है, यह बस लोगों के झांसे में लेकर उनके पैसे लूटने का एक जरिया है। न तो पुलिस के अफसर और न ही कोई अधिकारी फोन पर इस तरह की जानकारी या धमकी देते हैं, इसलिए लोगों को ऐसे कॉल पर विश्वास नहीं करना चाहिए।

कुछ लोकप्रिय कारों को वापस बुलाएगी मर्सिडीज

नई दिल्ली

लग्जरी कारें बनाने वाली कंपनी मर्सिडीज ने भारत में अपनी कुछ लोकप्रिय कारों को वापस बुलाने का फैसला किया है। इनमें ई-क्लास और सी-क्लास सेडान शामिल हैं, जिन्हें इंजन कंट्रोल यूनिट (ईसीयू) सॉफ्टवेयर की खराबी के चलते रिकॉल किया गया है।

इसके अलावा, जीएलसी, जी-क्लास एसयूवी, एस-क्लास, एएमजी जीटी और एएमजी ई 63 को भी एक अलग समस्या के कारण वापस बुलाया गया है। मर्सिडीज ने 29 अप्रैल 2022 से 20 अगस्त 2024 के बीच निर्मित 2,543 ई-क्लास मॉडल और 31 अगस्त 2021 से 31 अक्टूबर 2021 के बीच बनी 3 सी-क्लास मॉडल को वापस बुलाया है। कंपनी ने प्रभावित ग्राहकों को सलाह दी है कि वे जल्द से जल्द अपनी कारों को नजदीकी मर्सिडीज सर्विस सेंटर पर ले जाकर जांच करवाएं, ताकि किसी संभावित समस्या से बचा जा सके। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के अनुसार, इन कारों के ईसीयू सॉफ़्टवेयर में गड़बड़ी पाई गई है। यह खराबी पेट्रोल इंजन के ईंधन इंजेक्शन को निष्क्रिय कर सकती है, खासकर जब वाहन सेलिंग मोड से बाहर निकलता है। 'सेलिंग मोड' एक ऐसी विशेषता है जो एक्सीलेटर से पैर हटाने पर कार को अधिक स्वाभाविक रूप से आगे बढ़ने देती है, जिससे ईंधन की खपत कम होती है। हालांकि, सॉफ्टवेयर की इस गड़बड़ी के चलते ईंधन इंजेक्शन अचानक बंद हो सकता है, जिससे कार बिना किसी चेतावनी के कंट्रोल खो सकती है और दुर्घटना का खतरा बढ़ सकता है। मर्सिडीज-बेंज ने बयान जारी कर कहा है कि प्रभावित कारों के मालिकों को जल्द से जल्द सर्विस सेंटर पर जाकर जांच करवानी चाहिए। कंपनी इस समस्या को मुफ्त में ठीक करेगी, ताकि ग्राहकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मर्सिडीज की यह रिकॉल प्रक्रिया वैश्विक स्तर पर हो रही है, जिसमें भारत भी शामिल है। कंपनी ग्राहकों को व्यक्तिगत रूप से सूचित कर रही है और समस्या का समाधान जल्द से जल्द करने का प्रयास कर रही है। अगर आपकी मर्सिडीज ई-क्लास या सी-क्लास मॉडल उपरोक्त समयावधि में निर्मित हुई है, तो तुरंत नजदीकी अधिकृत सर्विस सेंटर पर जाकर चेकअप करवाएं।

न्यूज ब्रीफ

टीवीएस मोटर ने की नई टीवीएस रोनिन 2025 एडिशन लॉन्च

नई दिल्ली। बाइक निर्माता कंपनी टीवीएस मोटर ने नई टीवीएस रोनिन 2025 एडिशन को लॉन्च किया है।

कंपनी ने इसी बाइक की शुरुआती कीमत 1.59 लाख रुपये रखी है। इस बाइक में शक्तिशाली 225.9सीसी इंजन लगा है, जो 7,750 आरपीएम पर 20.4 पीएस और 3,750 आरपीएम पर 19.93 एनएम का टॉर्क देता है। रेट्रो लुक वाली यह मोटरसाइकिल अब दो नए कलर ग्लेशियर सिल्वर और चारकोल एम्बर में उपलब्ध होगा। नए रंगों के साथ, नई रोनिन डुअल चैनल एबीएस से लैस है।लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, टीवीएस मोटर कंपनी के हेड बिजनेस-प्रीमियम, विमल सुंबली ने कहा कि टीवीएस रोनिनने देश में आधुनिक-रेट्रो मोटरसाइकिलिंग को फिर से परिभाषित किया है। 2025 एडिशन के साथ, हम बेहतरीन रंगों के साथ-साथ बेहतर सुरक्षा सुविधाओं के साथ नए मॉडल लेकर आए हैं और अपने ग्राहकों के लिए इस नए मॉडल को लाने के लिए उत्साहित हैं। कंपनी का दावा है कि यह बाइक 40.77 किमी/लीटर तक का माइलेज देती है। बाइक में रेट्रो एस्थैटिक तो दिया ही है, साथ में कटिंग एज टेक्नोलॉजी और बेहतरीन राइडिंग का भी सपोर्ट मिलता है। दो नए कलर्स के साथ इस बाइक में इस बार डुअल चैनल एबीएस दिया गया है। मिड वेरिएंट में यह फीचर दिया गया है। टीवीएस रोनिम का सीधा मुकाबला रॉयल एनफील्ड हंटर 350 से है। हंटर 350 एक दमदार बाइक है।टीवीएस रोनिन का डिजाइन रेट्रो और मॉर्डन का मेल है। इसमें मस्कुलर गोल एलईडी हेडलैंप, टी-आकार का एलईडी डीआरएल, स्लीक टेल सेक्शन और बड़ा, स्कल्प्टेड फ्यूल टैंक दिया गया है। यह 5-स्पीड गियरबॉक्स के साथ आता है, जिसमें असिस्ट और स्लिपर क्लच शामिल है।

गेनबिटकॉइन मामले में 60 जगहों पर सीबीआई छापा, क्रिप्टो के नाम पर 6600 करोड़ की गडबड़ी के आरोप

नई दिल्ली। सीबीआई ने 6,600 करोड़ रुपये के गेनबिटकॉइन क्रिप्टोकरेंसी घोटाले की जांच के तहत मंगलवार को देश भर में 60 जगहों पर एक साथ छापेमारी की। जांच एजेंसी ने एक बयान बताया कि दिल्ली एनसीआर, पुणे, चंडीगढ़, नांदेड़, कोल्हापुर और बेंगलुरु सहित कई शहरों में छापेमारी की गई, इस दौरान कथित तौर पर प्रमुख आरोपियों से जुड़े परिसरों की तलाशी ली गई। कैसे की गई क्रिप्टोकरेंसी के नाम पर गड़बड़ी अधिकारियों ने बताया कि सहित कई अन्य प्लेटफार्म्स के जरिए किए गए इस पोंजी घोटाले की कथित तौर पर अमित भारद्वाज (अब दिवंगत) और उसके भाई अजय भारद्वाज ने साजिश रची थी। उन्होंने बताया कि 2015 में शुरू किया गया यह अवैध कारोबार वेरिएबलटेक प्राइवेट लिमिटेड के नाम से चल रहा था। केंद्रीय एजेंसी ने कहा कि इस योजना के तहत निवेशकों को 18 महीने की अवधि में बिटकॉइन पर प्रति माह 10 प्रतिशत का असाधारण रिटर्न देने का लालच दिया गया और उन्हें बाहरी एक्सचेंजों से डिजिटल मुद्रा खरीदने और क्लाउड माइनिंग अनुबंधों के माध्यम से इसे गेन बिटकॉइन में जमा करने के लिए कहा गया। प्रवक्ता ने कहा, यह मॉडल बहु-स्तरीय विपणन (एमएलएम) के आधार पर काम कर रहा था, जो सामान्यतः पिरामिड जैसी पोंजी योजनाओं से जुड़ा होता है, जहां भुगतान नए निवेशकों को जोड़ने पर निर्भर होता है।

सोयाबीन के दामों में ऐतिहासिक गिरावट; सोपा ने नेफेड की नीलामी रोकने की उठाई मांग

इन्दौर। देशभर के सोयाबीन किसान इन दिनों गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं, क्योंकि बाजार में सोयाबीन की कीमतें न्यूनतम समर्थन मूल्य से काफी नीचे पहुंच गई हैं। सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने इस गंभीर स्थिति पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का ध्यान आकर्षित करते हुए त्वरित हस्तक्षेप की मांग की है। सोपा के चेयरमेन डॉ. डेविश जैन द्वारा भेजे गए पत्र में बताया गया है कि वर्तमान में सोयाबीन की कीमतें महज 3900 से 4100 रुपये प्रति क्विंटल पर सिमट गई हैं, जबकि सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य 4892 रुपये प्रति क्विंटल है। किसानों को इस भारी नुकसान से उबारने के लिए सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया ने सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग की है।

दिसंबर तिमाही में औसतन 10% बढ़े घरों के दाम दिल्ली-एनसीआर में सर्वाधिक 31% की वृद्धि

नई दिल्ली

मजबूत मांग और कच्चे माल की उच्च लागत के कारण देश के आठ प्रमुख शहरों में दिसंबर, 2024 तिमाही में घरों के दाम सालाना आधार पर औसतन 10 फीसदी बढ़े हैं। दिल्ली-एनसीआर में कीमतें सबसे ज्यादा 31 फीसदी बढ़ी हैं। रियल एस्टेट निकाय क्रेडाई, सलाहकार फर्म कोलियर्स और डाटा विश्लेषक लियासेस फोरास की मंगलवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि दिलचस्प बात है कि 2021 से शुरू होकर लगातार 16वीं तिमाही में मकानों की औसत कीमतें बढ़ रही हैं।

क्रेडाई के राष्ट्रीय अध्यक्ष बोमन ईरानी ने कहा, आवासीय कीमतों में निरंतर वृद्धि खरीदारों के बीच मजबूत आत्मविश्वास को दर्शाती है। हालांकि, निर्माण और भूमि अधिग्रहण की बढ़ती लागत मूल्य निर्धारण पर दबाव बना रही है।

कर्ज दरें घटने से बिक्री में उछाल संभव - कोलियर्स इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बादल याग्निक ने कहा, आरबीआई के रेपो दर में कटौती के बाद से होम लोन की ब्याज दरों और कमी की गुंजाइश है।इससे अधिकतर शहरों में सभी श्रेणियों में आवासीय बिक्री बढ़ने की उम्मीद है। 2025 में औसत आवासीय कीमतें सालाना आधार पर संभावित रूप से समान स्तर पर बढ़ सकती हैं।

इन शहरों में भी तेजी - दिल्ली-एनसीआर में आवासीय कीमतें बढ़कर 11,993 रुपये प्रति वर्गफीट पहुंच गईं।इसके बाद बंगलूरू में दाम दिसंबर तिमाही में 23 फीसदी बढ़कर 12,238 रुपये प्रति वर्गफीट पहुंच गए। अहमदाबाद में दाम औसतन 15 फीसदी बढ़े हैं। पुणे में 9 फीसदी व चेन्नई में 6 फीसदी की वृद्धि। मुंबईमहानगर क्षेत्र में मकानों की औसत कीमतें दिसंबर तिमाही के दौरान सालाना आधार पर तीन फीसदी, हैदराबाद में दो फीसदी और कोलकाता में एक फीसदी बढ़ी हैं।

चिटफंड घोटाला: पीड़ितों को पैसा लौटाएगी सरकार, ईडी ने जब्त की 3339 करोड़ की संपत्तियां, 32 लाख लोगों को राहत

नई दिल्ली। एग्री गोल्ड ग्रुप ऑफ कंपनीज की पोंजी योजनाओं में अपनी गाढ़ी कमाई गंवाने वाले पीड़ितों के लिए राहत की खबर है। सरकार उन्हें उनकी रकम लौटाएगी। इसके लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एग्री गोल्ड ग्रुप ऑफ कंपनीज की 3,339 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। इन संपत्तियों का बाजार मूल्य 6,000 करोड़ रुपये से अधिक बताया जा रहा है। इससे साफ है कि जितनी राशि का चिटफंड घोटाला था, करीब उतनी राशि की संपत्ति ईडी ने जब्त कर ली है। इस कार्रवाई से करीब 32 लाख पीड़ितों को राहत मिलने की उम्मीद है। ईडी के मुताबिक, मामले में आरोपियों ने आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र व तमिलनाडु सहित नौ राज्यों में 6,380 करोड़ रुपये के चिटफंड घोटाले को अंजाम दिया था। इसमें लोगों को निवेश के बदले कई गुना अधिक रकम देने का झांसा देकर फंसाया जा रहा था। 150 शैल कंपनियों के जरिये करोड़ों का लेनदेन ईडी का कहना है, चिटफंड घोटाले में एग्री गोल्ड ग्रुप के अववा वेंकट रामा राव के परिवार के कई सदस्यों की भूमिका संदिग्ध है। शुरुआती जांच में उसके सातों भाइयों के नाम घोटाले से जुड़ रहे थे। जांच में पता चला है कि एग्री गोल्ड ग्रुप ने चिटफंड घोटाले को अंजाम देने से पहले करीब 150 से ज्यादा शैल कंपनियां बनाईं और उनके जरिये करोड़ों रुपये का लेनदेन किया।

आईक्यू नियो 10आर की कीमत और फीचर्स को लेकर अटकलें तेज

नई दिल्ली

आईक्यू नियो 10आर भारतीय बाजार में 10 मार्च को लॉन्च किया जाएगा। इस खबर की आईक्यू इंडिया के सीईओ निपुन मार्या ने पुष्टि कर दी । लॉन्च डेट कंफर्म होने के साथ ही इसकी संभावित कीमत और फीचर्स को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं।

आईक्यू नियो 10आर लॉन्च के बाद अमेजन इंडिया औरआईक्यू की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध होगा। इच्छुक ग्राहक इस इवेंट को एक्स (पूर्व में ट्विटर), फेसबुक और यूट्यूब पर लाइव देख सकते हैं। टिप्सटर्स के अनुसार, 12 जीबी रैम और 256जीबी स्टोरेज वाले वेरिएंट की कीमत लगभग रुपए 35,999 हो सकती है, जबकि बैंक और एक्सचेंज ऑफर्स के साथ इसकी कीमत रुपए 30,000 तक आ सकती है। फोन में स्नैपड्रेगन 8एस जेन 3 चिपसेट होगा, जो इसे गेमिंग और मल्टीटास्किंग के लिए बेहतरीन विकल्प बना सकता है। यह प्रोसेसर रियलमी जीटी 6, शाओमी 14 सीवी और पोको एफ6 जैसे फ्लैगशिप फोनों में भी देखा गया है। इसके अलावा, फोन में 1.5के ओलेड डिस्प्ले होगा, जिसका रिफ्रेश रेट 144एचझेड होगा, जिससे गेमिंग और स्क्रॉलिंग का अनुभव बेहद स्मूथ होगा।

कैमरे की बात करें तो इसमें ओआईएस के साथ 50एमपी का प्राइमरी कैमरा और 8एमपी का अल्ट्रा-वाइड लेंस होगा। बैटरी की क्षमता 6,400 एमएएच बताई जा रही है, जो 80वॉट की फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगी। आईक्यू द्वारा जारी टीजर में फोन का ब्लू वेरिएंट नजर आया है, जिसमें डुअल-टोन रियर पैनल देखा जा सकता है। शानदार डिजाइन, दमदार प्रोसेसर और बेहतरीन बैटरी बैकअप के साथ यह फोन गेमिंग और हाई-परफॉर्मेंस यूजर्स के लिए एक बढ़िया विकल्प साबित हो सकता है।

चाय प्वाइंट कारोबार बढ़ाने के लिए आईपीओ लाने की तैयारी में

लोकप्रिय चाय कैफे चेन चाय प्वाइंट अपने इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) लाने की तैयारी कर रही है। कंपनी के को-फाउंडर तरुण खन्ना ने कहा कि कंपनी की 2026 के मध्य तक शेयर बाजार में लिस्ट होने की योजना है। चाय प्वाइंट ने हाल ही में प्रयागराज में महाकुंभ मेले के दौरान काफी लोकप्रियता हासिल की और कई मुख्य दिनों पर इसकी दुकानों से एक दिन में एक लाख कप चाय तक बेची गई। चाय प्वाइंट के गठन का विचार 2009 में खन्ना को अपने छात्र अमूलीक सिंह बिजराल के साथ मुंबई के एक कैफे में गर्म चाय की चुस्की लेते समय आया था। हार्वर्ड विश्वविद्यालय में प्रोफेसर खन्ना ने कहा, 'सड़क के किनारे एक छोटा लड़का ग्राहकों को प्लास्टिक के कप में चाय बेच रहा था। ऐसे 'छोटू' (अक्सर चाय की टपरी पर काम करने वाले कम उम्र के लड़कों को लोग यही कहकर संबोधित करते हैं) जैसा कि उन्हें कहा जाता है, लाखों लोगों को काफी खराब प्लास्टिक के कप में चाय देते हैं और स्वच्छता भी कोई खास नहीं होती। तभी विचार आया कि हम स्वच्छ तरीकों से सस्ती कीमत पर प्रामाणिक, स्वादिष्ट और उच्च गुणवत्ता वाली चाय लोगों तक क्यों नहीं पहुंचा सकते और साथ ही छोटू को रोजगार भी दे सकते हैं।''

ओप्पो और मोटोरोला के हैंडसेट पर मिल रही भारी छूट

नई दिल्ली

फ्लिपकार्ट पर चल रही मंथ एंड सेल में आप बेस्ट डील्स के साथ नया स्मार्टफोन खरीद सकते हैं। हम बात कर रहे हैं ओप्पो फाइंड एक्स 8 प्रो और मोटोरोला एज 50 अल्ट्रा 5जी पर दिए जा रहे ऑफर की। 28 फरवरी तक चलने वाली सेल में आप ओप्पो के फोन को 9999 रुपये और मोटोरोला के हैंडसेट को 5500 रुपये तक की छूट के साथ खरीद सकते हैं। इन फोन पर तगड़ा कैशबैक और एक्सचेंज बोनस भी दिया जा रहा है। ध्यान रहे कि एक्सचेंज बोनस में मिलने वाला डिस्काउंट आपके पुराने फोन की कंडीशन, ब्रैंड और कंपनी की एक्सचेंज पॉलिसी पर निर्भर करेगा। 16जीबी रैम और 512जीबी के इंटरनल स्टोरेज वाले इस फोन की कीमत 99,999 रुपये है। 28 फरवरी तक चलने वाली सेल में आप इस फोन को 9999 रुपये तक की छूट के साथ खरीद सकते हैं। फ्लिपकार्ट ऐक्सिस बैंक के कार्ड से पेमेंट करने वाले यूजर्स को 5 पर्सेंट का कैशबैक मिलेगा। एक्सचेंज ऑफर में आप इस फोन की कीमत को 43150 रुपये तक कम कर सकते हैं। फीचर्स की बात करें, तो इस फोन में आपको 6.78 इंच का फुल एचडी प्लस अमोलेड डिस्प्ले देखने को मिलेगा। फोन के रियर में 50 मेगापिक्सल के चार कैमरे दिए गए हैं। इसका सेल्फी कैमरा 32 मेगापिक्सल का है। यह फोन डाइमेंसिटी 8400 प्रोसेसर से लैस है।

इसकी बैटरी 5910एमएएच की है, जो 80 वॉट की फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। यह फोन 6.7 इंच के डिस्प्ले से लैस है। फोन के रियर में 50 मेगापिक्सल के दो कैमरे के साथ एक 64 मेगापिक्सल का कैमरा दिया गया है। इसका सेल्फी कैमरा 50 मेगापिक्सल का है। फोन की बैटरी 4500 एमएएच की है। प्रोसेसर के तौर पर इस फोन में स्नैपड्रैगन 8एस जेन 3 दिया गया है।12जीबी रैम और 512जीबी के इंटरनल स्टोरेज वाला यह फोन फ्लिपकार्ट की मंथ एंड सेल में 49,999 रुपये का मिल रहा है। बैंक ऑफर में आप इसे 5500 रुपये तक की छूट के साथ खरीद सकते हैं। फ्लिपकार्ट ऐक्सिस बैंक के कार्ड से पेमेंट करने वाले यूजर्स को 5 पर्सेंट का कैशबैक मिलेगा। एक्सचेंज ऑफर में आप इस फोन की कीमत को 31,200 रुपये तक कम कर सकते हैं।

एयरटेल ने 5जी के विस्तार के लिए एरिक्सन की 5जी कोर तकनीक के साथ साझेदारी की

नए समझौते में पैकेट कोर, सिग्नलिंग, चार्जिंग और पॉलिसी सॉल्यूशन शामिल

नई दिल्ली

भारती एयरटेल और एरिक्सन ने अपने लंबे समय से चले आ रहे सहयोग को एक नए स्तर पर पहुँचाते हुए एक नई साझेदारी की घोषणा की है। इसके तहत, एरिक्सन के सुरक्षित और बेहतरीन प्रदर्शन वाले 5जी कोर नेटवर्क सोल्यूशन को लागू किया जाएगा, जिससे एयरटेल के लाखों ग्राहकों और व्यवसायों को पूरे भारत में लाभ मिलेगा।

यह सहयोग एयरटेल को समय के साथ पूरी तरह से व्यावसायिक रूप से सक्रिय, बड़े पैमाने पर 5जी स्टैंडअलोन नेटवर्क में विकसित होने में मदद करेगा, ताकि ग्राहकों को 5जी की उन्नत क्षमताओं का लाभ मिल सके।

भारती एयरटेल के सी टी ओ, रणदीप सेखों ने कहा कि, एरिक्सन के साथ एयरटेल की लंबे समय से चली आ रही साझेदारी एक रोमांचक नए दौर में प्रवेश कर रही है, जो एयरटेल के 5जी स्टैंडअलोन में बदलाव के लिए एरिक्सन के 5जी कोर सोल्यूशन के साथ शुरू हो रहा है। यह रोलआउट एयरटेल की लंबे समय तक चलने वाली 5जी रणनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, इससे नेटवर्क के साथ ही ग्राहकों को नई, विशिष्ट सेवाएँ देने की क्षमता भी बढ़ेगी।

एरिक्सन के दक्षिणपूर्व एशिया, ओशनिया और भारत बाजार क्षेत्र के प्रमुख आंद्रेस विसेंते कहते हैं: वैश्विक रूप से एक अग्रणी 5जी सेवा प्रदाता के रूप में, एरिक्सन भारती एयरटेल को अपनी सबसे नए पटेक्नोलॉजी सोल्यूशन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। यह भारती एयरटेल के नेटवर्क को 5जी स्टैंडअलोन के लिए तैयार करने और भविष्य के लिए सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एरिक्सन का डुअल मोड वाला 5जी कोर नेटवर्क स्लाइसिंग आधारित सेवाओं और नेटवर्क एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस के माध्यम से राजस्व बढ़ाने में मदद करता है, जिससे उपभोक्ताओं और व्यवसायों के लिए नए इनोवेटिव उदाहरण प्रस्तुत होते हैं।

इस समझौते के तहत, एरिक्सन अपने सिग्नलिंग कंट्रोलिंग सॉल्यूशन को भारती एयरटेल के नेटवर्क में जोड़ेगा। साथ ही, 5जी स्टैंडअलोन चार्जिंग में सक्षम पॉलिसी सॉल्यूशन भी पेश किए जाएँगे। यह नई क्षमताएँ भारती एयरटेल की 5जी राजस्व बढ़ाने की रणनीति को म ाबूती देंगी, जिससे नए व्यावसायिक मॉडल विकसित करने का रास्ता खुलेगा। एरिक्सन, भारती एयरटेल का एक पुराना कनेक्टिविटी साझेदार है और दोनों के बीच 25 से अधिक वर्षों से घनिष्ठ संबंध हैं। इस दौरान मोबाइल संचार की हर पीढ़ी में साथ काम किया गया है, जिसमें भारती एयरटेल के भारत में पहले 5जी अनुबंध का पुरस्कार भी शामिल है।

मुनव्वर फारूकी का शो हफ्ता वसूली मुश्किल में

मुंबई (ईएमएस)। मशहूर कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी का शो हफ्ता वसूली मुश्किलों से घिर गया हैं। कॉमेडियन मुनव्वर के खिलाफ भी शिकायत दर्ज हुई है। उन पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और अश्लीलता फैलाने का आरोप है। वकील अमिता सचदेव ने दिल्ली पुलिस को ईमेल भेजकर मुनव्वर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। उनका कहना है कि मुनव्वर ने अपने शो में अश्लीलता फैलाई है और धार्मिक भावनाओं को आहत किया है। साथ ही, सांस्कृतिक मूल्यों का भी उल्लंघन किया है।अमिता सचदेव ने शिकायत की कॉपी सोशल मीडिया पर भी शेयर की है। उन्होंने लिखा है कि हफ्ता वसूली, जो जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम हुआ था, उसमें मुनव्वर ने कई धर्मों का अपमान किया है और युवा पीढ़ी पर बुरा असर डालने वाली बातें कही हैं। अमिता ने आगे लिखा है कि अगर इस मामले में कोई कार्यवाही नहीं हुई तो वो अदालत का दरवाजा खटखटाएंगी। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब मुनव्वर विवादों में घिरे हैं। पिछले साल भी एक कॉमेडी शो के दौरान उन्होंने कोंकणी समाज पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिसके बाद उन्हें माफी मांगनी पड़ी थी।

हेरा फेरी की तीसरी कड़ी का फैंस को बेसब्री से इंतजार

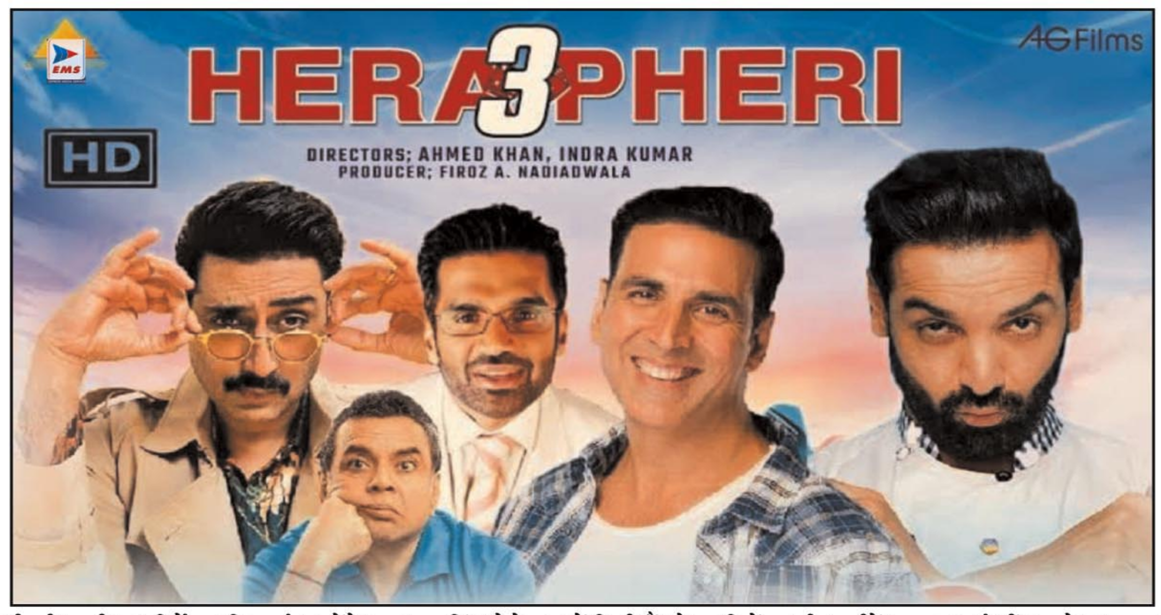

मुंबई (ईएमएस)। फैंस को कॉमेडी फ्रेंचाइजी ह्यहेरा फेरीह्ल की तीसरी कड़ी का बेसब्री से इंतजार है। बालीवुड एक्टर अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल की तिकड़ी वाली इस फिल्म के बनने को लेकर पिछले कुछ सालों से अटकलें लगाई जा रही थीं। पूर्व में कहा जा रहा था कि अक्षय कुमार इस फिल्म का हिस्सा नहीं होंगे और उनकी जगह कार्तिक आर्यन को कास्ट किया गया था। लेकिन अब परेश रावल ने इस फिल्म को लेकर बड़ा खुलासा किया है। हाल ही में परेश रावल ने एक इंटरव्यू में बताया कि हेरा फेरी 3 में पहले कार्तिक आर्यन की कास्टिंग हो चुकी थी, लेकिन उस समय फिल्म की कहानी बिल्कुल अलग थी। उन्होंने कहा कि कार्तिक का किरदार राजू (अक्षय कुमार) द्वारा फिल्म में लाया जाता, यानी वे पूरी तरह से नया किर-दार निभाने वाले थे। हालांकि, बाद में जब फिल्म की स्क्रिप्ट बदली गई, तो अक्षय कुमार को फिर से मुख्य भूमिका में रखा गया और कार्तिक आर्यन अब इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। परेश रावल ने यह भी कन्फर्म किया कि फिल्म को प्रियदर्शन डायरेक्ट कर रहे हैं। इससे पहले हेरा फेरी और फिर हेरा फेरी को अलग-अलग निर्देशकों ने बनाया था, लेकिन अब तीसरी कड़ी का निर्देशन प्रियदर्शन करेंगे। गौरतलब है कि प्रियदर्शन ने पहली हेरा फेरी का निर्देशन किया था, जो आज भी बॉलीवुड की सबसे बेहतरीन कॉमेडी फिल्मों में से एक मानी जाती है। इस बीच अक्षय कुमार अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स में बिजी हैं। वे इन दिनों प्रियदर्शन की ही एक और फिल्म भूल बंगला की शूटिंग कर रहे हैं, जिसमें परेश रावल भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। कुछ दिनों पहले इस फिल्म के सेट से अक्षय और परेश की तस्वीरें वायरल हुई थीं। इसके अलावा अक्षय कुमार के पास हाउसफुल 5, वेलकम टू द जंगल और जॉली एलएलबी 3 जैसी बड़ी फिल्में भी हैं, जो एक के बाद एक रिलीज होंगी।

आर्टिकल 370 के एक साल हुए पूरा, एक्ट्रेस ने शेयर की यादें

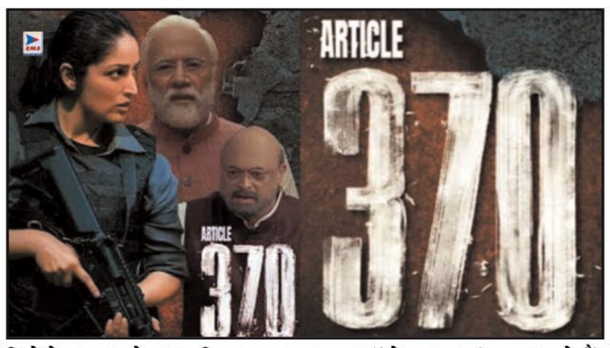

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड की फिल्म आर्टिकल 370 को रिलीज हुए एक साल पूरा हो गया है। बॉलीवुड एक्ट्रेस यामी गौतम इस मौके पर सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़ी अपनी यादें साझा कीं। एक्ट्रेस ने बताया कि यह सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि एक महत्वपूर्ण कहानी है, जिसे दुनिया के सामने आना जरूरी था। यामी गौतम ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म की कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वह हाथ में गन लिए नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, ह्लशायद ही कोई फिल्म इतनी दमदार, अविश्वसनीय और वास्तविक कहानी लेकर आती है। आर्टिकल 370 का हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक ऐसी कहानी है जिसे सामने लाना चाहिए था और मैं इसमें भूमिका निभाकर गर्व महसूस कर रही हूं। यह एक ऐसी फिल्म है, जिसे देश याद रखेगा। आदित्य सुहास जंभाले के निर्देशन में बनी इस एक्शन-थ्रिलर फिल्म में यामी गौतम के अलावा प्रियामणि, स्कंद ठाकुर, अश्विनी कौल, वैभव तत्ववादी, अरुण गोविल और किरण करमारकर ने अहम भूमिकाएं निभाई थीं। फिल्म की कहानी कश्मीर में हुए एक महत्वपूर्ण मिशन के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें प्रधानमंत्री के संयुक्त सचिव आर्टिकल 370 को निष्प्रभावी बनाकर आतंकवाद के खिलाफ एक गुप्त ऑपरेशन का संचालन करते हैं। बॉक्स ऑफिस पर भी आर्टिकल 370 ने शानदार प्रदर्शन किया था। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह फिल्म दुनियाभर में 105 करोड़ रुपये की कमाई करने में सफल रही थी और इसे सुपरहिट का दर्जा मिला। यामी गौतम के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी हालिया फिल्म धूम धाम ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। इसमें उनके साथ प्रतीक गांधी लीड रोल में हैं।

टीवी एक्ट्रेस मायरा मिश्रा ने रचाई शादी

टीवी शो भाग्यलक्ष्मी में मलिष्का के किरदार से पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस मायरा मिश्रा अब शादी के बंधन में बंध चुकी हैं। उन्होंने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड राजुल यादव के साथ परिवार और खास दोस्तों की मौजूदगी में शादी की।

मायरा का ब्राइडल लुक बेहद आकर्षक था, जिसमें उन्होंने लाल और सुनहरे रंग का खूबसूरत लहंगा पहना था। उनका लहंगा क्लासिक एलीगेंस से भरा हुआ था, और उन्होंने इसे मैचिंग दुपट्टे और शानदार कुंदन चोकर नेकलेस, झुमके, नथ, मांग टीका और माथा पट्टी के साथ स्टाइल किया। उनका सटल ग्लैम मेकअप उनके लुक को और निखार रहा था, और वह सच में किसी रानी से कम नहीं लग रही थीं। दूसरी ओर, उनके दूल्हे राजुल यादव ने क्रीम रंग की शेरवानी पहनी थी, जिसे उन्होंने मैचिंग पगड़ी और कलगी के साथ सजाया था। उनके लुक को मल्टी-स्ट्रैंड पर्ल नेकलेस ने और भी शाही बना दिया था। मायरा मिश्रा ने अपने करियर की शुरूआत स्प्लिट्जविला से की थी और अब वह भाग्यलक्ष्मी शो में मलिष्का के किरदार में नजर आ रही थीं। शादी की वजह से उन्हें शो से ब्रेक लेना पड़ा, लेकिन उम्मीद जताई जा रही है कि वह जल्द ही शो में वापसी करेंगी।

फिल्म बैडऐस रविकुमार को लेकर सुर्खियों में हिमेश रेशमिया

मुंबई (ईएमएस)। आजकल सिंगर और एक्टर हिमेश रेशमिया अपनी अपकमिंग फिल्म बैडऐस रविकुमार को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने अपनी पत्नी सोनिया कपूर के साथ एक नया पॉडकास्ट शो द सोनिया कपूर शो की शुरूआत की है। इस शो में दोनों ने न सिर्फ बॉलीवुड में हिमेश की जर्नी पर चर्चा की, बल्कि सोनिया ने उनके बारे में एक मजेदार राज भी खोल दिया। पॉडकास्ट के दौरान सोनिया कपूर ने मजाक में कहा कि हिमेश तैयार होने में घंटों लगा देते हैं क्योंकि वह बाथरूम में आईने के सामने खुद को निहारते रहते हैं। उन्होंने हंसते हुए पूछा, आपको अपने बारे में सबसे ज्यादा क्या पसंद है? इसके अलावा कि आप बाथरूम में चार घंटे तक खुद को देखते रहते हो? सोनिया की इस बात पर हिमेश हैरान रह गए और जवाब में बोले, क्या कह रही हो? तुम्हें अपने शो की टीआरपी चाहिए, तो तुम मेरे नाम पर ले रही हो! इसके बाद सोनिया ने एक और दिलचस्प बात साझा की। उन्होंने कहा, अगर आपको सुबह 9 बजे की फ्लाइट पकड़नी हो, तो आप रात 3 बजे से ही तैयार होने लगते हो। ऐसा कौन करता है? इस पर हिमेश ने खुद का बचाव करते हुए कहा कि वह तैयार होने के दबाव से बचना चाहते हैं और अपनी स्पीड से काम करना पसंद करते हैं। सोनिया ने फिर चुटकी लेते हुए कहा, हां ताकि आप दो घंटे तक आईने में खुद को देख सको। असहज होकर हिमेश ने कहा, तुम क्या कह रही हो? सोनिया ने हंसते हुए जवाब दिया, मुझे माफ करना, मैं आज आपकी पोल खोल रही हूं।गौरतलब है कि हिमेश रेशमिया और सोनिया कपूर ने साल 2018 में शादी की थी। इससे पहले हिमेश की शादी कोमल से हुई थी, लेकिन 2017 में उनका 22 साल पुराना रिश्ता टूट गया था। हिमेश और कोमल का एक बेटा भी है।

बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों से मिले अनुपम खेर

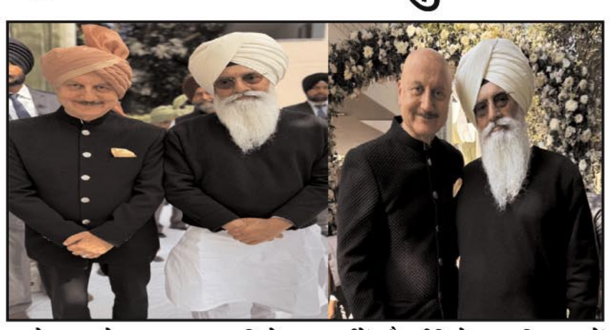

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर अपनी निजी और पेशेवर जिंदगी के खास पलों को सोशल मीडिया पर साझा करने के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी पत्नी किरण खेर की भांजी की शादी में शिरकत की और इस खास मौके की तस्वीरें फैंस के साथ साझा कीं। शादी में अनुपम खेर ने राधा स्वामी सत्संग ब्यास के आध्यात्मिक प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों से भी मुलाकात की, जिसकी झलक उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की। अनुपम खेर ने शादी की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें वे परिवार संग नजर आए। शादी का जोड़ा, विराज और संजना, सफेद पोशाक में ट्विनिंग करते हुए बेहद खूबसूरत दिखे। अनुपम ने कैप्शन में लिखा, विराज और संजना का विवाह बहुत ही सुंदर ढंग से संपन्न हुआ! सबको बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं! इसके बाद, अनुपम खेर ने बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों संग अपनी मुलाकात की तस्वीरें और वीडियो साझा किए। इनमें वे हाथ जोड़कर बाबा जी से मिलते नजर आ रहे हैं। उन्होंने लिखा, बाबा जी से मिलकर बहुत ही विनम्र और धन्य महसूस कर रहा हूँ! उनका आशीर्वाद मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

करण के जन्मदिन पर बिपाशा हुई रोमांटिक

बॉलीवुड और टीवी स्टार करण सिंह ग्रोवर ने हाल ही में अपना 43वां जन्मदिन मनाया। इस खास मौके पर न केवल उनके फैंस, बल्कि करीबी दोस्त और एक्ट्रेस बिपाशा बसु ने भी उन्हें सोशल मीडिया के जरिए शुभकामनाएं दीं। बिपाशा ने अपने पति करण के लिए एक बेहद प्यारे और रोमांटिक अंदाज में पोस्ट किया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बिपाशा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर करण के साथ कई रोमांटिक तस्वीरों और वीडियो का एक दिल छूने वाला कलेक्शन शेयर किया। इस वीडियो में उन्होंने अपने और करण के रिश्ते की शुरूआत, डेटिंग के खूबसूरत पल, शादी और अब उनकी बेटी देवी के जन्म तक की यादें साझा की हैं।

तस्वीरों में कपल का प्यार और साथ बिताए गए शानदार लम्हे साफ नजर आ रहे हैं। करण सिंह ग्रोवर, जो टीवी और बॉलीवुड इंडस्ट्री में एक लोकप्रिय नाम हैं, ने अपनी अभिनय यात्रा में कई यादगार भूमिकाएं निभाई हैं और वे वेब सीरीज में भी अपनी एक्टिंग का लोहा मना चुके हैं। उनकी अभिनय क्षमता और कड़ी मेहनत ने उन्हें एक विशाल फैन फॉलोइंग दिलाई है।

जैकी ने अपनी पत्नी रकुल प्रीत को भेंट किया खूबसूरत गुलदस्ता

मुंबई (ईएमएस)। अपनी हालिया रिलीज फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी की सफलता से अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह बेहद खुश हैं। रकुलप्रीत की खुशी में उनके पति जैकी भगनानी ने भी एक खास तोहफा देकर चार चांद लगा दिए। जैकी ने अपनी पत्नी को गुलाबी लिली का खूबसूरत गुलदस्ता भेंट किया, जिसे पाकर रकुल प्रीत बेहद खुश नजर आईं। रकुल ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी तस्वीर शेयर की, जिसमें वह गुलाबी लिली लिए मुस्कुराती हुई नजर आईं। इस पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, जब पति फूल लेकर आते हैं... जैकी भगनानी, मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं। रकुल और जैकी ने हाल ही में अपनी पहली वेडिंग एनिवर्सरी मनाई। 21 फरवरी को दोनों ने अपने खास पलों का एक वीडियो मोंटाज इंस्टाग्राम पर शेयर किया, जिसमें उनकी शादी से लेकर अब तक की खूबसूरत यादें शामिल थीं। इस वीडियो में शायराना अंदाज में लिखा गया था, तुम्हारे बिना, दिन दिन जैसे नहीं लगते... तुम्हारे बिना, सबसे स्वादिष्ट खाना खाने का भी कोई मजा नहीं है। कैप्शन में रकुल और जैकी ने लिखा, एक साल, अनगिनत यादें, अभी पूरी जिंदगी बाकी है। इस वीडियो ने उनके फैंस का दिल जीत लिया और सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी की लव स्टोरी कोविड लॉकडाउन के दौरान शुरू हुई थी। कई मुलाकातों के बाद दोनों करीब आए और 2021 में अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया। आखिरकार, 21 फरवरी 2024 को दोनों ने गोवा में एक ग्रैंड वेडिंग करके अपने रिश्ते को हमेशा के लिए नाम दे दिया। वर्कफ्रंट की बात करें तो रकुल प्रीत सिंह की फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी में उन्हें अर्जुन कपूर और भूमि पेडनेकर के साथ देखा गया। अब वह जल्द ही दे दे प्यार दे 2 में नजर आएंगी, जहां वह एक बार फिर अपने आयशा खुराना के किरदार में दिखेंगी। इस फिल्म में अजय देवगन आशीष मेहरा की भूमिका निभाएंगे, जबकि आर माधवन भी अहम किरदार में नजर आएंगे। इसके अलावा फिल्म में तब्बू, जिमी शेरगिल, आलोक नाथ और इनायत सूद भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में होंगे। खबरों के मुताबिक, तमन्ना भाटिया और प्रकाश राज भी फिल्म में कैमियो करते नजर आएंगे। अंशुल शर्मा के निर्देशन में बनी यह फिल्म 14 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

तलाक की अफवाहों पर गोविंदा के मैनेजर ने तोड़ी चुप्पी

अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा की शादी को 38 साल हो चुके हैं, लेकिन हाल ही में उनके अलगाव और तलाक की खबरों ने जोर पकड़ा है। सोशल मीडिया पर भी अटकलें लग रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों अलग-अलग रह रहे हैं और कहा जा रहा है कि सुनीता ने गोविंदा को तलाक का नोटिस भेजा है। हालांकि, इन खबरों की सच्चाई अब तक सामने नहीं आई है, क्योंकि गोविंदा या सुनीता ने इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया। अब इस मामले में गोविंदा के मैनेजर ने चुप्पी तोड़ी है और कुछ अहम खुलासे किए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक गोविंदा के मैनेजर शशि सिन्हा ने एक इंटरव्यू में कहा, "ये चचाएं कुछ पारिवारिक सदस्यों के इंटरव्यू में दिए गए बयानों के कारण शुरू हुई हैं। इससे ज्यादा कुछ नहीं। गोविंदा अपनी आने वाली फिल्म की तैयारियों में व्यस्त हैं। वो नियमित तौर पर ऑफिस भी आ रहे हैं। कुछ चीजें हैं जिन्हें सुलझाने की कोशिश की जा रही है। साथ ही गो-विंदा की तरफ से तलाक के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया है, लेकिन सुनीता की तरफ से एक लीगल नोटिस मिला है। मुझे नहीं पता कि ये नोटिस किस बारे में है। सुनीता ने पिछले कुछ दिनों में गोविंदा के बारे में कई सारी बातें कही हैं। इससे लोगों के मन में सवाल उठ रहे हैं।" मैनेजर शशि सिन्हा ने कहा, "दोनों के अलग-अलग घरों में रहने का मतलब यह नहीं है कि वे अलग हो गए हैं। गोविंदा अक्सर अपने बंगले में रहते हैं और वे अपने दूसरे घर आते-जाते रहते हैं। वह कुछ दिनों के लिए बंगले में रहते हैं। गोविंदा राजनीति में भी हैं, उन्हें मंत्रालय जाना पड़ता है। उनका सरकार से संपर्क है। इसलिए उनका कुछ समय अपने बंगले में रहना स्वाभाविक है।"इस बीच, यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि सुनीता आहूजा ने गोविंदा को क्या कानूनी नोटिस भेजी है और क्या कार्रवाई की गई। गोविंदा और सुनीता की शादी 1987 में हुई थी। उनकी एक बेटी टीना और एक बेटा यशवर्धन भी है।

सेलिब्रिटी मास्टरशेफ से आयशा और बाहर

सोनी टीवी के पॉपुलर कुकिंग रियालिटी शो सेलिब्रिटी मास्टरशेफ में आए दिन नए ट्विस्ट दर्शकों को चौंका रहे हैं। हाल ही में शो से दीपिका कक्कड़ के हेल्थ इश्यूज के कारण बीच में ही बाहर होने के बाद, अब एक और बड़ा बदलाव हुआ है। बॉलीवुड एक्ट्रेस आयशा जुल्का को शो से एविक्ट कर दिया गया है। आयशा ने कुछ ही समय पहले शो में वाइल्ड कार्ड एंट्री की थी, लेकिन दुर्भाग्यवश उन्हें शो छोड़ना पड़ा। पिछले हफ्ते आयशा, दीपिका कक्कड़, उषा नाडकर्णी और फैजू ने ब्लैक एप्रेन चैलेंज को पार किया था, लेकिन हफ्ते के अंत में हुई कठिन चुनौती में आयशा की डिश ने जजों को प्रभावित नहीं किया। फराह खान, रणवीर बरार और विकास खन्ना ने उनकी डिश की आलोचना की और इसके बाद आयशा को शो से बाहर कर दिया गया। अब दीपिका कक्कड़ और आयशा जुल्का के बाहर होने के बाद शो में केवल राजीव अदातिया, तेजस्वी प्रकाश, गौरव खन्ना, अर्चना गौतम, निक्की तंबोली, कबिता सिंह, मिस्टर फैजू और उषा नाडकर्णी ही बचे हैं। दर्शक अब इन कंटेस्टेंट्स के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा का इंतजार कर रहे हैं।

सूडोकु नवताल- 7076

★★★★☆ कठिन

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7075 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

शब्दजाल - 7823

सा	श	मु	ग	सु	हा	ग	व	धी	ल	उ
अ	व	का	प्रे	व	अ	स	द	ह	र्म	म
ग	य	न	व	दी	खू	स	नि	य	त	रा
र	लि	ल	भा	अ	ता	ब	द	ह	ख	व
तु	स	अ	ऋ	दो	र	षा	सू	बा	प	जा
म	क	र्त	व्य	त	म	ला	र	र	श	न
न	स	अ	क	रा	न	भि	द	शा	त	व
हो	अ	ल	ल	व	जी	अ	ऐ	नि	प	सा
ते	बा	ब	अ	त	क	छ	प्प	न	शा	जू
क	म	बा	तें	व	झू	ठी	द	अ	जू	न
रा	र	अ	प	अ	व	लो	क	न	प	रु

शब्द जाल में रेखा द्वारा अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे भी हैं.

सावन भादो, राम बलराम, नियत, सुहाग, खूबसूरत, अगर तुम न होते, झूठी, कर्तव्य, निशान, उमराव जान

शब्दजाल - 7822 का हल

बं	न	गा	र	न	ब	ज	क	ब	ल	न
ब	ज	य	लि	दा	व	का	मौ	स	ल	य
ई	रा	ब	न	ज	वा	ज्यो	दा	बं	य	ना
का	ना	बं	र	ता	वी	ब	ति	ल	न	भि
म	इ	दि	म	स	रा	द	श	न	ब	रा
न	म	स्का	र	र	र	क	वी	ना	श	म
न	बं	दि	श	वा	क	जी	र	ग	प	ब
व	र	न	ग	मा	व	सी	ब	न	प	न
नी	ब	ल	ज	न	बा	री	न	ज	प	र
त	मी	ल	प	बू	या	स	वी	ब	प	जा
का	न	न	व	नि	र्मा	ण	न	ग	प	बं

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6776

4			6	1		7
	31	7	31		28	
	2			3		4
	34	6	31		33	
6		4		2		1
5	31		32	7	38	
	3	2		5		6

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6775 का हल

7	5	6	3	4	2	1
5	42	7	33	1	23	3
1	6	5	4	3	7	2
2	25	3	34	7	39	6
3	1	4	6	2	5	7
6	24	1	33	5	35	4
4	3	2	7	6	1	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

चैंपियंस ट्रॉफी ग्रुप बी : सेमीफाइनल की दौड़ हुई बेहद रोमांचक!

नई दिल्ली

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के ग्रुप बी में सेमीफाइनल की जंग अब अपने चरम पर पहुंच गई है। हर टीम के लिए आगे का सफर जीत और नेट रन रेट (इन) पर निर्भर करता है, जिससे मुकाबले और भी रोमांचक हो गए हैं।

दक्षिण अफ्रीका की स्थिति मजबूत, लेकिन सावधानी जरूरी

दक्षिण अफ्रीका यदि इंग्लैंड को मात दे देता है, तो वह सीधे सेमीफाइनल में जगह बना सकता है और ग्रुप टॉप भी कर सकता है, बशर्ते उनका एनआरआर ऑस्ट्रेलिया से बेहतर रहे। हालांकि, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया दोनों अपने मैच जीतते हैं तो दक्षिण अफ्रीका के लिए इंग्लैंड से हार खतरनाक साबित हो सकती है।

ऑस्ट्रेलिया - जीत के साथ पक्की होगी सेमीफाइनल की टिकट

ऑस्ट्रेलिया ने अब तक शानदार खेल दिखाया है। यदि वे अफगानिस्तान को हरा देते हैं, तो सेमीफाइनल में उनकी जगह पक्की हो जाएगी। लेकिन हार की स्थिति में उन्हें इंग्लैंड के मुकाबलों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा।

इंग्लैंड - हर हाल में चाहिए दो जीत!

इंग्लैंड के पास अब कोई विकल्प नहीं बचा है – सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए उन्हें अपने दोनों बचे हुए मैच जीतने होंगे। अच्छी खबर यह है कि उनके मुकाबलों में मौसम बाधा डालने की संभावना नहीं है, जिससे उन्हें पूरा मौका मिलेगा अपनी किस्मत बदलने का।

अफगानिस्तान - उम्मीदें बरकरार, लेकिन चुनौती बड़ी

अफगानिस्तान के लिए स्थिति मुश्किल जरूर है, लेकिन उम्मीदें अब भी जिंदा हैं। उन्हें क्वालीफाई करने के लिए इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया दोनों को हराना होगा। यदि इंग्लैंड को हराने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका मैच बारिश से धुल जाता है, तो भी सेमीफाइनल की उम्मीद बनी रहेगी, लेकिन फिर एनआरआर अहम भूमिका निभाएगा।

सेमीफाइनल की रेस जबरदस्त मोड़ पर पहुंची

सेमीफाइनल की रेस अब जबरदस्त मोड़ पर है। क्या दक्षिण अफ्रीका अपनी बढ़त बनाए रखेगा क्या इंग्लैंड धमाकेदार वापसी करेगा या फिर अफगानिस्तान चमत्कार कर सेमीफाइनल में एंट्री लेगा इस हाई–वोल्टेज क्रिकेट ड्रामे का रोमांच अपने चरम पर है!

क्या कहता है समीकरण

- दक्षिण अफ्रीका को सेमीफाइनल में जाने के लिए कम से कम एक जीत जरूरी।
- ऑस्ट्रेलिया की राह आसान – बस अफगानिस्तान को हराना होगा।
- इंग्लैंड और अफगानिस्तान दोनों के लिए 'करो या मरो' सेमीफाइनल की स्थिति।
- नेट रन रेट हर टीम के लिए बेहद अहम होने वाला है।

न्यूज ब्रीफ

पोलैंड पुरुष हैंडबॉल टीम के मुख्य कोच मार्सिन लिजवेस्की पद से हटाए गए

वारसॉ। पोलिश हैंडबॉल एसोसिएशन (जेडपीआरपी) ने राष्ट्रीय पुरुष हैंडबॉल टीम के मुख्य कोच मार्सिन लिजवेस्की के साथ अपना अनुबंध समाप्त कर दिया है। जेडपीआरपी ने मंगलवार को इस निर्णय की घोषणा करते हुए बताया कि टीम के हालिया प्रदर्शन की गहन समीक्षा के बाद यह कदम उठाया गया। लिजवेस्की ने 29 मार्च, 2023 को पदभार संभाला था, जब उन्होंने पैट्रिक रोम्बेल की जगह ली थी। उनके नेतृत्व में टीम ने 28 मुकाबले खेले, जिनमें 15 में जीत, 10 में हार और 3 ड्रॉ रहे। हालांकि, जनवरी 2025 में आयोजित आईएचएफ पुरुष विश्व चैम्पियनशिप में टीम के 25वें स्थान पर रहने को देश में बड़ी निराशा के रूप में देखा गया, जिससे उनके भविष्य पर सवाल उठने लगे थे। जेडपीआरपी ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, कोच मार्सिन लिजवेस्की के साथ सहयोग समाप्त करने का निर्णय उनकी कोचिंग के विस्तृत विश्लेषण के बाद लिया गया है। आगामी क्वालीफाइंग मैचों में टीम की कमान मौजूदा सहायक कोच माइकल स्कोर्सकी को सौंपी जाएगी। पोलैंड को मार्च में 2026 यूरोपीय पुरुष हैंडबॉल चैम्पियनशिप के क्वालीफायर में पुर्तगाल के खिलाफ दो अहम मुकाबले खेलने हैं। अब स्कोर्सकी की अगुवाई में टीम इन मैचों में बेहतर प्रदर्शन कर आगामी टूर्नामेंट के लिए मजबूत दावेदारी पेश करने की कोशिश करेगी।

सीबीए ऑल-स्टार गेमः गुओ ऐलुन की जगह लेंगे सन मिंगहुई

बीजिंग। झेजियांग लायंस के गार्ड सन मिंगहुई को 2025 सीबीए ऑल–स्टार गेम में टीम साउथ के लिए स्टार्टर के रूप में चुना गया है। वह गुओ ऐलुन की जगह लेंगे, जो चोट के कारण इस प्रतिष्ठित मुकाबले से बाहर हो गए हैं। चीनी बास्केटबॉल एसोसिएशन (सीबीए) ने इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी है। गुआंगजौ लूंग लायंस के अनुभवी गार्ड गुओ ऐलुन को 17 फरवरी को एक इंट्रा–स्क्वाड स्क्रिमेज के दौरान दाहिनी आंख में गंभीर चोट लगी थी। टीम अधिकारियों ने बताया कि उनकी सर्जरी सफल रही है और वह फिलहाल पुनर्वास प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। हालांकि, उनकी वापसी की कोई निश्चित समयसीमा तय नहीं की गई है। इस साल का सीबीए ऑल–स्टार वीकेंड 28 फरवरी से 2 मार्च तक चांगचुन, जिलिन प्रांत में आयोजित किया जाएगा।

नई स्कोरिंग प्रणाली शुरु करेगा विश्व बैडमिंटन विश्व महासंघ

नई दिल्ली। विश्व बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) अब इसी साल अप्रैल से कुछ प्रतियोगिताओं में परीक्षण के लिए नई स्कोरिंग प्रणाली शुरु कर सकता है। बीडब्ल्यूएफ परिषद ने इससे पहले नवंबर में कुआलालंपुर में अपनी बैठक के दौरान वर्तमान स्कोरिंग प्रणाली को बदलने के लिए 15 अंक के तीन गेम की स्कोरिंग प्रणाली शुरु करने को कहा था। बीडब्ल्यूएफ ने कहा, ''बीडब्ल्यूएफ परिषद ने अप्रैल से सितंबर–अक्टूबर 2025 तक कुछ महाद्वीपीय चैंपियनशिप, ग्रेड 3 टूर्नामेंट, राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय लीग व राष्ट्रीय टूर्नामेंट में 15 अंक के 3 गेम प्रणाली का व्यावहारिक परीक्षण करने की योजना बनाई है। इसका लक्ष्य खेल के प्रति नए दर्शकों को आकर्षित करने के साथ ही मैचों को कम समय का करना है। बीडब्ल्यूएफ अप्रैल से कम से कम 6 महीनों के लिए कुछ प्रतियोगिताओं में 15 अंक के 3 गेम की स्कोरिंग प्रणाली शुरु करेगा। अभी वर्तमान में 21 अंक के 'बेस्ट ऑफ थ्री गेम' की प्रणाली है। इसमें 2 गेम जीतने वाला विजेता होता है। गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय चैलेंज व सीरीज और फ्यूचर सीरीज प्रतियोगिता ग्रेड 3 टूर्नामेंट के अंतर्गत आती हैं। नई प्रणाली के चुनाव के पीछे के कारणों को समझाते हुए बीडब्ल्यूएफ ने कहा, ''मौजूदा प्रणाली की तुलना में 15 अंक के 3 गेम में कम अंक होते हैं जिससे यह संभावना बढ़ जाती है कि प्रत्येक अंक अधिक रोमांचक होगा। मौजूदा प्रणाली की तुलना में 15 अंक के 3 गेम में परिणाम तेजी से निकलता है और प्रत्येक गेम व कुल गेम की संख्या दोनों में उत्साह का अच्छा संतुलन बनाता है।''

हंड्रेड 2025 : स्मिथ और लैनिंग समेत कई सितारे इंग्लिश लीग में करेंगे धमाल

लंदन

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने हंड्रेड 2025 के लिए प्रत्यक्ष हस्ताक्षर सूची की पुष्टि कर दी है, जिसमें कई दिग्गज खिलाड़ियों के नाम शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ वेल्श फायर में शामिल हुए हैं, जबकि महिला क्रिकेट की दिग्गज मेग लैनिंग ओवल इनविंसिबल्स वुमेन के लिए खेलेंगी।

राशिद खान का ट्रांसफर, पेरी और लिविंगस्टोन बरकरार

अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान, जो 2021 से ट्रेंट रॉकेट्स का हिस्सा थे, अब ओवल इनविंसिबल्स में शामिल हो गए हैं। एलिसे पेरी बर्मिंघम फीनिक्स के साथ बनी रहेंगी, जबकि मेगन शुट्ट को उनकी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी के रूप में साइन किया गया है। पुरुष टीम ने लियाम लिविंगस्टोन, डैन मूसली, जैकब बेथेल, बेन डकेट और ट्रेंट बोल्ट को बनाए रखा है।

लंदन स्पिरिट में बदलाव, केन विलियमसन की एंट्री

लंदन स्पिरिट ने जैक क्रॉली को रिलीज कर दिया, जो हाल ही में खराब फॉर्म से जूझ रहे थे। उनकी जगह न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन को शामिल किया गया है। वहीं, महिला टीम ने लैनिंग को रिलीज कर दिया, जबकि ग्रेस हैरिस टीम में बनी रहेंगी।

मैनचेस्टर ओरिजिनल्स और नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स की बड़ी घोषणाएं

मैनचेस्टर ओरिजिनल्स ने जोस बटलर, फिल साल्ट और हेनरिक क्लासेन को बनाए रखा है। महिला टीम में अमेलिया केर और सोफी एक्लेस्टोन की जोड़ी नजर आएगी। नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स ने हैरी ब्रूक, आदिल राशिद को बनाए रखा है, जबकि दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर अब यॉर्कशायर की ओर से खेलेंगे।

साउदर्न ब्रेव और वेल्श फायर की रणनीति

साउदर्न ब्रेव ने फाफ डु प्लेसिस को अपने प्रत्यक्ष हस्ताक्षर के रूप में नामित किया है, जबकि जेम्स विंस, जोफ्रा आर्चर, टाइमल मिल्स, क्रिस जॉर्डन और क्रेग ओवरटन टीम के कोर प्लेयर्स बने रहेंगे। महिला टीम में डेनिएल व्याट–हॉज बनी रहेंगी, जबकि लौरा वोल्वार्ड्ट को नया हस्ताक्षरकर्ता बनाया गया है। वेल्श फायर ने अपने शीर्ष क्रम को मजबूत करने के लिए स्टीव स्मिथ को अनुबंधित किया है। जॉनी बेयरस्टो, टॉम कोहलर–कैडमोर और टॉम एबेल को टीम में बरकरार रखा गया है। महिला टीम में हेले मैथ्यूज, टैमी ब्यूमोंट और शबनिम इस्माइल अपना खेल जारी रखेंगी।

ट्रेंट रॉकेट्स में स्टोइनिस की एंट्री, नैट साइवर-ब्रंट ग्रीन में खेलेंगी

2022 के चैंपियन ट्रेंट रॉकेट्स ने जो रूट, टॉम बैंटन और सैम हैन को बनाए रखा है, जबकि ऑस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस इस बार पीले रंग में नजर आएंगे। महिला टीम में अलाना किंग, हीथर ग्राहम और ऐश गार्डनर शामिल हैं। इंग्लैंड की स्टार ऑलराउंडर नैट साइवर–ब्रंट भी इस सीजन में टीम का हिस्सा बनी रहेंगी। हंड्रेड 2025 के इस रोमांचक सीजन में दुनिया भर के क्रिकेट सितारे एक बार फिर इंग्लैंड में अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे।

क्लासेन फिट, इंग्लैंड के खिलाफ खेलने की संभावना

कराची। दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन कोहनी की चोट से उबर चुके हैं और इंग्लैंड के खिलाफ आगामी मुकाबले में खेलने के लिए तैयार हैं। कप्तान टेम्बा बावुमा ने इसकी पुष्टि की। क्लासेन चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में अफगानिस्तान के खिलाफ नहीं खेल सके थे, और उनकी उपलब्धता को लेकर संदेह था। हालांकि, मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया, जिससे उन्हें अतिरिक्त समय मिल गया। बावुमा ने कहा, हर कोई फिट है, क्लासेन भी अब पूरी तरह ठीक हैं। यह टीम के लिए फायदेमंद है और सकारात्मक माहौल बनाता है। प्रोटियाज़ टीम अब शनिवार को कराची में इंग्लैंड के खिलाफ अपना अंतिम ग्रुप बी मैच खेलेगी। इंग्लैंड का सामना आज अफगानिस्तान से है, और इस मुकाबले में हारने वाली टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो जाएगी। दक्षिण अफ्रीका नेट रन रेट के आधार पर ग्रुप में शीर्ष पर है, हालांकि ऑस्ट्रेलिया के भी तीन अंक हैं। इंग्लैंड के खिलाफ जीत से दक्षिण अफ्रीका को सेमीफाइनल में प्रवेश मिल जाएगा। बावुमा ने कहा, हम इंग्लैंड बनाम अफगानिस्तान मैच पर नजर रखेंगे। इससे हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि तालिका की स्थिति क्या होगी और हमें सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए क्या करना होगा।

जिला रैंकिंग बैडमिंटन प्रतियोगिता

मन, चंद्रकांत और तनिष्क दो वर्गों के फाइनल में पहुंचे

रिद्धिमा, अर्ना, गिरिजा, तिविशा, सिद्धांत, अदवैत, हर्षवर्धन, पहल, भव्या, तीर्थ, अशांक भी फाइनल में पहुंचे

इन्दौर

अमेच्योर बैडमिंटन एकेडमी द्वारा इन्दौर जिला बैडमिंटन संगठन तहत आयोजित अम्बाराम प्रजापति स्मृति खुली इन्दौर जिला मिनी और सब जूनियर दूसरी रैंकिंग बैडमिंटन स्पर्धा में सरताज अकादमी के मन बडजत्या और ओलम्पस के चंद्रकांत विश्वकर्मा ने 13 वर्ष बालक एकल और युगल एवं इन्दौर बैडमिंटन क्लब के तनिष्क राजपूत ने 15 वर्ष बालक एकल और युगल के फाइनल में जगह बनाई। अर्ना बतरा और रिद्धिमा सूद 15 वर्ष बालिका एवं गिरिजा जाधव और तिविशा जैन 13 वर्ष बालिका एकल फाइनल में हैं। अदवैत पाटीदार और हर्षवर्धन सिंह राजपूत 11 वर्ष बालक एवं पहल चढोकर और भव्या जैन 11 वर्ष बालिका फाइनल में आए। 15 वर्ष बालक एकल में सिद्धांत धुर्वे भी फाइनल में हैं। तीर्थ गोयल और अशांक मिश्रा 13वर्ष बालक युगल, आर्यन बल और अरहम जैन 15 वर्ष बालक युगल के फाइनल में हैं। अमेच्योर बैडमिंटन एकेडमी में हो रही स्पर्धा में 13 वर्ष बालक एकल के सेमीफाइनल में पहले क्रम के मन बडजत्या ने अदवैत पाटीदार को 21–17, 21–18 से हराया। चंद्रकांत विश्वकर्मा ने दूसरे क्रम के अयांश रघुवंशी को 45 मिनट के संघर्ष में 17–21, 21–8, 21–16 से हराकर उलटफेर किया। 13 वर्ष बालक युगल के सेमीफाइनल में पहले क्रम के मन बडजत्या और चंद्रकांत विश्वकर्मा ने अरिन्जय कृष्ण बिंजु और हार्दिक राजानी को 21–5, 21–4 से पराजित किया। सरताज अकादमी के तीर्थ गोयल और अशांक मिश्रा ने दूसरे क्रम के अदवैत पाटीदार और प्रनम्य तारे को 21–14, 21–23, 21–14 से हराकर उलटफेर किया।

15 वर्ष बालक एकल के सेमीफाइनल में सिद्धांत धुर्वे ने मन बडजत्या को 21–8, 21–14 से और पहले क्रम के तनिष्क राजपूत ने आर्यन बल को 19–21, 21–18, 21–15 से हराया। 15 वर्ष बालक युगल के सेमीफाइनल में तनिष्क राजपूत और अयांश रघुवंशी ने अंशज अलोने और दर्श निहालचंदानी को 21–10, 21–17 से एवं आर्यन बल और अरहम जैन ने भव्य चढोकर और शौर्य प्रताप सिंह को 21–19, 19–21, 21–15 से पराजित किया। 15 वर्ष बालिका एकल सेमीफाइनल में रिद्धिमा सूद ने दूसरे क्रम की गिरिजा जाधव को 14–21, 21–10, 21–10 से हराकर उलटफेर किया।

मई में इंग्लैंड दौरे पर जाएगी इंडिया-ए टीम

मुम्बई। इंडिया–ए टीम आईपीएल 2025 के बाद तीन 4–दिवसीय मैचों के लिए इंग्लैंड जाएगी। इस दौरे में उसका मुकाबला इंग्लैंड लायंस की टीम से होगा। इससे इसमें शामिल खिलाड़ियों के पास बेहतर प्रदर्शन कर जून में होने वाले भारतीय टीम के टेस्ट दौरे के लिए अपना दावा पेश करने का अच्छा अवसर होगा। इंडिया ए की टीम यह दौरा 25 मई से 20 जून के बीच चल सकता है, हालांकि अभी इसकी तारीखों की घोषणा नहीं हुई है। 25 मई को आईपीएल का फ़ाइनल मुक़ाबला होगा, जबकि 20 जून से टेस्ट सीरीज़ की शुरुआत होगी। भारतीय बल्लेबाज़ टेस्ट मैचों के अलावा मुश्किल से ही कोई लाल गेंद की क्रिकेट खेलते हैं। भारतीय टीम के बल्लेबाज जिस प्रकार से न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ घरेलू सीरीज़ के अलावा बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफ़ी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विफल रहे हैं। ऐसे में हो सकता है कि कुछ नियमित टेस्ट खिलाड़ी भी इस इंडिया ए के दौरे पर जाएं। भारत–इंग्लैंड एकदिवसीय सीरीज़ शुरू होने से पहले एक रणजी ट्रॉफ़ी मुक़ाबला है, जहां ये बल्लेबाज़ लाल गेंद की क्रिकेट का अभ्यास कर सकते हैं। बीसीसीआई ने अपने बल्लेबाज़ों को संदेश दिया है कि वह इस सीरीज़ को चयन का एक पैमाना मानें। पिछले साल जब इंग्लैंड लायंस की टीम भारत आई थी तो सरफ़राज़ ख़ान, ध्रुव जुरेल, प्रसिद्ध कृष्णा और आकाश दीप जैसे खिलाड़ियो ने इंडिया ए की ओर से खेला था। वहीं इसके बाद इन्हें राष्ट्रीय टीम से खेलने का अवसर मिला है।

रिजवान, बाबर सहित इन खिलाड़ियों को बाहर कर सकता है पीसीब

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट में टीम के खराब प्रदर्शन से नाराज पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड

लाहौर

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट में टीम के खराब प्रदर्शन से बेहद नाराज है और ये तय है कि वह टूर्नामेंट समाप्त होनेके बाद करीब पांच बड़े खिलाड़ियों को बाहर कर सकता है। जिन बड़े खिलाड़ियों को बाहर किया जा सकता है उनमें कप्तान मोहम्मद रिजवान के अलावा अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम भी शामिल हैं। पीसीबी को 29 साल के लंबे इंतजार के बाद मेजबानी मिली थी पर इन खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन के कारण टीम शुरुआत में ही बाहर हो रही है। इससे क्रिकेट प्रशंसक बेहद गुस्से में हैं। पाकिस्तान को पहले न्यूजीलैंड और फिर भारतीय टीम के खिलाफ करारी हार का सामना करना पड़ा। टीम के खराब प्रदर्शन की गाज सबसे पहले रिजवान पर गिरेगी। उनकी बल्लेबाजी और कप्तान बेकार रही। वह सही प्रकार की अंतिम ग्यारह भी नहीं उतार पाये जिससे उनकी कप्तानी पर भी सवाल उठे हैं। वहीं बल्लेबाजी में वह के न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 रन बनाए और भारत के खिलाफ 46 रन बनाए। कीवी टीम के खिलाफ उनका स्ट्राइक रेट करीब 22 का था और भारत के खिलाफ 59 का। ऐसे में उनकी कप्तानी और जगह खतरे में है। वहीं स्टार बल्लेबाज बाबर की बात करें तो पिछले कुछ समय में पाकिस्तान की टीम के खराब प्रदर्शन के लिए वह भी काफी हद तक जिम्मेदार रहे हैं। वह भारत के खिलाफ मैच में 30 रन भी नहीं बना पाये। वहीं न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने बेहद धीमी पारी खेली जिससे टीम के लिए लक्ष्य तक पहुंचना असंभव हो गया।ये भी आरोप लगे हैं कि बाबर टीम से ज्यादा अपने लिए खेलते हैं। इसके अलावा तेजे गेंदबाज हारिस रऊफ भी बोर्ड के निशाने पर हैं। रऊफ आज से दो–तीन साल पहले तक बड़े खतरनाक तेज गेंदबाज माने जाते थे पर अब वह सबसे अधिक रन लुटाते हैं। वह हर मैच में करीब 8 की रन रेट से रन लुटाते हैं। वहीं काफी कम विकेट लेते हैं।

राउफ के अलावा एक अन्य तेज गेंदबाज नसीम शाह को भी बाहर किया जा सकता है। चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ नसीम को एक विकेट मिला, वहीं भारत के खिलाफ उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला। उनकी गेंदबाजी बेहद साधारण रहीं। स्विंग और रफ्तार नहीं होने से अब वह टीम के लिए उपयोगी नहीं रहे। इसके अलावा नये बल्लेबाज तैयब ताहिर को तेजी से रन बनाने के लिए टीम में जगह दी गई थी पर वह इसमें विफल रहे न्यूजीलैंड के खिलाफ वह 1 रन जबकि भारत के खिलाफ केवल 4 रन ही बना पाये।

न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में शमी की जगह पर स्पिनर शामिल करे भारतीय टीम : गॉफ

लंदन

इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज डेरेन गॉफ ने कहा है कि आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले मैच में भारतीय टीम अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को नहीं उतारे और उन्हें आराम दे। भारतीय टीम बांग्लादेश और पाकिस्तान को हराकर पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। ऐसे में 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाला मैच औपचारिक है जिसे देखते हुए गॉफ का मानना है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ शमी को आराम देना ठीक रहेगा। इससे वह आगे के मुकाबलों के लिए फिट रहेंगे। गॉफ के अनुसार शमी की जगह अंतिम ग्यारह में किसी स्पिनर को शामिल किया जा सकता है।

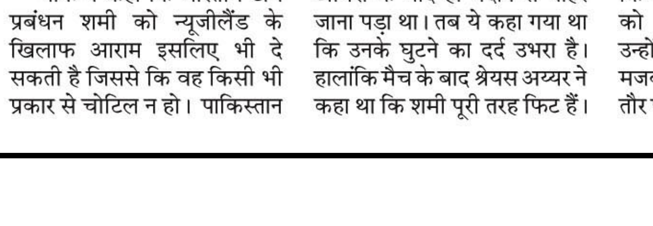

गॉफ ने कहा कि भारतीय टीम प्रबंधन शमी को न्यूजीलैंड के खिलाफ आराम इसलिए भी दे सकती है जिससे कि वह किसी भी प्रकार से चोटिल न हो। पाकिस्तान के खिलाफ मैच में शमी को तीन ओवरों के बाद ही मैदान से बाहर जाना पड़ा था। तब ये कहा गया था कि उनके घुटने का दर्द उभरा है। हालांकि मैच के बाद श्रेयस अय्यर ने कहा था कि शमी पूरी तरह फिट हैं।

गॉफ का मानना है कि भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ शमी की जगह किसी स्पिनर के साथ उतरना चाहिए, क्योंकि इस पिच पर स्पिनरों को सहायता मिलती है। गॉफ ने कहा कि लाहौर में पिच सपाट है पर दुबई की पिच धीमी हैं। इसलिए लिहाजा, आप अतिरिक्त स्पिनर रख सकते हैं। हमने देखा कि हार्दिक पांड्या अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं।. मेरा मानना है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ पांड्या को आराम दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम बहुत मजबूत टीम है, मैं यह बात पक्के तौर पर कह सकता हूं।

बटलर बोले खेल उम्मीद जगाते हैं , इस कारण अफगानिस्तान से मैच का बहिष्कार नहीं किया, तालिबान में महिलाओं की खराब हालत पर हैं बेहद दुखी

लाहौर। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने कहा कि वह और उनकी टीम के साथी अफगानिस्तान में महिलाओं की खराब हालत से दुखी हैं पर वह चैम्पियंस ट्रॉफी में अफगान टीम के खिलाफ इसलिए खेलने को तैयार हुए क्योंकि खेलों से ही कठिन समय में बदलाव की उम्मीद रहती है। इससे पहले माना जा रहा था कि इंग्लैंड टीम तालिबान शासन में महिलाओं पर लगी पाबंदी के विरोध में अफगान टीम के खिलाफ खेलने से इंकार कर सकती है। साल 2021 में अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जे के बाद से ही तालिबान शासन ने महिलाओं के खेलों में भाग लेने पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसी कारण पिछले महीने ब्रिटिश सांसदों के एक समूह ने इंग्लैंड क्रिकेट टीम से महिलाओं के साथ किए जा रहे व्यवहार के विरोध में अफगानिस्तान की टीम के खिलाफ चैंपियन्स ट्रॉफी के मैच का बहिष्कार करने को कहा था। बटलर से पूछा गया कि वह और उनकी टीम मुकाबले के लिए किस प्रकार तैयार हुई तो बटलर ने कहा कि मैं बहुत से विशेषज्ञों से बहुत सी सलाह ले रहा हूं। मुझे लगता है कि इसका श्रेय ईसीबी को जाना चाहिए - वे मेरा और सभी खिलाड़ियों का बहुत–बहुत समर्थन करते रहे हैं और हमें इस बारे में जानकारी और शिक्षा देते रहे हैं और इसे ईसीबी का फैसला बनाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम इस समय अफगानिस्तान में महिलाओं और लड़कियों की खराब हालत से दुखी हैं पर हमें उम्मीद है कि मैच इस समय वहां के लोगों के लिए कठिन समय में आशा और आनंद का जरिया बन सकता है।

मन को शांत करता है भ्रामरी प्राणायाम

मन को शांत कर तनाव और अवसाद दूर करने में बहुत फायदेमंद आसन है भ्रामरी प्राणायाम। भ्रामरी प्राणायाम करते समय भ्रमर अर्थात भंवरे जैसी गुंजन होती है, इसी कारण इसे भ्रामरी प्राणायाम कहते हैं। भ्रामरी प्राणायाम से जहां मन शांत होता है वहीं इसके नियमित अभ्यास से और भी बहुत से लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं।

कैसे करें यह आसन

भ्रामरी प्राणायाम करने के लिए सुखासन, सिद्धासन या पद्मासन में बैठकर सबसे पहले दोनों हाथों की अंगुलियों में से अनामिका अंगुली से नाक के दोनों छिद्रों को हल्का सा दबाकर रखें। फिर तर्जनी को पाल पर, मध्यमा को आंखों पर, सबसे छोटी अंगुली को होठ पर और अंगुठे से दोनों कानों के छिद्रों का बंद कर दीजिए। फिर सांस को धीमी गति से गहरा खींचकर अंदर कुछ देर रोककर रखें और फिर उसे धीरे-धीरे आवाज करते हुए नाक के दोनों छिद्रों से निकालें। सांस छोड़ते वक्त अनामिका अंगुली से नाक के छिद्रों को हल्का सा दबाएं जिससे कंपन उत्पन्न होगा। जोर से पूरक करते समय भंवरी जैसी आवाज और फिर रेचक करते समय भी भंवरी जैसी आवाज उत्पन्न होनी चाहिए। पूरक का अर्थ सांस अंदर लेना और रेचक का अर्थ सांस बाहर छोड़ना।

इस आसन के फायदे

भ्रामरी प्राणायाम करने से मन शांत होता है और तनाव दूर होता है। इस ध्वनि के कारण मन इस ध्वनि के साथ बंध सा जाता है, जिससे मन की चंचलता समाप्त होकर एकाग्रता बढ़ने लगती है। यह मस्तिष्क के अन्य रोगों में भी लाभदायक है।

इसके अलावा यदि किसी योग शिक्षक से इसकी प्रक्रिया ठीक से सीखकर करते हैं तो इससे हृदय और फेफड़े मजबूत बनते हैं। उच्च-रक्तचाप सामान्य होता है। हकलाहट तथा तुतलाहट भी इसके नियमित अभ्यास से दूर होती है। इससे पर्किन्सन, लकवा, इत्यादि स्नायुओं से संबंधी सभी रोगों में भी लाभ पाया जा सकता है।

बरतें थोड़ी सावधानी

भ्रामरी प्राणायाम को लेटकर नहीं किया जाता है। नाक या कानों में किसी प्रकार का संक्रमण होने कि स्थिति में यह अभ्यास ना करें। नहीं तो संक्रमण बढ़ सकता है। भ्रामरी प्राणायाम को शांत माहौल में ही करें, ताकि आप निकलने वाली आवाज हो आसानी से महसूस कर सकें।

फेसबुक फ्रेंड वजन घटाने में मददगार

ये युग टेक प्रेमियों का है और इसमें सोशल नेटवर्किंग साइट्स का महत्वपूर्ण स्थान है। फेसबुक इन साइटस में सबसे अव्वल है। इन सोशल साइट्स का हमारे जीवन में खासा दखल है और ये हमें कई प्रकार से प्रभावित भी करती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि फेसबुक फ्रेंड से भावनात्मक जुड़ाव आपका अतिरिक्त वजन कम करने में काफी मददगार साबित हो सकता है।

सर्दी जुकाम में लाभप्रद है तुलसी

सर्दी जुकाम होने पर तुलसी की पत्तियों को चाय में उबालकर पीने से राहत मिलती है। तुलसी का अर्क तेज बुखार को कम करने में भी कारगर साबित होता है। करीब सभी कफ सीरप को बनाने में तुलसी का इस्तेमाल किया जाता है। तुलसी की पत्तियां कफ साफ करने में मदद करती हैं। तुलसी के कोमल पत्तों को चबाने से खांसी और नजले से राहत मिलती है।

काम के साथ आंखों का रखें ख्याल

वर्तमान दिनचर्या में कंप्यूटर के बिना काम करना शायद असंभव है, लोग घंटों कंप्यूटर के सामने बैठकर काम करते हैं। घंटों कंप्यूटर के सामने बैठने के कारण इससे निकलने वाली नीली रोशनी से सबसे अधिक नुकसान आंखों को होता है। इसके कारण आंखों की रोशनी कम होती है। इसके अलावा लगातार कम्प्यूटर पर काम करने से आंखों में थकान, धुंधला दिखाई देना, सिर में दर्द और आंखों के आसपास काले घेरे की समस्या आम बात है। ड्राई आई सिंड्रोम भी घंटों कंप्यूटर के प्रयोग के कारण होती है। इसलिए काम के साथ-साथ आंखों का भी ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

अंधेरे में काम न करें

कंप्यूटर पर काम कर रहे हैं तो ध्यान रखें कि जिस कमरे में आप हों वहां पर अंधेरा या कम रोशनी न हो। आपके कमरे की रोशनी कंप्यूटर स्क्रीन से निकलने वाली रोशनी से कम न हो। अगर कमरे में अंधेरा होगा या कमरे की रोशनी कम होगी तो कंप्यूटर से निकलने वाली किरणें आंखों को अधिक प्रभावित करेंगी। कंप्यूटर से आंखों की दूरी काम करते वक्त अपनी कुर्सी की ऊंचाई को कम्प्यूटर के हिसाब से ही रखें। कंप्यूटर को अपनी आंखों से 30 सेमी की दूरी पर रखें।

पलकों को झपकाते रहें

काम के दौरान पलकों को झपकाते रहें, इससे आंखों की नमी बरकरार रहेगी और आंखों सूखेंगी नहीं। लंबे समय तक पलक नहीं झपकाने से आंखों से पानी बहने लगता है।

काम के बीच ब्रेक लें

अगर आप लगातार कंप्यूटर पर काम कर रहे हैं तो बीच-बीच में ब्रेक लेते रहें। कोशिश करें कि 30-40 मिनट के बाद अपनी नजर को दूर किसी वस्तु पर ले जाएं, अपने से लगभग 20 फिट की दूरी पर दूसरी वस्तु को देखें। एक घंटे तक काम करने के बाद 10 मिनट के लिए कंप्यूटर की स्क्रीन बंद कर दें।

हेल्दी स्नैक लेते रहें

आंखों को स्वस्थ रखने के लिए स्वस्थ आहार का सेवन बहुत जरूरी है। खाने में विटामिन ए, ई और सी को जरूर शामिल करें। ये आंखों के लिए आवश्यक हैं। दूध और दूध से बने पदार्थ, हरी पत्तेदार सब्जियां, अंडा, पपीता, गाजर विटामिन ए के अच्छे स्रोत हैं, इनको अपने आहार में शामिल करें। काम के बीच में भी स्वस्थ और विटामिन युक्त हेल्दी स्नैक लेते रहें।

आंखों के व्यायाम

काम के बीच में आंखों में थकान हो जाती है, इससे बचाने के लिए काम के दौरान ही आंखों के व्यायाम कीजिए। अपनी हथेली और उंगली से आंखों को बंद करके उनपर मालिश करें। बीच-बीच में आंखों की पुतलियों को चारों ओर घुमाएं। इससे आंखों को आराम मिलता है। बीच-बीच में पानी के छींटे भी मार सकते हैं। आंखों को स्वस्थ रखने के लिए भरपूर नींद जरूरी है, कम से कम आठ घंटे की नींद लें, आंखों में अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पादों का ही प्रयोग करें। अपनी आंखों की नियमित रूप से जांच कराएं।

भोजन के समय पानी पीने के नुकसान

यूं तो पानी पीना एक अच्छी आदत है। किसी भी रोग को दूर भगाने के लिए पानी एक रामबाण इलाज है। लेकिन क्या आपको पता है खाना खाते समय पानी पीना कितना हानिकारक है आपके स्वास्थ के लिए? इसका सीधा असर आपकी पाचन शक्ति पर होता है। कभी भी खाना खाने के आधे घंटे या 1 घंटे तक पानी नहीं पीना चाहिए।

क्यों न पीएं भोजन के दौरान पानी

भोजन के समय पानी पीने से यह पेट की सतह द्वारा सोख लिया जाता है। यह प्रक्रिया तब तक चलती रहती है जब तक कि पेट में पाचन के लिए जरूरी द्रव्य इतने अधिक गाढ़े न हो जाएं कि वे भोजन को पचा सकें। लेकिन खूब सारे पानी पीने के कारण यह द्रव्य पेट में मौजूद भोजन से भी अधिक गाढ़ा हो चुका होता है, ऐसे में भोजन पचाने के लिए पेट में गैस्ट्रिक जूस बनना शुरू हो जाता है। परिणाम स्वरूप भोजन नहीं पचता और सीने में जलन होती है।

महत्वपूर्ण बातें

- यदि भोजन सादा हो तो भोजन के समय पानी न पीना लाभकारी होता है। लेकिन जब भोजन अधिक तीखा, मिर्च-मसालेदार, नमकीन, खट्टा हो तो पानी पीना आवश्यक है, ऐसे में पानी पीने से आपके शरीर को कोई नुकसान नहीं होगा।
- इसके विपरीत यदि भोजन प्राकृतिक हो और भोजन को अच्छी तरह से चबा-चबाकर खाते हैं तो भोजन के बीच पानी पीने की कोई आवश्यकता नहीं होती।
- तीखा या चटपटा भोजन करते समय ध्यान रखें कि प्यास लगने पर एक या दो घूंट पानी ही पीएं। ज्यादा पानी से पाचन सही से नहीं हो पाता है।
- भोजन करते समय अगर आपको खांसी आती हो और भोजन के बीचमें पानी पीने की जगह दूध, मट्ठा व दही का सेवन करें। इससे आपका भोजन सही से पच सकेगा।
- सर्दियों के मौसम में ठंडा पानी पीने से बचें क्योंकि इस मौसम में आपकी पाचन शक्ति काफी कमजोर होती है।
- भोजन के बीच में पानी पीने से शरीर में इंसुलिन का स्तर बढ़ जाता है।
- भोजन के बाद एक कप गर्म पानी पीने से आपकी पाचन शक्ति ठीक रहती है और खाने को पचने में मदद मिलती है।
- अगर आप खाने के साथ अन्य कोई पेय पदार्थ जैस कोल्ड ड्रिंक य दूध लेते हैं तो यह आपके पाचन शक्ति के लिए ठीक नहीं हैं। क्योंकि खाना खाने के साथ यह पेय पदार्थ भी कुछ हद तक वैसा ही काम करते हैं जैसा कि पानी।

कुल मिलाकर पानी पीना सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है, लेकिन दिन में पानी तो आप खूब पिएं लेकिन भोजन के साथ ज्यादा पानी न पिएं। आप सुबह उठकर खूप पानी पी सकते हैं, या दिन में थोड़ा-थोड़ा कर 3 से 4 लीटर पानी पी सकते हैं।

डिलीवरी के बाद महिलाओं में होते हैं ये बदलाव

जैसे कि गर्भावस्था के दौरान महिलाओं में शारीरिक और मानसिक परिवर्तन होते हैं ठीक उसी प्रकार प्रसव के बाद भी महिला के शरीर में कई बड़े बदलाव आते हैं, विशेषकर पहले हफ्ते में। प्रसव के बाद महिलाओं के शरीर में बदलाव होना स्वाभाविक है। कुछ महिलाएं गर्भधारण के शुरूआत से ही अपना पूरा ख्याल रखती हैं, ऐसी महिलाओं के शरीर में प्रसव के बाद काफी कम बदलाव होते हैं। कई बार ऐसा लगता है कि यह महिला गर्भवती हुई ही नहीं थी। जबकि कई महिलाओं के शरीर में काफी ज्यादा बदलाव देखने को मिलते हैं। फिर भी आमतौर पर प्रसव के बाद महिलाओं के शरीर में छोटे-छोटे बदलाव तो जरूर होते हैं।

त्वचा में बदलाव

बच्चे के जन्म के बाद जिन महिलाओं की त्वचा रूखी होती है, उनकी त्वचा पहले से और भी अधिक रूखी हो जाती है। गर्भावस्था में स्तन, पेट और जांघों की त्वचा खिंच जाती है। इस खिंचाव के कारण महिलाओं के शरीर की त्वचा पर हल्के रंग के दाग दिखाई पड़ने लगते हैं।

वजन बढ़ना

गर्भावस्था की अवधि के दौरान लगभग सभी महिलाओं का वजन बढ़ जाता है। प्रसव के बाद भी महिलाओं का वजन अधिक ही बना रहता है। अधिक चिकनाईयुक्त भोजन करने, मेवे आदि के सेवन के कारण महिलाओं का भार बढ़ता चला जाता है। जिन महिलाओं का वजन अधिक होता है। उनके शरीर पर पके हुए लाल रंग के घाव दिखाई पड़ने लगते हैं। शरीर के वजन को कम करने के लिए किसी विशेषज्ञ की देखरेख में व्यायाम करना चाहिए।

बालों का झड़ना

बच्चे के जन्म के बाद महिलाओं के सर के बालों का टूटना, पतला होना, बालों का सफेद होना, बालों का न बढ़ना जैसी परेशानियां आम बात है। आमतौर पर यह खुद ही ठीक हो जाते हैं। इस समस्या से बचने के लिए पौष्टिक आहार लें और बालों की उचित देखभाल करें।

दांतों में परेशानी

प्रसव के बाद महिलाओं के दांतों की चमक कम हो जाती है। दांतों में दरारे, दांतों में छेद, मसूड़ों का सूजना एवं मवाद का आना आदि समस्याएं भी उत्पन्न हो जाती है।

पैरों में बदलाव

महिलाओं में प्रसव के बाद शरीर के लिंगामेंट मांसपेशियों तथा दो हड्डियों के बीच बांधने वाली नलिकाएं ढीली हो जाती है, जिससे पैरों के आकार में परिवर्तन हो जाता है। प्रसव के बाद हड्डियों का आकार बदल जाता है। इस कारण महिलाओं के चाल में भी परिवर्तन आ जाता है। इसकी वजह से कमर तथा कूल्हों में दर्द है।

मानसिक बदलाव

कई बार प्रसव के बाद महिलाओं को रोने का मन करता है। या कई अलग-अलग तरह के विचार दिमाग में आते हैं। यह शरीर में हुए हार्मोनल बदलाव के कारण हो सकता है।

चुस्त रहने के लिए जरूरी है शरीर में पर्याप्त हो आयरन

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए अन्य विटमिन की ही तरह आयरन से भरपूर आहार लेना भी बहुत जरूरी होता है। आयरन की जरूरत हीमोग्लोबिन बनाने के लिए होती है। यह लाल रक्त कोशिकाओं में पाया जाता है जो अंगों व ऊत्तकों में ऑक्सीजन वहन करने का काम करता है। पर जब भी आयरन की बात आती है तो बेस्ट सोर्स के तौर पर पालक का नाम ही दिमाग में आ जाता है। लेकिन जानना होगा कि सिर्फ पालक ही आयरन का बेस्ट सोसज़ नहीं है। तो आइए आज हम आपको बताते हैं कि कैसे पोषक तत्वों और सप्लीमेंट्स के जरिए हम खून में आयरन की मात्रा बढ़ा सकते हैं।

गुड़ खाकर दूर करें आयरन की कमी

अगर आयरन की पयाज़्त मात्रा न हो, तो इसका असर हमारे शरीर के कई अंगों पर पड़ता है। गुड़ एक ऐसा आहार है जिसमें आयरन बहुत अधिक पाया जाता है। गुड़ गन्ने से तैयार एक शुद्ध, अपरिष्कृत चीनी है। यह खनिज और विटमिन है जो मूल रूप से गन्ने के रस में ही मौजूद हैं। गुड़ को चीनी का शुद्धतम रूप माना जाता है। गुड़ आयरन का एक प्रमुख स्त्रोत है और अनीमिया के शिकार व्यक्ति को चीनी के स्थान पर इसके सेवन की सलाह दी जाती है।

आयरन अवशोषण ऐसे बढ़ाएं

शाकाहारी खाद्य पदार्थों में मौजूद आयरन आपके शरीर के ज्यादा से ज्यादा काम कैसे आए यह जानना भी जरूरी है। इसमें विटमिन सी आपकी मदद कर सकता है। ताजा सब्जियां और खट्टे फल विटमिन सी के सबसे अच्छे ोत हैं। इसके साथ ही आप चाहें तो मसूर के सूप में लाल शिमला मिर्च व अन्य सब्जियां डालकर पिएं।

इतने आयरन की जरूरत

सामान्य महिला को एक दिन में 18 मिलीग्राम आयरन की आवश्यकता होती है, गर्भावस्था के दौरान महिला को 27 मिलीग्राम आयरन लेना चाहिए। वहीं, पुरुषों को रोजाना 8 मिलीग्राम आयरन की जरूरत होती है। 14 से 18 साल की आयु की लड़कियों को 15 मिलीग्राम आयरन की रोजाना आवश्यकता होती है।

यह सोचना गलत है कि पालक में ही सबसे ज्यादा आयरन होता है। रेड मीट में ज्यादा मात्रा में आयरन होता है जो फायदेमंद है। पर इसे ज्यादा मात्रा में नहीं खाना चाहिए।

- डॉ सरनजीत सिंह, स्पोर्ट्स मेडिसिन स्पेशियलिस्ट

आयरन की कमी के लक्षण

■ जीभ में दर्द ■ बालों का झड़ना ■ सिर में दर्द ■ चक्कर आना ■ थकान लगना ■ भूख न लगना ■ नाखूनों में सफेदी आ जाना ■ कमजोरी

इन फूड्स से मिलेगा आयरन

- **वेज:** फलियां, नट्स, बादाम, पालक और हरी पत्तेदार सब्जियां।
- **नॉनवेज:** रेड मीट और मछली
- **फल:** खजूर, तरबूज, सेब, अंगूर, अनार

रेसिपी

करेले का चटपटा अचार

सामग्री

1 किलो करेला
2 चम्मच नमक
1 चम्मच हल्दी
1 चम्मच सोंठ
1/4 कप मिर्च पावडर
1/4 कप भुनी और कुटी अजवायन
2 चम्मच सौंफ, भुना और पावडर किया हुआ
2 कप नींबू का रस एक कांच का जार

विधि

करेले के ऊपर का कठोर हिस्सा चाकू से घिस लें, फिर उसे लंबा लंबा काट लें। करेले को नमक में मिलाएं और 3-4 घंटे के लिए रख दें। फिर करेले को हाथों से दबा कर निचोड़ लें और उसक बीज को निकाल कर साफ पानी से धो लें। उसके बाद फिर से करेले को निचोड़ें। अब मसाले में नींबू का जूस मिक्स करें, जिससे उसमें नमी आ जाए। फिर इस मसाले को करेले के अंदर भर कर उसे धागे से कटस कर लपेट दें, जिससे वह बंध जाए। अब इन करेलों को जार में भर दें और ऊपर से नींबू का रस मिला कर कवर कर दें। इसे 3-4 दिन धूप दिखा कर तीन चार हफ्तों बाद खाएं। एक बार जब करेले का अचार तैयार हो जाए तब इसे छोटे छोटे पीस में काट कर सर्व किया जा सकता है।

रागी डार्क चॉकलेट

सामग्री

100 ग्राम कंपाउंड डार्क चॉकलेट
2 अंडे 1/2 कप कैस्टर शुगर या ब्राउन शुगर
1/2 कप पिघला बटर
1/2 कप रागी आटा
1/2 चम्मच बेकिंग पावडर
2 टी स्पून विस्की

विधि

ओवन को पहले 100 डिग्री सेल्सियस पर गरम कर लें। फिर कंपाउंड चॉकलेट को छोटे टुकड़ों में तोड़कर डबल बॉइलर में पिघला लें। फिर इसे किनारे रखें और ठंडा होने के लिए किनारे रख दें। एक बाउल में अंडे अच्छे से फेटें और उसमें शक्कर धीरे धीरे मिलाएं। अब पिघला चॉकलेट और पिघला बटर एक साथ मिक्स करें। फिर इस मिश्रण को अंडे और शक्कर वाले मिश्रण में मिक्स करें। अब रागी और बेकिंग पावडर को छान लें। फिर इसे पहले बताए गए मिश्रण में धीरे धीरे मिक्स करें। ध्यान रखें कि गांठे ना पड़ें। साथ ही ओवर मिक्स भी ना करें। अब आखिर में विस्की मिलाएं और आखिरी बार चलाएं। इस मिश्रण को बेकिंग टिन जो कि 6 इंच की चौड़ाई में हो, उसमें पलटें। इसे ओवन में 15 मिनट तक पकाएं और जब यह हो जाए तब उसमें फोर्क घुसा कर चेक कर लें। फिर इसे ओवन से निकाल कर ठंडा होने के लिये रखें। फिर इसे सर्व करें।

ऑल टाइम फेवरेट शॉर्ट मिडी और वन पीस ड्रेसेज

इस बार सर्दी कम है, इसलिए पार्टी में ड्रेस का स्टाइल भी कुछ डिफरेंट होगा। यंगस्टर्स सेलिब्रेशन में लेटेस्ट फैशन कैरी कर रहे हैं। इसे देखते हुए मैटेलिक टच में वन पीस ड्रेस और गाऊन का ट्रेंड देखा जा रहा है। साथ ही लांग टॉप्स, शॉर्ट मिडी और लाइक्रा ड्रेस को भी गर्ल्स पसंद कर रही हैं। पार्टी में शॉर्ट ड्रेस के साथ ही स्पेशल दिखने के लिए सिल्वर और गोल्डन कलर में ड्रेसेस डिजाइन यूथ ने सबसे ज्यादा कराई हैं।

लांग टॉप

यह एक तरह का टॉप है, जो थोड़ा डीप लेंथ का है। इसको लेगिंग्स, जेगिंग्स और जींस के साथ मैच किया जा सकता है। स्पेशल ओकेजंस को देखते हुए ये ड्रेस परफेक्ट है, क्योंकि इसे मलमल कॉटन से बनाया गया है, जो रात में लाइट से रिफ्लेक्ट होकर काफी चमकता है।

मक्खी नेट शॉर्ट्स

मक्खी नेट शॉर्ट्स का फैशन भी इन दिनों काफी पॉपुलर हो रहा है। फ्लॉवर इसकी खूबसूरती में चार चांद लगाता है। ये ड्रेस दिखने में जितनी ट्रेंडी है पहनने में उतनी ही आरामदायक भी है। ये ड्रेस कूल और डिसेंट दोनों ही लुक देती हैं। सेलिब्रिटी से हिट हुआ शॉर्ट मिडी का फैशन अब सिटी में भी एंट्री मार चुका है। यह एक तरह का लांग टॉप होता है जिसे जींस, लेगिंग्स या जेगिंग्स के साथ तो पहना ही जा सकता है साथ ही इसको वन पीस की तरह से भी यूज किया जा सकता है। ये ड्रेस पहनने में काफी कम्फर्टेबल होती हैं।

वेल्वेट ड्रेसेस

न्यू ईयर पार्टी के लिए लाइक्रा और वेल्वेट ड्रेसेस डिजाइन किए जा रहे हैं। वन पीस ड्रेस खासतौर पर फ्रिल पैटर्न में डिजाइन की जा रही हैं। वहीं, ईवनिंग गाउन से लेकर, वन पीस ड्रेसेस, स्कर्ट्स ज्यादातर ड्रेसेस फ्रिल पैटर्न में अवेलेबल हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**